फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 73 संख्याः 25 प्रभात जयपुर, शुक्रवार 26 अगस्त, 2022 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

Fauji life: This Life Was Priceless!

We remembered dad's IC number more than our roll number, it gave us a proud attachment, we showcased the dependant card with utmost dignity.

How Fast Our Universe Is Expanding

There are no limites to expansion and everyday is a step ahead.

महान वैज्ञानिक चार्ल्स डार्विन और फ्रेंच नैचुरलिस्ट व बायॉलजिस्ट, ज़ाँ बतीस्त लामार्क के जमाने से वैज्ञानिक हैरान हैं कि जिराफ को लम्बी गर्दन कैसे मिली। डार्विन का सिद्धांत अभी भी प्रचलित है पर "नैचुरल सलैक्शन" या "सैक्सुअल सलैक्शन" में से किस प्रक्रिया की भूमिका ज्यादा महत्वपूर्ण है इस बात पर इवोल्यूश्नरी (विकासवाद- संबंधी) वैज्ञानिकों में आज भी मतभेद है। चाइनीज़ अकैडमी ऑफ साईन्सेज़ के वैज्ञानिकों के नेतृत्व में हुई एक रिसर्च, जो हाल ही में वैज्ञानिक जर्नल "साईन्स" में छपी है, में सैक्सुअल सलैक्शन अवधारणा को महत्व दिया गया है। वर्तमान जिराफ के एक प्राचीन सम्बंधी, 1.7 करोड़ साल पहले धरती पर विचरण करने वाले डिस्कॉकरिक्स ज़ायज़ी, का एक जीवाश्म मिला है, जिससे संकेत मिलता है कि लम्बी गर्दन "मेटिंग वॉर" जीतने में मदद करती होगी। साउथ अफ्रीका की युनिवर्सिटी ऑफ केप टाउन के बिहैवियरल इकॉलजिस्ट, रॉब सिमन्स, 1996 में सैक्सुअल सलैक्शन के पक्ष में तर्क दे चुके हैं। उस समय का प्रमुख स्पष्टीकरण था कि, लम्बी गर्दन से जिराफ को ऊंचे पेड़ों की पत्तियां खाने में सहायता मिली, जिससे वो पत्ती खाने वाले अन्य जानवरों से प्रतिस्पर्धा में आगे निकल गए और उनके सरवाइवल के अवसर बढ़ गए, इसलिए यह प्रवृति भावी पीढ़ियों में भी आ गई। नए शोध के मुख्य लेखक शी की वांग ने कहा, "संभवतया गर्दन लम्बी होने का मुख्य कारक लड़ाई हो सकता है, क्योंकि नर लड़ाई में अपनी लम्बी गर्दन का इस्तेमाल करते हैं।" डिस्कॉकरिक्स ज़ायज़ी के जीवाश्मों के मॉर्फोलॉजिकल परीक्षण में सामने आया है कि, इन जानवरों के सिर की हड्डी हैलमैट जैसी मोटी थी और ये अक्सर सिर से सिर टकराकर लड़ते थे। इन प्राचीन जिराफों में सैक्सुअल सलैक्शन के दबाव की वजह से लम्बी गर्दन और सिर पर हैलमैट जैसी हड्डी विकसित हुई। फील्ड ऑब्ज़र्वेशन भी बताते हैं कि, मादा लम्बी गर्दन वाले नर को पसंद करती हैं। वैसे इस नए सिद्धांत से सभी सहमत नहीं हैं। कुछ वैज्ञानिकों ने सवाल उठाया है कि, फिर मादा की गर्दन लम्बी क्यों होती है। नए शोध से भी जिराफ की लम्बी गर्दन के उद्विकास का मसला पूरी तरह शांत नहीं हुआ है, पर सैक्सुअल सलैक्शन में लम्बी गर्दन की भूमिका को नज़र अंदाज़ नहीं किया जा सकता।

भाजपा अभी अनिश्चय की स्थिति में झारखण्ड में

भाजपा की दुविधा है, वह हेमन्त सोरेन की सरकार को गिराने में सक्रिय भूमिका रखे या सरकार को, उसमें मौजूद अन्तर विरोध के कारण स्वयं ही गिरने दे

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 अगस्त। झारखंड में हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली गठबंधन संकट में पड़ गई है क्योंकि चुनाव आयोग का मत है कि खनन केस में मुख्यमंत्री के खिलाफ "लाभ के पद" से संबंधित मामले में पर्याप्त प्रमाण है।

राज्य संवैधानिक संकट की ओर बढ़ रहा है। राज्यपाल रमेश बैस विधानसभा से सोरेन को अयोग्य ठहराने से पहले संवैधानिक विशेषज्ञों से सलाह ले रहे हैं।

सोरेन का इस्तीफा होना तय है और गठबंधन के तीनों दल झारखंड मुक्ति मोर्चा, कांग्रेस और राजद ने गुरूवार को विचार विमर्श किया और तीन विकल्पों पर चर्चा की। पहला यह कि सोरेन इस्तीफा दें और फिर से तुरंत मुख्यमंत्री पद की शपथ ले लें, विधानसभा की सदस्यता के बिना ही। दूसरा विकल्प है कि सोरेन की पत्नी कल्पना को मुख्यमंत्री बना दिया जाए। और तीसरा विकल्प है कि वे मध्यावधि चुनाव घोषित कर दें।

- **जैसा कि विदित ही है, "ऑफिस ऑफ प्रॉफिट" के आरोप में चुनाव आयोग ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की सदस्यता भंग करने की सिफारिश की है, अतः मु.मंत्री सोरेन की सरकार में अस्थिरता की स्थिति है।**
- **विधानसभा में सोरेन की पार्टी के तीस विधायक हैं। भाजपा के 26 तथा सोरेन की सरकार को समर्थन देने वाली पार्टियों, जिनमें कांग्रेस भी शामिल है, के 23 विधायक हैं।**
- **भाजपा, कांग्रेस के 18 विधायकों में विभाजन भी करा सकती है।**
- **सोरेन के समक्ष अभी तीन विकल्प हैं या तो अपनी विधानसभा की सदस्यता त्याग कर छः महीने गैर सदस्य रहते हुए मु.मंत्री बने रहे, अथवा पत्नी कल्पना को मु.मंत्री बनवायें या मध्यावधि चुनाव करवायें।**

हालांकि इसी बीच झारखंड में "ऑपरेशन लोटस" की संभावना की भी चर्चा है पर भाजपा अभी तय नहीं कर पाई है कि उसे राज्य में सरकार बनाने की कोशिश करनी चाहिए या फिर सोरेन को पॉक्सी मुख्यमंत्री बनाने की अनुमति देकर यह इंतजार करना चाहिए कि गठबंधन सरकार अपने अन्तर्विरोधों से खुद ब खुद गिर जाए।

81 सदस्यीय राज्य विधानसभा में झारखंड मुक्ति मोर्चा के 30 विधायक हैं और भाजपा के 26 विधायक है। कांग्रेस के 18 ए.जे.एस.यू. के दो भाकपा माले, राजद और भाकपा का एक-एक सदस्य है। कैश स्कैम केस में झारखंड मुक्ति मोर्चा के तीन विधायकों को अयोग्य ठहराए जाने के बाद भी सोरेन की पार्टी के पास सहयोगी दलों की बदौलत पर्याप्त बहुमत है। दूसरी ओर भाजपा ज्यादा से ज्यादा 30 विधायकों का समर्थन जुटा सकती है कि जो कि पूर्ण बहुमत से 11 कम है। लेकिन पता चला है कि भाजपा के रणनीतिकार कांग्रेस विधायक दल में विभाजन कराने के लिए जोर-शोर से जुटे हुए हैं।

सोरेन के खिलाफ केस भाजपा नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री रघुबर दास की इस शिकायत पर दर्ज किया गया है कि जून 2021 में मुख्यमंत्री रहते हुए उन्होंने अपने नाम पर खनन लीज़ आवंटित करवाई थी। मुख्यमंत्री के भाई बसंत सोरेन के खिलाफ खनन लीज़ का मामला चुनाव आयोग में लंबित है। उनके पिता शिबु सोरेन के खिलाफ भी लोकपाल कोर्ट में आय से अधिक सम्पत्ति का मामला चल रहा है।

'प्रधानमंत्री की सुरक्षा में चूक हुई थी, पंजाब यात्रा के दौरान'

सुप्रीम कोर्ट की पूर्व न्यायाधीश इन्दु मल्होत्रा ने प्रकरण की जांच करके फिरोज़पुर के सीनियर सुपरिन्टैंडेंट पुलिस को इस चूक के लिये जिम्मेवार ठहराया

-जाल खबांता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 अगस्त। सुप्रीम कोर्ट की पूर्व न्यायाधीश इन्दू मल्होत्रा की अध्यक्षता वाले पैनल ने फिरोजपुर के वरिष्ठ पुलिस उपअधीक्षक को प्रधानमंत्री मोदी की सुरक्षा में खामी का जिम्मेवार ठहराया है। कहा गया है, प्रधानमंत्री मोदी की 5 जनवरी की यात्रा के दौरान पर्याप्त फोर्स होने के बावजूद भी सुरक्षा व्यवस्था पर्याप्त नहीं की गई थी।

जस्टिस इंदू मल्होत्रा उस कमेटी की मुखिया थी जिसने 5 जनवरी की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पंजाब यात्रा के दौरान हुई सुरक्षा खामी की जांच की थी। इस दौरान प्रधानमंत्री का काफिला फिरोज़पुर जाते समय फ्लाइओवर पर फंस गया था। प्रधानमंत्री फिरोज़पुर एक जनसभा को संबोधित करने जा रहे थे। सुप्रीम कोर्ट ने सुरक्षा खामी के लिए 12 जनवरी को समिति गठित की थी।

- **रिपोर्ट में स्पष्ट लिखा है कि, हालांकि, एस.एस.पी. के पास पर्याप्त पुलिस फोर्स थी, तथा उन्हें प्रधानमंत्री की यात्रा से दो घण्टे पहले सूचना भेज दी गई थी, वे सुरक्षा प्रदान करने से चूक गये।**
- **जैसा कि, विदित ही है, प्र.मंत्री का काफिला, फ्लाई-ओवर पर बीस मिनिट तक असुरक्षित खड़ा रहा था, जब प्र.मंत्री फिरोज़पुर जा रहे थे, आम सभा को संबोधित करने।**
- **सुप्रीम कोर्ट यह रिपोर्ट सरकार को भेजेगा उचित कार्यवाही के लिये।**

चीफ जस्टिस एन.वी.रमना और जस्टिस सूर्यकान्त व हिमा कोहली की बैंच रिपोर्ट देख रही है, जिसमें कमेटी ने सुझाव दिया है कि प्रधानमंत्री की सुरक्षा की "ब्लू बुक" की नियमित अंतराल पर समीक्षा के लिए एक ओवरसाइट कमेटी बनाई जाए।

रिपोर्ट कहती है कि, फिरोज़पुर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कानून व्यवसाय बनाए रखने की ड्यूटी पूरी करने में असफल रहे। पर्याप्त फोर्स होने के बाद भी वे सुरक्षा व्यवस्था ही कर पाए जबकि उन्हें प्रधानमंत्री के उस मार्ग पर आने को दो घंटे पहले सूचना दे दी गई थी।

कोर्ट का कहना है कि वे यह रिपोर्ट केन्द्र सरकार की 5 सदस्यीय कमेटी के पास भेजेंगे जो इस पर उचित कार्यवाही करेगी। बैंच ने कहा कि रिपोर्ट में प्रधानमंत्री सुरक्षा के सम्बन्ध में आवश्यक सुधारों व उपायों के बारे में भी बताया गया हैं। इंदु मल्होत्रा के नेतृत्व वाली टीम नैशनल इन्वैस्टिगैटिंग एजेंसी के डी.जी.पी. या उनके प्रतिनिधि है, जो महानिरीक्षक के समकक्ष पद का हो, चड़ीगढ़ पुलिस के महानिदेशक, पंजाब पुलिस (सुरक्षा) के अतिरिक्त महानिदेशक और पंजाब, हरियाणा हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार!

सुप्रीम कोर्ट में वकीलों के एक संगठन "लॉयर्स वॉइस" ने याचिका दायर की थी तथा सुरक्षा खामियों की पृथक जांच की मांग के साथ यह मांग भी की थी कि भविष्य में ऐसा फिर न हो यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

दूध पर संकट

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 अगस्त। भारत विश्व में दूध का सबसे बड़ा उत्पादक है और 8 करोड़ किसानों की बदौलत प्रति वर्ष 20 करोड़ टन दूध उत्पादित होता है, और अधिकांश दूध की खपत यहीं होती है। लेकिन न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार दुग्ध उत्पाद मुश्किल होता जा रहा है और इसकी खरीद और महंगी होती जा रही है, मुख्यत: जलवायु परिवर्तन की वजह से।

- **भारत विश्व का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक है पर विशेषज्ञों का कहना है कि, क्लाइमेट चेंज की वजह से भारत के दुग्ध उत्पादन में 11 प्रतिशत तक कमी आ सकती है।**

वनस्पतियों को मुरझा देने वाली गर्मी इस वर्ष जल्दी पड़ गई और साधारण से अधिक समय तक रही। इसको लेकर वैज्ञानिकों ने माना कि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'अडानी ग्रुप की प्रगति उन ऋणों पर टिकी है जो सरकारी बैंक उन्हें दे रहे हैं'

-जाल खबांता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 अगस्त। कांग्रेस ने गुरूवार को इस बात पर चिन्ता प्रकट की कि गौतम अडानी जैसे सरकार के कुछ मित्रों को जो ऋण उपलब्ध करवाए जा रहे हैं, उन्होंने देश को राष्ट्रीय ऋण दायित्वों के संदर्भ में सर्वाधिक चिन्तित स्थिति में ला दिया हैं।

पार्टी प्रवक्ता गौरव वल्लभ ने एक प्रैस कांफ्रेंस में बताया कि यह एक गंभीर मसला है क्योंकि वर्ष 2022-23 के अन्त में केन्द्र सरकार पर आन्तरिक और बाह्य ऋणों के बकाया और दायित्वों करीब 152.17 लाख करोड़ थे, जबकि वर्ष 2013-14 में ये 55.9 लाख करोड़ ही थे। सामान्य शब्दों में प्रति व्यक्ति ऋण भार 43 हजार 124 से 1.09 लाख हो गया हैं।

उन्होंने अडानी ग्रुप की चौंकाने वाली ऋण स्थिति पर न्यूयॉर्क की क्रेडिट रिसर्च फर्म क्रेडिट साइट्स द्वारा हाल ही गई एक रिपोर्ट का हवाला दिया

- **कांग्रेस के प्रवक्ता ने न्यूयॉर्क की क्रेडिट रिसर्च फर्म, की रिपोर्ट को आधार बनाकर आरोप लगाया कि, अडानी ग्रुप पर 2 लाख 30 हजार करोड़ रू. का ऋण है, अडानी परिवार ने नये प्रोजैक्ट लगाने में स्वयं का पैसा बहुत कम लगाया है और बैंक के उधार से ही नये-नये प्रोजैक्ट खरीदे हैं।**
- **अडानी ग्रुप ने अप्रेल 2020 से जून 2022 की अवधि में स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया से 48 हजार करोड़ रू. का ऋण प्राप्त किया। एक ही पार्टी को इतना बड़ा ऋण देना बैंक के लिये खतरे से खाली नहीं, क्योंकि, अगर यह पार्टी फेल हो गयी तो बैंक को डूबने से बचाना बहुत मुश्किल होगा।**
- **कांग्रेस का आरोप है, गौतम अडानी को इतनी बैंक सुविधाएं इसलिये मिलीं, क्योंकि वे प्र.मंत्री मोदी के मित्र हैं।**

क्योंकि अडानी ग्रुप का कुल सकल ऋण करीब 2.3 ट्रिलियन (2 लाख, 30 हजार करोड़ रूपए है)। रिपोर्ट में टिप्पणी की गई है कि नए अथवा असम्बद्ध व्यवसायों, जिनमें पर्यावरण,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

तीन आतंकी मारे गये

श्रीनगर, 25 अगस्त (वार्ता)। जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में नियंत्रण रेखा के पास गुरुवार को सुरक्षाबलों के साथ हुई मुठभेड़ में कम से कम तीन सशस्त्र घुसपैठिये मारे गये।

- **सुरक्षाबलों ने एल.ओ.सी. पर आतंकियों को घुसपैठ करते देख इस ऑपरेशन को अंजाम दिया, सुरक्षाबलों ने अपनी चाकचौबंदी से पिछले चार दिनों में आतंकी घुसपैठ की तीन कोशिशों को नाकाम किया है।**

आधिकारिक सूत्रों आज यहां बताया कि सुरक्षाबलों ने घुसपैठ के प्रयास को विफल कर दिया है। जवानों ने उरी सेक्टर के कमलकोट इलाके में सीमा के पास संदिग्ध हरकत देखी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सुप्रीम कोर्ट के प्रति आक्रामक रूख रखने वाले तमिलनाडू के वित्त मंत्री को पूर्व उप राष्ट्रपति नायडू का समर्थन मिला

वित्त मंत्री पी.टी.आर. ने कहा था कि, यह सुप्रीम कोर्ट के अधिकार क्षेत्र में नहीं है कि, वह राज्य सरकारों को आदेश दे कि, राज्य सरकार अपना पैसा कैसे खर्च करें

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 अगस्त। तमिलनाडु के जाने माने और अपने विषय के विशेषज्ञ वित्त मंत्री पी. त्यागराजन जो तीखे बयानों के लिए चर्चित हैं, पर उनके विवादास्पद बयान पर इस चौतरफा हमले हो रहे हैं तथा सर्वोच्च न्यायालय ने भी उनके तीखे बयान पर तल्ख टिप्पणी है। गौरतलब बात यह है कि राजन की चौतरफा आलोचनाओं के बावजूद, पूर्व उपराष्ट्रपति एम. वैकेंया नायडू ने उन्हें शाबाशी दी है।

मदुरै के ये डी.एम. के. (द्रमुक) नेता, जो पी.टी.आर. नाम से प्रसिद्ध हैं, उस समय पूरे देश में चर्चा का विषय बन गये थे, जब उन्होंने राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं, जिन्हें "फ्रीबीज" कहा गया है, पर निर्देश देने के केन्द्र सरकार व सर्वोच्च न्यायालय के अधिकारों पर सवालिया निशान लगाया। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा फ्रीबीज के मुद्दे को हाथ में लेने के लिये, न्यायपालिका पर की गई पी.टी.आर. की टिप्पणियों पर सर्वोच्च न्यायालय ने आपत्ति दर्शाई थी तथा कहा था कि वह डी.एम.के. के बयानों को देख रहा है। न्यायालय ने कहा था कि ये बयान सही नहीं है।

- **पूर्व उप राष्ट्रपति नायडू ने भी पी.टी.आर. का समर्थन करते हुए जोड़ा कि, किसी भी कानून की व्याख्या करानी हो तो उसमें सुप्रीम कोर्ट की भूमिका होती है, पर राज्य सरकार की, क्या नीति हो और कितना पैसा किस स्कीम पर खर्च करना है, यह राज्य सरकार के दायरे की बात है।**
- **पी.टी.आर. ने तो केन्द्रीय सरकार पर और भी गंभीर कटाक्ष करते हुए कहा था कि, तमिलनाडू की सरकार राज्य की इकॉनमी को बेहतर मैनेज कर रही है, तथा कथित "रेवड़ियां" बांटने के बावजूद तमिलनाडू की ग्रोथ रेट, केन्द्रीय सरकार से बेहतर है, तमिलनाडू में महंगाई कम है, आदि, आदि, अतः केन्द्रीय सरकार का तमिलनाडू सरकार पर कटाक्ष करना उचित नहीं।**

तमिलनाडु के वित्त मंत्री, जो हर समय शोधपूर्ण जानकारी, विषय तथा आक्रामकता से लैस रहते हैं, के तेवर, स्वर तथा शब्द-चयन अप्रिय तथा अपमानजनक लग सकता है तथा कुछ लोग यह भी महसूस कर सकते हैं कि उनके बयानों से बौद्धिक अहंकार की गंध आती है। लेकिन जो आँकड़े उन्होंने प्रस्तुत किये, में ऐसे बाध्यकारी तर्क समाहित थे, जो उनके इस दावे का समर्थन कर रहे थे कि तमिलनाडु ने केन्द्र सरकार तथा कई राज्य सरकारों को अर्थव्यवस्था के प्रबंधन के मामले में पीछे छोड़ दिया है, इसलिये तमिलनाडु को ऐसी सीख और उपदेश की जरूरत नहीं है कि वह अपना काम कैसे करे।

अब, जो चीज पी.टी.आर. तथा इस समय पूरे देश में बढ़ते जा रहे उनके समर्थकों एवं प्रशंसकों के लिये एक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

गेहूं का आटा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 अगस्त। कैबिनेट कमेटी ऑन इकॉनॉमिक अफेयर्स (सी.सी.ई.ए.) ने गुरुवार को गेहूं के आटे के निर्यात पर रोक लगा दी क्योंकि मई के महीने में गेहूं के निर्यात पर पाबंदी लग जाने के बाद, बेईमान व्यापारियों ने गेहूं के आटे का निर्यात शुरु कर दिया था।

- **केन्द्र सरकार की कैबिनैट कमेटी ने गेहूं के आटे के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया है, क्योंकि गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध होने की वजह से व्यापारी गेहूं का आटा निर्यात करने लगे थे।**

अधिकारियों ने कहा कि इस कदम की जरुरत इसलिये पड़ी क्योंकि अन्तर्राष्ट्रीय बाजारों में गेहूं के आटे की माँग बढ़ने के कारण, देश में भी गेहूं के आटे की कीमतों में एकाएक उछाल आ

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

देश को आजादी दिलाने वालों की आत्मा क्या कहेगी? -अज्ञात

विवाद है क्या विधायक पेंशन के अधिकारी हैं और चर्चा है, राज्य सरकार पूर्व विधायकों के पुत्र व पुत्री को पेंशन देना चाहती है।

देशभर में यह विवाद उठाया जा रहा है कि क्या सांसद व विधायक पेंशन के अधिकारी हैं? जबसे Freebies के बाबत सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष बहस चल रही है, राजस्थान राज्य की सरकार पूर्व विधायकों के पुत्र पुत्री को पेंशन दिये जाने का मानस बना रही है, क्योंकि दिल्ली, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ व अन्य की सरकारें पूर्व विधायकों के पुत्र व पुत्री को उनकी 25 वर्ष की आयु तक पेंशन दे रही है। इसका अर्थ है पूर्व विधायक व उसकी पत्नी की मौत होने पर उनके 25 वर्ष तक के आश्रित पुत्र अथवा पुत्री को पेंशन दी जानी चाहिये। अब तक जानकारी के अनुसार पुत्र व पुत्री को पेंशन लोकसभा, राज्य सभा तथा दिल्ली, छत्तीसगढ, मध्यप्रदेश, कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश, गोवा व नागालैण्ड में इस प्रकार की पेंशन दी जा रही है। कुछ राज्यों में तो पुत्र व पुत्री के न होने पर माता व पिता को पेंशन दी जा रही है। पेंशन की यह व्यवस्था इस प्रकार है कि 5 वर्ष तक सदस्य रहने वाला सदस्य 35000/- रूपये प्रतिमाह पेंशन प्राप्त कर रहा है। 70 वर्ष आयु होने पर पेंशन 20 प्रतिशत व 80 वर्ष होने पर 30 प्रतिशत वृद्धि का अधिकारी है। पेंशन के अतिरिक्त उन्हें अन्य सुविधायें भी प्राप्त हैं जैसे 200 पास रेल, विमान से यात्रा के लिये एक लाख रूपये तक की सीमा तक किराया। वे सरकारी गेस्ट हाउस की सुविधा प्राप्त करने के अधिकारी होंगे। इसके अतिरिक्त भी अन्य कई प्रकार की सुविधा प्राप्त करने के वे अधिकारी हैं।

एक बार विधायक के बाद वह दुबारा भी चुनाव लड़कर विधायक हो सकता है तथा विधायक बनने से पूर्व जो कार्य पहले करता था वह पूर्ववत कर सकता है। आश्चर्य तो इस बात का है कि प्रत्येक टर्म की पेंशन वह प्राप्त करने का अधिकारी है। ये विधायक स्वयं अपनी पेंशन निर्धारित करते हैं और कानून बनाते हैं।

यहां लेने वाला व देने वाला एक ही है और कहावत भी है अंधा बांटे रेवडी, अपने को ही देय। Freebies द्वारा सरकारी सरकारी खजाने की लूट का यह मामला है।

पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने राजस्थान मंत्री वेतन संशोधन अधिनियम 2017 के द्वारा राजस्थान मंत्री वेतन अधिनियम 1956 में संशोधन किया और धारा 7 बीबी व 11(2) जोडकर पूर्व मुख्यमंत्री को आजीवन सरकारी आवास व 10 व्यक्तियों का स्टाफ मय ड्राईवर देने की सुविधा प्रदान की उक्त संशोधन अधिनियम 2017 की वैधानिकता को राज्य के वरिष्ठ पत्रकार मिलापचंद डंडिया ने एक पीआईएल में चुनौती दी। राजस्थान उच्च न्यायालय में अधिनियम 2017 की दोनों धाराओं यानी 7 बीबी व 11(2) को दिनांक 4.9.2019 के आदेश से असंवैधानिक घोषित किया। इसे स्टेट द्वारा एसएलपी में सर्वोच्च न्यायालय में चुनौदी दी; किन्तु माननीय सुप्रीम कोर्ट ने उसे Admission स्टेज पर ही दिनांक 6.1.2020 के आदेश से खारिज कर दिया। राजस्थान उच्च न्यायालय के निर्णय का सार था कि सरकारी सम्पत्ति को मनमाने तरीके से लुटाया जाना स्वीकार नहीं किया जा सकता।

संविधान के अनुसार कोई भी कानून संविधान के किसी अनुच्छेद में दी गई शक्ति के आधार पर और संविधान की अनुसूची केन्द्र अथवा राज्य अथवा समवर्ती सूची 3 के अनुसार ही बनाया जाता है। संघ सूची 1 की एन्ट्री 73 में केन्द्र को सांसदों के वेतन व भत्तों के संबंध में कानून बनाने का अधिकार है और राज्य सूची 2 की एन्ट्री 38 के अनुसार विधायकों के वेतन व भत्तों के हेतु कानून बनाने का अधिकार है। अनुच्छेद 106 संसद को तथा अनुच्छेद 195 विधानसभा को वेतन व भत्तों के हेतु कानून बनाने का अधिकार देता है। इन दोनों प्रावधानों में केवल वेतन व भत्ते का प्रावधान है किन्तु पेंशन का कोई उल्लेख नहीं है। केन्द्र व राज्य के कानून में संशोधन कर पेंशन देने का प्रावधान बनाया गया। राज्य को मंत्रियों के वेतन व भत्ते का अधिनियम 1956 है इसके पेंशन का कोई प्रावधान नहीं है। पेंशन का प्रावधान एक्ट नं. 17/2015 व संशोधन एक्ट 26/2017 से धारा 4क के रूप में जोडा गया। वर्तमान में राजस्थान विधान सभा (अधिकारियों और सदस्यों की परिलब्धियां एवं पेंशन अधिनियम 1956 व राजस्थान विधान सभा सदस्य पेंशन नियम, 1977 के अनुसार पेंशन दी जाती है। वस्तुत: उक्त पेंशन अधिनियम 1956 का सही शीर्षक है राजस्थान विधान सभा (अधिकारियों और सदस्यों की परिलब्धियां और पेंशन) संशोधन अधिनियम 1956 है। इसके अनुसार 1 अप्रेल 2019 से ऐसे प्रत्येक व्यक्ति को जो विधानसभा सदस्य के रूप में निरन्तर अन्यथा 5 वर्ष तक की अवधि के लिय रहा हो उसे पैंतीस हजार रूपये (रू. 35000/-) की पेंशन मिलेगी। पांच वर्ष की कालावधि से अधिक निरन्तर या अन्यथा प्रत्येक वर्ष व उसके भाग के लिये 1600/- रूपये की अतिरिक्त पेंशन मिलेगी। यहां यह लिखना समीचीन होगा कि सांसदों को दी जाने वाली पेंशन की स्थिति और राजस्थान के विधायकों को दी जाने वाली पेंशन में काफी अन्तर है। राजस्थान के कर्मचारियों पर राजस्थान सिविल सेवा (पेंशन) नियम 1996 लागू होते हैं। विधायक सरकार के कर्मचारी नहीं हैं।

पेंशन का सिद्धान्त है कि सर्विस का पीरियड समाप्त होने पर ऐसी व्यवस्था हो कि रिटायरमेंट के बाद उसे एक ऐसी राशि मिल सके जिससे वह गरिमा के साथ जीवन जी सके। पेंशन सोशल सिक्यूरिटी है। सांसद व विधायक सरकारी नौकर नहीं हैं। विधायकों को पेंशन मिले यह कहीं भी संविधान में उल्लेखित नहीं है। विधायक पुन: चुनाव लड़ सकता है, फिर पेंशन का क्या प्रश्न? सरकारी नौकर तो सर्विस लॉ के अनुसार Status का प्रश्न है। माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय ने अपने निर्णय दिनांक 4.9.2019, मिलापचंद डंडिया बनाम राजस्थान राज्य व अन्य के केस में स्पष्ट कर दिया है कि विधायकों को पेंशन दिया जाना वैधानिक नहीं है। संविधान प्रत्येक नौकरी पेशा व्यक्ति को पेंशन देने की बात नहीं करता। वेतन व अलाउन्स दोनों अलग-2 शब्द हैं, अलग अर्थ रखते हैं, इनका पेंशन से कोई मतलब नहीं है। यदि विधायकों को पेंशन दी जाती है तो फिर पंचायत के पंच, सरपंचों, नगरपालिका के पार्षदों को पेंशन क्यों नहीं?

वस्तुस्थिति यह है कि जब राजस्थान विधानसभा (अधिकारियों और सदस्यों की परिलब्धियों एवं पेंशन) अधिनियम, 1956 तथा राजस्थान विधानसभा सदस्य पेंशन नियम, 1977 के तहत् पेंशन दिया जाना ही असंवैधानिक है तो फिर उक्त नई सुविधायें देना भी सर्वथा अवैध व असंवैधानिक है।

विधायकों को प्रत्येक पांच साल के टर्म की समाप्ति पर यदि वह उस पोस्ट पर पुन: चुनाव लडता है और जीतता है तो वह प्रत्येक टर्म की पेंशन प्राप्त करता है। यों भी टर्म एम्प्लायमेंट में पेंशन क्यों? स्थायी कर्मचारी ही पेंशन प्राप्त करने का अधिकारी है।

मिलापचंद डंडिया बनाम स्टेट ऑफ राजस्थान के केस में राजस्थान मंत्री वेतन संशोधन अधिनियम की वैधानिकता को चुनौती दी थी; किन्तु पेंशन के प्रावधानों को चुनौती नहीं दी थी तथा चुनौती देने के अधिकार को सुरक्षित रखा था। अब पेंशन की वैधानिकता पर प्रश्न उठाया गया है। यहां यह भी उचित व समीचीन होगा कि सुप्रीम कोर्ट ने कॉमन कॉज ए रजिस्टर्ड सोसाइटी बनाम यूनियमन ऑफ इण्डिया 2002 (1) एससीसी 88 में संसद सदस्यों को पेंशन का अधिकार माना है। यह निर्णय वास्तव में निर्णय की परिभाषा में नहीं आता; क्योंकि पेंशन क्यों दी जावे इस पर कोई चर्चा नहीं है, बहस नहीं है। माननीय सुप्रीम कोर्ट ने केवल एटोर्नी जनरल के कथन पर कि, "उन्हें पेंशन दिये जाने पर कोई आपत्ति नहीं है" पेंशन देना माना है। यह मामला एम्प्लॉयर एम्प्लोई का नहीं है। जैसा ऊपर कहा है कि सांसदों व विधायकों को पेंशन देने के बाबत संविधान में कोई प्रावधान नहीं है। राज्य की लिस्ट में केवल वेतन व एलाउन्स पर कानून बनाने का अधिकार है।

उपरोक्त विवेचन से स्पष्ट होगा कि विधायकों को पेंशन देना तथा प्रत्येक टर्म की पेंशन देना निम्नलिखित कारणों से अवैध, अनाधिकृत, अमान्य व संविधान के विरूद्ध है:-

1) पेंशन जिसे विधायकों को देना कहा जाता है उसके संबंध में राज्य की अनुसूची में कोई प्रावधान नहीं है और न यह अनुच्छेद 195 से ही शक्ति ग्रहण करता है।

2) पेंशन का अर्थ है रिटायर्मेन्ट के बाद खर्चे की व्यवस्था के हेतु Social Security के लिये एम्प्लॉयर द्वारा प्रतिमाह रकम खर्चो के हेतु अदा करना। विधायकों के हेतु ये निर्विवाद है कि वे सरकारी नौकर नहीं है अपितु उनका पद संवैधानिक है। विधायक का चुनाव होता है और वह भी नियत समय के लिये, यह नौकारी नहीं है। विधायक जनता के प्रतिनिधि हैं।

3) पेंशन न तो वेतन है और न अलाउन्स। पेंशन नियम, 1977 के रूल 6 के अनुसार मृत्यु हो जाने के बाद पेंशन बंद होगी, ऐसा प्रावधान है।

4) पेंशन का कानून विधायकों ने ही अपने लिये बनाया है और इस प्रकार न्याय के सामान्य सिद्धान्तों के विरुद्ध है। यहां कानून बनाने वाला और उसका लाभार्थी एक ही है।

5) संविधान के अनुच्छेद 195 में विधायकों के वेतन व भत्ते के संबंध में कानून बनाने का अधिकार है और संसद को सांसदों के हेतु यह अधिकार अनुच्छेद 106 में है; किन्तु पेंशन के लिये कोई प्रावधान नहीं है, अत: पेंशन जो विधायकों को दी जा रही है वह असंवैधानिक है। विधायकों को दी जाने वाली पेंशन की साधारण परिभाषा में नहीं आती। पेंशन के पेमेन्ट के लिये कोई मापदण्ड नहीं है, यह Arbitrary पेमेन्ट है, स्वयं विधायकों द्वारा उनकी मर्जी से इसे बढ़ाया जाता है जो विवेकहीन क्रिया है।

फ्रीबीज में सरकारी सम्पत्ति को लुटाया जा रहा है और पेंशन की व्यवस्था में भी राज का खजाना लुटाया जाता है। विधायकों को प्रत्येक टर्म की अलग-2 पेंशन दी जाती है। यहां निम्नलिखित उदाहरण द्वारा यह बताने का प्रमाण दिया जा रहा है कि किस प्रकार पेंशन के नाम पर राज्य का कैसे खजाना लुटाया जा रहा है:-

1) पूर्व विधायकों को पेंशन पर खर्च होने वाली रकम 25 करोड़ 95 लाख 47 हजार 400 रूपये प्रतिमास है। प्रत्येक वर्ष यह रकम बढ़ती रहती है।

2) कुल 508 पूर्व विधायकों को जो न्यूनतम पेंशन रू. 35000/- दी जाती है वह प्रतिमास रू. 177800000/- है।

3) 8 पूर्व विधायकों 1 लाख रूपये प्रतिमाह से अधिक प्रतिमाह पेंशन प्राप्त कर रहे हैं।

4) 104 पूर्व विधायकों की पेंशन 50000/-रूपये प्रतिमाह से अधिक है।

5) उपरोक्त विवरण सूचना का अधिकार 2005 के तहत् राज्य लोक सूचना अधिकारी द्वारा वरिष्ठ पत्रकार श्री मिलापचंद डंडिया को दिनांक 4 जुलाई 2022 के पत्र से भेजी गई सूचना के आधार पर है, किन्तु उसमें कुछ नाम छोड दिये हैं। वे नाम हैं श्री अशोक गहलोत, नरपतसिंह राजवी, माननीया वसुन्धरा राजे, श्री गुलाबचंद कटारिया व श्री राजेन्द्र सिंह।

6) एक से अधिक बार (टर्म) रहे पूर्व विधायकों की सूची एवं उनके सदस्यता अवधि इस प्रकार है:-

सदस्य का नाम	पेंशन	सदस्यता वर्षों में	: वर्धित पेंशन
श्री जगत सिंह	Rs.43000 + Rs. 12900 = Rs. 55900/-	10	30 प्रतिशत
श्री जसराज जयपाल	Rs.35000 + Rs. 10500 = Rs. 45500/-	5	30 प्रतिशत
डा. राजकुमार जयपाल	Rs.35000	5	-
श्री राम नारायण	Rs.35000 + Rs. 7000 = Rs. 42000/-	5	20 प्रतिशत
श्री विशन सोनगरा	Rs.43000 + Rs. 86000 = Rs. 51600/-	10	20 प्रतिशत
श्री हरीश झामनानी	Rs.35000 + Rs. 7000 = Rs. 42000/-	5	20 प्रतिशत

7) राजस्थान पेंशन अधिनियम 1956 में पेंशन के अतिरिक्त विधायकों को निर्वाचन क्षेत्र भत्ता, कौटुम्बिक पेंशन व वर्धित पेंशन तथा कई सुविधायें ऐसी हैं जिन्हें वेतन मानकर पेंशन दी जा रही है, जैसे आश्रित बच्चों पर चिकित्सीय उपचार का खर्चा तथा नि:शुल्क अन्तर्राष्ट्रीय पास आदि।

इन सुविधाओं के तथा पेंशन देने के अतिरिक्त अब पूर्व विधयकों और उनकी पत्नी की मौत के बाद उनके 25 वर्ष के आश्रित पुत्र व पुत्री को पेंशन प्राप्त होगी। यदि पूर्व विधायक के कोई पुत्र या पुत्री नहीं है तो माता पिता को पेंशन दी जावेगी। वस्तुस्थिति यह है कि जब राजस्थान विधानसभा (अधिकारियों और सदस्यों की परिलब्धियों एवं पेंशन) अधिनियम, 1956 तथा राजस्थान विधानसभा सदस्य पेंशन नियम, 1977 के तहत् पेंशन दिया जाना ही असंवैधानिक है तो फिर उक्त नई सुविधायें देना भी सर्वथा अवैध व असंवैधानिक है।

-अतिथि सम्पादक,
पानाचन्द जैन
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

देश व्यक्ति नहीं संस्थाओं से रहते हैं

डॉ रामावतार शर्मा

सत्ता चाहे राजशाही से मिले या जनतांत्रिक तरीके से, दोनों ही परिस्थितियों में यदि कोई व्यक्ति बडे समर्थन के साथ शिखर पर पहुंच जाता है तो शायद वह एक अलग मन:स्थिति में पहुंच जाता है। उसका एक मात्र उद्देश्य अपने आप को सत्ता के केंद्र में रखना होता है। जो भी प्रारंभिक उद्देश्य रहे होंगे जैसे कि देश समाज का विकास, बेहतर प्रशासन, जन हितार्थ कार्यप्रणाली आदि सब उसकी प्राथमिकताओं से दूर होते जाते हैं क्योंकि उस शिखर से उसके अपने ही लोग उसे धकेलने को तत्पर दिखते हैं। एक अदृश्य भय शायद कहीं न कहीं मन में हर समय उभरता रहता है। इस तरह के निष्कर्ष इसलिए निकाले जाते हैं क्योंकि उस व्यक्ति के सत्ता में आने के पहले और बाद के विचारों में बहुत बडे विरोधाभास नजर आने लगते हैं। अपने इसी आंतरिक भय को नेपथ्य में धकेलने के लिए सत्ताधारी प्रधान अपने परिधान, बोल चाल, जीवनशैली आदि में अजेय होने का अहसास बना कर रखने में प्रयत्नशील नजर आता है। इस तरह की चारित्रिक बातें, कुछ अपवादों को छोड कर, पूरे विश्व में नजर आती हैं। एक समय के बाद शासक अपने ही दल के प्रतिभावान साथियों को बाहर का रास्ता दिखाने लगता है। उसके ये सब कदम उसकी असुरक्षा की भावना को इंगित करते हैं।

भारत के इतिहास देखा जाय तो सिख इतिहास में महाराजा रणजीत सिंह इस बात के एक बडे उदाहरण बन कर सामने आते हैं क्योंकि वे अकेले ही सिखों में सम्राट रहे। वे नेपोलियन बोनापार्ट के समकक्ष माने जाते थे और आगे चलकर महज एक पीढ़ी में ही यह अति शक्तिशाली सिख साम्राज्य समाप्त हो गया। रणजीत सिंह की मृत्यु 20 जून 1839 को हुई। कोई एक साल बाद उनके बडे पुत्र खडक सिंह की संदेहास्पद हालत में मौत हुई क्योंकि उन्हें उन्ही के बेटे नौनिहाल सिंह ने एक तरह से बंदी बना रखा था। जब खडक सिंह की चिता धधक रही थी तो श्मशान घाट का एक ढांचा गिरने से नौनिहाल सिंह और एक डोगरा राजकुमार की मृत्यु हो गई, पिता और पुत्र की मृत्यु एक ही दिन हुई। यहां इतिहासकार राजा ध्यान सिंह डोगरा की भूमिका को बहुत संदिग्ध मानते हैं। इस त्रासदी के बाद महाराजा बने शेर सिंह और उसके पुत्र को संधावालिया सरदारों ने मार डाला। संधावालिया सरदारों पर हमले में डोगरा राजा मारे गए। डोगरा राजकुमार हीरा सिंह ने संधावालियो को मार डाला तो सिख सेनाओं ने हीरा सिंह को मार डाला। अब रणजीत सिंह का एक-मात्र पुत्र दिलीप सिंह बचा था जिसे अंग्रेजों ने अपने अधिकार में लेकर लगभग हार के कगार से निकल कर पंजाब सामाज्य पर अधिकार जमा लिया। चंद साल बाद दिलीप सिंह पेरिस के एक बहुत ही निम्नस्तरीय होटल में भुखमरी की हालत में मृत पाए गए। महाराजा रणजीत सिंह का पूरा परिवार दस पंद्रह वर्ष में समाप्त हो गया।

एक स्वाभाविक-सा सवाल उठता है कि ऐसे कौनसे कारण थे कि यह अविजित-सा लगने वाला साम्राज्य एक व्यक्ति के मरते ही समाप्त हो गया? दूसरी तरफ जब हम इंग्लैंड, फ्रांस, पुर्तगाल और स्पेन तथा बहुत पहले के रोमन साम्राज्य देखें तो महाराजा रणजीत सिंह और इन साम्राज्यों में एक बडा फर्क नजर आता है। रणजीत सिंह पर किसी भी संस्था का अंकुश नहीं था, उनका हर निर्णय अंतिम आदेश होता था। उनका कोई भी विरोध राजद्रोह की श्रेणी में आता था। दूसरी तरफ यूरोपीय साम्राज्यों में सम्राटों और राजाओं के समय भी प्रभावशाली संसद हुआ करती थी जो आवश्यकता पडने पर राजा के निर्णयों को पलट दिया करती थी। रोमन साम्राज्य तभी तक टिक सका जब तक उसकी संसद मजबूत थी। 1970-80 के समय में ईरान, इराक, लीबिया, सीरिया और लेबनान बहुत धनी देश हुआ करते थे। फिर वहां निरंकुश शासकों का दौर आया, भयानक तबाही के बाद आज ये सारे देश कहां खडे हैं यह सर्वविदित है। किसी भी राष्ट्र के दीर्घकालीन अस्तित्व के लिए उसकी संस्थाओं का शक्तिशाली और स्वतंत्र होना अत्यावश्यक है। संसद, न्यायपालिका, पत्रकारिता, विभिन्न जांच एजेंसियां आदि के स्वतंत्र हुए बिना कोई भी राष्ट्र अपने स्थायित्व को बना कर नहीं रख सकता है। सोवियत संघ को प्रबल शासकीय बर्बरता के बावजूद हमने बिखरते देखा है। चीन अंदर ही अंदर सुलग रहा है और रूस पूरी दुनिया से अलग-थलग पड गया है। हमें एक बात सदैव ध्यान में रखनी चाहिए कि हर व्यक्ति का जीवन काल सीमित होता है पर संस्थाओं को अनंत काल तक जीवित रखा जा सकता है। जनता को समझना होगा कि एक नागरिक जिसे चाहे उस राजनीतिक दल को समर्थन दे पर जनतांत्रिक संस्थाओं पर नियंत्रण का पुरजोर विरोध करे। क्या आपको लगता है कि हमारे यहां ऐसा हो रहा है? अगर हमारे यहां ऐसा नहीं हो रहा है, तो होना चाहिए!

डॉ. रामावतार शर्मा,
चिकित्सक एवं लेखक

कोटपूतली में नगर परिषद् द्वारा सड़कों की चौड़ाई बढ़ाने के दौरान पैरालाइज लक्ष्मण प्रसाद सैनी पुत्र साधुराम सैनी जो 18 साल से चारपाई पर जिन्दगी की सांसे गिन रहा है को सरकार ने एक आदेश जारी कर घोर विपदा में डाल दिया है। बिना मुआवजा दिये उनका आशियाना छीन लिया। जिससे उनके परिवार पर संकट आ गया है। सरदार स्कूल के पास के व्यापारी संदीप सोनी, जगदीश सैनी, प्रकाश चन्द चतुर्वेदी, राजेश कुमार सैनी, प्रकाश चन्द सैनी, जयराम गौड़, कजोडमल सहित दर्जनों लोगों का आरोप है कि परिषद् ने उन्हें बिना नोटिस दिये ही महज सफाई कर्मियों से सूचित करवा कर उनकी दुकानें व मकान जमीरोंध कर दिये।

कालाडेरा अस्पताल प्रशासन एंबुलैंस से ढोह रहा सामान

चौंमू/कालाडेरा, (निसं)। कालाडेरा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर चौंमू विधायक रामलाल शर्मा ने ग्रामीणों की मांग पर 20 लाख रुपए की लागत की एक बेस एंबुलेंस दी थी। जिससे आस -पास में दुर्घटनाओं में घायल होने वाले लोगों को समय पर अस्पताल पहुंचाकर उनका बेहतर इलाज कर सकें।

लेकिन अस्पताल प्रशासन एंबुलेंस से अस्पताल में काम में आने वाला सामान लाने का काम करवा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार गुरुवार को बेस एंबुलेंस से ब्लॉक गोविन्दगढ़ से सामान लाया गया है। गौरतलब है कि पूर्व में भी एंबुलेंस का संचालन करने को लेकर अस्पताल प्रशासन की कार्यशैली विवादों में रही है। एंबुलेंस का संचालन मेडिकल रिलीफ सोसायटी के द्वारा किया जा रहा है। अस्पताल प्रभारी केसी चोपड़ा ने बताया कि एंबुलेंस से सबसे पहले मरीजों को लाने का काम किया जाता है एवं विशेष परिस्थिति में राजकीय कार्य के लिए उच्च अधिकारियों के निर्देश पर उपयोग किया जाता है। बेस एंबुलेंस से सामान लाने की जांच की जाएगी। वहीं चौंमू विधायक रामलाल शर्मा ने बेस एंबुलेंस से सामान लाने को लेकर बताया कि कालाडेरा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर जिस उद्देश्य से एंबुलेंस दी है उस उद्देश्य से एंबुलेंस का उपयोग नहीं किया जा रहा है। इसको लेकर सीएमएचओ से बात कर अवगत करवाने की बात कही है।

एंबुलेंस से सामान लाते अस्पतालकर्मी।

अनेक ऐतिहासिक दास्तानें आंचल में छिपाए है बाड़मेर का किलोण गढ़

पन्नालाल मेघवाल

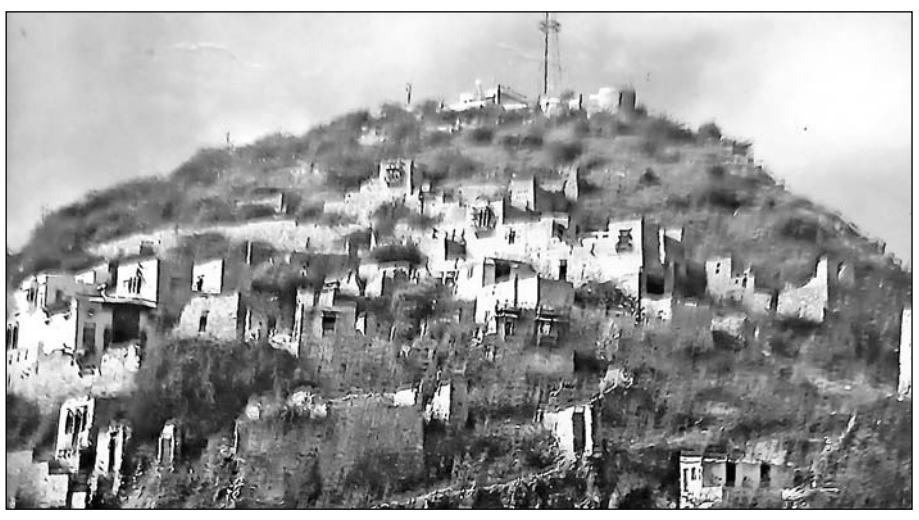

बाड़मेर का किलोण गढ़।

बाड़मेर के प्राचीन किलोण गढ़ का निर्माण मारवाड़ के राठौड़ राजपूत राव सलखा के ज्येष्ठ पुत्र मालाणी क्षेत्र के संस्थापक राव मल्लीनाथ की चौथी पीढ़ी में जतोजी के पुत्र रतोजी के बेटे राव भीमोजी ने विक्रम संवत 1609 में बाड़मेर नगर की स्थापना के साथ करवाया था। राव भीमोजी ने बाड़मेर नगर की सबसे ऊंची 422 मीटर सुरेज भाखरी पर अपना गढ़ नहीं बनाकर कुछ पहाड़ियों के बीच आई 206 मीटर ऊंची भाखरी को सुरक्षित समझकर गढ़ बना दिया।

बाड़मेर के किलोण गढ़ को पूर्वाभिमुख बनाया गया। गढ़ प्रवेश के लिए उत्तर की तरफ बनाई हुई बुर्ज के बीच गढ़ पोल का निर्माण करवाया और पूर्व की तरफ कुछ और सुरक्षा की दृष्टि से बुर्ज ली गई। इस पहाड़ी के उत्तर, दक्षिण एवं पश्चिम की तरफ चढ़ाई चढ़कर गढ़ में आना कठिन होने के कारण साधारण प्राचीर से काम चला लिया।

बाड़मेर गढ़ के नीचे पूर्व की पहाड़ी ढलान पर अपने राजप्रासाद के साथ अन्य आवासीय मकानों का भी निर्माण करवाया गया। ये निर्माण पहाड़ी के उत्तर से पूर्व-पश्चिम तक के ढलान पर बनाए गए ताकि दुश्मन के आक्रमण का आसानी से पता लग सके और समय आने पर अपने निवास स्थानों पर बनाए मोर्चों से आसानी से लड़ा जा सके राव भीमोजी के बाद अनेकों बाड़मेर शासकों ने समय-समय पर गढ़ पर निर्माण कार्य करवाए।

रावत भारोजी ने अपने पांचों पुत्रों के लिए अलग-अलग महल-कोटडियां बनवाई जो आज भी भारोणियां की पांच कोटडियों के नाम से प्रसिद्ध हैं। इसके बाद रावत लालसिंह के पोते पदमसिंह ने अपनी सुहागरात मनाने के लिए अपने चाचा सायबाजी का बीकमपुर के ठाकुर को मारकर बदला लेने पर महल बनाया जो पदमसिंह महल के नाम से विख्यात है। प्रतापसिंह का ऊंचाई वाला मोर्चा आज भी जीर्ण-शीर्ण अवस्था में अपने प्राचीन वैभव का परिचय दे रहा है। किलोण गढ़ पर बने प्राचीन महल, मालियों, कोटडियों के मोर्चे आदि इमारतों में केवल रावत लालसिंह की कोटडी जिसमें रावत उम्मेदसिंह पर निवास करते हैं सही सलामत है। इस गढ़ पर प्राचीन जगदंबा माताजी मंदिर के स्थान पर नवनिर्मित मंदिर का निर्माण करवाया गया है जहां पहुंचने के लिए 471 पक्की सीढ़ियों को पार कर पहुंचा जा सकता है। आसोज और नवरात्रि के अलावा यहां भादवा सुदी तेरस-चौदस को भी मेले आयोजित होते हैं। किलोण गढ़ पर अधिकतर जोधपुर और जैसलमेर राजघरानों की तरफ से छुटपुट हमले होते रहे लेकिन राव भीमोजी के बाद इनके ही परिवार में बाड़मेर राजगद्दी प्राप्त करने के लिए एक दूसरे को मारकर गद्दी हथियाई जाती रही। गढ़ पर जोगमाया एवं नागनेचिया माताजी के मंदिर हैं। नागनेचिया माताजी मंदिर में प्राचीरों में जड़े शिलालेख का पुरातात्विक दृष्टि से बड़ा महत्व है। जगदंबा माताजी का मंदिर होने के कारण इसे गढ़ माताजी मंदिर भी कहते हैं।

राठौड़ राजपूत इसे किले का स्वरूप मानते हुए इसे बाड़मेर गढ़ किलोण और संक्षिप्त में किलोण भी कहते हैं। आन-बान-शान का प्रतीक यह गढ़ ऐतिहासिक कथा-कहानियों की अनेक दास्तानें अपने आंचल में छिपाए हुए है।

पन्नालाल मेघवाल,
वरिष्ठ लेखक एवं स्वतंत्र पत्रकार।

राशिफल शुक्रवार 26 अगस्त, 2022

पंडित अनिल शर्मा

भाद्रपद मास, कृष्ण पक्ष, चतुर्दशी तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2079, आश्लेषा नक्षत्र सांय 6:33 तक, परिद्य योग रात्रि 2:10 तक, शकुनि करण दिन 12:25 तक, चन्द्रमा सांय 6:33 से सिंह राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-सिंह, चन्द्रमा-कर्क, मंगल-वृष, बुध-कन्या, गुरू-मीन, शुक्र-कर्क, शनि-मकर, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज जीवंतिका पूजन, पिठोरी अमावस्या, जैन वृषभोत्सव है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 7:42 तक, लाभ-अमृत 7:42 से 10:53 तक, शुभ 12:29 से 2:04 तक, चर 5:15 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 6:07, सूर्यास्त 6:50

मेष

घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में प्रसन्नता-हर्षोल्लास का माहौल रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता यथावत बनी रहेगी। चलते कार्यों में प्रगति होगी। धार्मिक कार्यों पर धन खर्च हो सकता है।

सिंह

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी। पारिवारिक व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

धनु

अपनी योजना को सीमित रखें। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। बनते कार्य बिगड़ने का भय बना रहेगा। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

वृष

परिवार में शुभ और मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

कन्या

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों पर नियंत्रण बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

मकर

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

मिथुन

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा।

तुला

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ

व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त कार्य व्यवस्थित होने लगेंगे।

कर्क

मन:स्थिति ठीक रहेगी। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। शुभ कार्य के लिए बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है।

वृश्चिक

नवीन कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

मीन

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिल सकती है। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

‘ग्रेटर में नेता प्रतिपक्ष नहीं बना, हेरिटेज में कमेटियां नहीं बनीं, तो भीड़ कहां से लाएं’

जयपुर शहर जिला कांग्रेस की बैठक के दौरान बोले असंतुष्ट कांग्रेस पार्षद

- महंगाई के खिलाफ दिल्ली में होने वाली कांग्रेस की रैली से पहले भीड़ जुटाना संघर्ष का काम, क्योंकि तैयारी बैठक में भी आधे से ज्यादा विधायक नदारद रहे थे
- यही कारण है कि एआईसीसी के आह्वान के बावजूद 17 से 27 तक महंगाई के खिलाफ चौपाल का एक भी कार्यक्रम राजस्थान में नहीं हो पाया
- हालांकि प्रदेश कांग्रेस में 50 हजार की भीड़ का टारगेट तय किया है

जयपुर, (का.प्र.)। महंगाई के खिलाफ आंदोलन के लिए कांग्रेस की ओर से पूरा विस्तृत एक पखवाड़े का कार्यक्रम दिया गया था। उस पखवाड़े में से 9 दिन का समय बीत चुका है, लेकिन महंगाई के खिलाफ एक भी कार्यक्रम आयोजित नहीं हो पाया है। अब 4 सितंबर को दिल्ली में होने वाली रैली को लेकर कांग्रेस ने जिलेवार पर्यवेक्षक लगाए हैं और भीड़ को ले जाने की तैयारी शुरू कर दी है। दूसरी ओर जयपुर शहर जिला कांग्रेस में असंतुष्ट पार्षदों के स्वर भी बुलंद हो गए हैं कि जब 2 साल में जयपुर नगर निगम ग्रेटर में नेता प्रतिपक्ष तक नहीं बना पाई और बोर्ड पर कब्जा होने के बावजूद हेरिटेज में कमेटियों का गठन नहीं हो पाया, तो आखिरकार पार्षद भीड़ इकट्ठा करने का काम कैसे करें।

दरअसल कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने सभी प्रदेश कांग्रेस कमेटियों को परिपत्र भेजकर 17 से 27 अगस्त तक महंगाई पर चौपाल का कार्यक्रम करने को कहा था, जो ब्लॉक और वार्ड स्तर पर होनी थी, लेकिन पूरे राजस्थान में ब्लॉक स्तर पर तो दूर की बात जिला स्तर पर भी महंगाई के खिलाफ कोई चौपाल का आयोजन नहीं हुआ। इसका मतलब यह लगाया जा रहा है कि कांग्रेस के संगठन महासचिव के परिपत्र को भी प्रदेश कांग्रेस ने तवज्जो नहीं दी है। यही कारण है कि 17 से 27 अगस्त तक चलने वाली महंगाई पर चौपाल के कार्यक्रम आयोजित नहीं किए गए।

अब 4 सितंबर को दिल्ली में प्रस्तावित कांग्रेस की महंगाई के खिलाफ रैली को लेकर एक दिन पहले ही प्रदेश कांग्रेस की ओर से जिलावार पर्यवेक्षक लगाए गए हैं, जो जिलों में जाकर बैठक लेंगे और 4 सितंबर को दिल्ली जाने के लिए भीड़ का आकलन बताएंगे। दरअसल प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने घोषणा की है कि राजस्थान से महंगाई के खिलाफ होने वाली प्रस्तावित 4 सितंबर की रैली में 50 हजार लोग राजस्थान से जाएंगे। इसी संदर्भ में 22 अगस्त को जयपुर के पांच सितारा होटल क्लार्क आमेर में कांग्रेस के तमाम विधायकों, सांसदों और सांसद प्रत्याशियों सहित प्रदेश पदाधिकारियों की बैठक रखी थी। उस बैठक में करीब 45 से 50 विधायक ही पहुंचे थे। वहीं अधिकांश सांसद प्रत्याशी भी अनुपस्थित रहे थे। ऐसे में भी अंदाजा लगाया जा सकता है कि राजस्थान से नेता दिल्ली में होने वाली महंगाई के खिलाफ रैली को लेकर कितने सजग और जागरूक है।

इस बीच इसी रैली के संदर्भ में जयपुर शहर जिला कांग्रेस की बैठक गुरुवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर रखी गई। बैठक में जिला कांग्रेस के अध्यक्ष और राज्य के काबीना मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने सभी पार्षदों और जिला पदाधिकारियों से अपने अपने साथ ज्यादा से ज्यादा लोगों को दिल्ली ले जाने की अपील की। बैठक के दौरान जब कई पार्षदों से चर्चा की गई तो अधिकांश पार्षद इस बात को लेकर आक्रोशित है कि जयपुर नगर निगम ग्रेटर और हेरिटेज के चुनाव होने के करीब 2 साल होने को है, लेकिन अभी तक ना तो नगर निगम ग्रेटर में नेता प्रतिपक्ष का चयन हो पाया है। वहीं नगर निगम हेरिटेज में कांग्रेस की महापौर और बोर्ड होने के बावजूद अभी तक कमेटियों तक का गठन नहीं हो पाया है। ऐसे में जब पार्षद ही संतुष्ट नहीं है तो फिर लोगों की भीड़ दिल्ली तक कैसे ले जा सकते हैं। ऐसे में समझा जा सकता है कि राजस्थान से भले ही महंगाई के खिलाफ रैली में 50 हजार लोगों को ले जाने की घोषणा तो कर दी गई हो, लेकिन मौजूदा हालात बता रहे हैं कि स्थितियां इतनी सहज नहीं हैं। जिले की इस बैठक में विधायक रफीक खान, गंगा देवी, अमीन कागजी, महापौर मुनेश गुर्जर, पूर्व महापौर ज्योति खंडेलवाल, पार्षद मनोज मुदगल, महेश अग्रवाल, दशरथ सिंह, उत्तम शर्मा, कैलाश खारड़ा सहित जिला पदाधिकारी मौजूद रहे।

को-ऑपरेटिव सोसायटियों पर लगेगा अंकुश

जयपुर, (का.सं.)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य के जमाकर्ताओं के हितों की रक्षा करने हेतु राजस्थान अविनियमित निक्षेप स्कीम पाबंदी नियम, 2022 की अधिसूचना जारी करने संबंधी प्रस्ताव का अनुमोदन किया है।

उल्लेखनीय है कि निवेशकों के हित में इस नियम के प्रावधानों को अधिक कठोर करने तथा इन सोसायटियों पर अधिक नियंत्रण करने के लिए एक्ट के तहत राज्य सरकारों को शक्तियां प्रदान करने की मांग लम्बे समय से की जा रही थी।

गहलोत की इस मंजूरी से मल्टीस्टेट क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसायटियों की धोखाधड़ी से राज्य के लाखों लोगों की मेहनत की कमाई के गबन पर रोक लगाने के साथ ही, इन सोसायटियों पर सख्त कार्रवाई कर आमजन को राहत प्रदान की जा सकेगी।

प्रदेश के कुम्भलगढ़ और चित्तौड़गढ़ किलों को बेस्ट डेस्टिनेशन इन इंडिया सिल्वर आउटलुक ट्रैवलर अवार्ड, 2022 मिला है। केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री किशन रेड्डी (बीच में) ने दिल्ली में आयोजित समारोह में यह अवार्ड दिया। राज्य सरकार की ओर से पर्यटन विभाग के सहायक निदेशक सी. पी. यादव (दायें) ने यह पुरस्कार प्राप्त किया।

जंगा श्रीनिवास राव को भगोड़ा घोषित करने की चेतावनी

- अदालत के बार-बार गवाही के लिये बुलाने के बावजूद भी पेश नहीं हुए

जयपुर, (का.सं.)। एसीबी मामलों की विशेष अदालत क्रम-4 ने बार-बार गवाही के लिए बुलाने के बावजूद भी आईपीएस जंगा श्रीनिवास राव के अदालत में पेश नहीं होने पर नाराजगी जताई है। इसके साथ ही अदालत ने अब राव को भगोड़ा घोषित करने के लिए सीआरपीसी की धारा 82 के तहत कार्रवाई करने की चेतावनी दी है।

अदालत के अनुसार राजपाल सिंह यादव और गोपाल राम के भ्रष्टाचार से जुड़े मामले एसीबी कोर्ट में लंबित चल रहे हैं। दोनों ही मामलों में आईपीएस जंगा श्रीनिवास राव अभियोजन स्वीकृति देने वाले अधिकारी की हैसियत से अभियोजन पक्ष के गवाह हैं। अदालत ने उन्हें गवाही देने के लिए पूर्व में समन जारी किए थे। जंगा के पेश नहीं होने पर अदालत ने उनके जमानती वारंट जारी किए थे। इसके बावजूद भी जंगा अदालत में पेश नहीं हुए। इस पर अदालत ने उनके गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिए, लेकिन जंगा फिर भी अदालत में पेश नहीं हुए। इस पर अब अदालत ने सीआरपीसी की धारा 82 के तहत कार्रवाई शुरू करने की चेतावनी दी है। इसके तहत अदालत संबंधित व्यक्ति को भगोड़ा घोषित करती है और फिर बाद में सीआरपीसी की धारा 83 के तहत उसकी संपत्ति को कुर्क करने के आदेश दिए जाते हैं।

प्रताप सिंह बने अध्यक्ष

जयपुर। आदर्श बड़वा (राव) महासभा प्रबंधन समिति के चुनाव मंद बालाजी में हुए चुनावों में प्रताप सिंह कुचामन को महासभा प्रबंध समिति का अध्यक्ष निर्वाचित घोषित किया गया। जिसके बाद समाज में उत्साह का माहौल है।

प्रदेश में एक दिन बाद फिर करोना से चार लोगों की मौत

जयपुर, अलवर, झुंझुनूं और करौली में 1-1 मरीज की मृत्यु हुई है

- राज्य में इस महीने में अब तक इस बीमारी से 40 लोगों की जान जा चुकी है।
- प्रदेश में गुरूवार को 442 नए संक्रमित मिले, इनमें सबसे ज्यादा 109 मामले जयपुर में सामने आए हैं।

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश में एक दिन बाद गुरूवार को करोना संक्रमण से फिर चार लोगों की मौत हुई है। वहीं राज्य में 442 नए संक्रमित मिले हैं। हालांकि इस बीच करीब साढ़ पांच सौ लोग इस बीमारी से ठीक हुए हैं। इसके साथ ही एक्टिव के घटकर 3808 रह गए हैं।

प्रदेश में गुरूवार को जयपुर, अलवर, झुंझुनूं और करौली में करोना से 1-1 संक्रमित की मौत हुई है। इसके साथ ही राज्य में अब तक करोना से इस महीने में 40 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं प्रदेश में अब तक इस बीमारी से 9620 लोगों की जान जा चुकी है। उधर पिछले चौबीस घंटों में राज्य के 29 जिलों में 442 नए संक्रमित सामने आए हैं। इससे पहले 495 रोगी मिले थे। इधर आज सबसे ज्यादा 109 नए मरीज जयपुर में पाए गए हैं। इसके अलावा भरतपुर में 51, अलवर में 36, जोधपुर में 35, दौसा में 33, अजमेर में 23, नागौर व उदयपुर में 17-17, धौलपुर में 16, चित्तौड़गढ़ में 14, भीलवाड़ा में 13, प्रतापगढ़ में 12, बीकानेर में 10, सीकर में 9, बूंदी में 8, राजसमंद व हनुमानगढ़ में 7-7, कोटा में 5, डूंगरपुर, जैसलमेर, जालोर व झालावाड़ में 3-3, पाली में 2 तथा सिरोही, बांसवाड़ा, बारां, गंगानगर, झुंझुनूं और करौली में एक-एक नया संक्रमित मिला हैं।

प्रदेश में गुरूवार को फिर रिकवरी में सुधार हुआ है। इसके चलते राज्य में 549 मरीजों के ठीक होने के साथ ही एक्टिव केस घटकर 3808 रह गए हैं। इनमें सबसे ज्यादा 1483 मामले जयपुर जिले में हैं। इसके अलावा भरतपुर में 351, अलवर में 278, जोधपुर में 196, अजमेर में 186 और उदयपुर में 115 लोगों का इलाज चल रहा हैं।

जयपुर में गुरूवार को 29 स्थानों पर नए संक्रमित मिले हैं। इनमें सबसे ज्यादा 24 मरीज सांगानेर में मिले हैं। इसके अलावा जगतपुरा में 13 और दुर्गापुरा में 10, मानसरोवर में 9, झालाना डूंगरी में 7, मालवीय नगर में 5, आमेर, गांधी नगर, गोविंदगढ़, जमवारामगढ़, एमआई रोड व वैशाली नगर में 3-3, चाकसू, जवाहर नगर व सिरसी में 2-2 तथा अजमेर रोड, बस्सी, सिविल लाइन, दूदू, जामडोली, झोटवाड़ा, जौहरी बाजार, कोटपूतली, खातीपुरा, महेश नगर, फुलेरा, सामोद और त्रिवेणी नगर में 1-1 नया संक्रमित मिला है। वहीं 4 संक्रमितों का पता गलत मिला है। जिले में पिछले चौबीस घंटों में 96 मरीज ठीक हुए हैं।

प्रदेश के बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों में बचाव कार्यों में तेजी लाने की मांग

- भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को लिखा पत्र

जयपुर। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को पत्र लिखकर अवगत कराया कि, प्रदेश में पिछले दो-तीन दिनों से भारी बारिश हो रही है, जिसके कारण उदयपुर, कोटा और भरतपुर संभाग के कई क्षेत्रों में बाढ़ के हालात बन गये हैं। इन संभागों के कई गांव पूरी तरह पानी से घिरकर टापू बन गये हैं और खेतों, मकानों में पानी भर गया है। बारां, झालावाड़, कोटा, चित्तौड़गढ़, प्रतापगढ़, भीलवाड़ा, सवाईमाधोपुर, करौली और धौलपुर इत्यादि जिलों में बाढ़ जैसे हालात बने हुये हैं, जहां फसलों को भी काफी नुकसान होने की जानकारी मिली है।

धौलपुर जिले में चंबल नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है, चंबल नदी पर बने पुल का काफी हिस्सा पानी में डूब गया है। उदयपुर जिले में पहाड़ियों के खिसकने से मार्ग अवरूद्ध हो रहे हैं। कोटा, झालावाड़ और बारां जिलों में काफी संख्या में गांवों के जलमग्न होने की जानकारी मिली है। तेज बारिश व बाढ़ जैसे हालात से इन जिलों में हजारों लोग अपने घर छोड़ने को मजबूर हुये हैं। बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों में बचाव कार्यों में तेजी लायी जाये तथा लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने, भोजन एवं चिकित्सा सुविधाओं में तेजी लाने के लिये विशेष टीमों का गठन किया जाये, साथ ही इन क्षेत्रों में जान-माल एवं फसलों को हुये नुकसान की भरपाई निश्चित समयावधि में करवाकर प्रभावितों को आर्थिक संबल प्रदान करावें।

तकनीकी सहायक भर्ती परीक्षा 27 को

जयपुर, (का.सं.)। जयपुर डिस्कॉम के प्रबन्ध निदेशक अजीत कुमार सक्सैना, अजमेर डिस्कॉम के प्रबन्ध निदेशक एन. एस. निर्वाण व जोधपुर डिस्कॉम के प्रबंध निदेशक प्रमोद टांक ने तकनीकी सहायक तृतीय के 1512 पदों पर भर्ती के लिए 27 अगस्त को आयोजित होने वाली द्वितीय चरण की परीक्षा के लिए की गई तैयारियों की 25 अगस्त को वीडियो कान्फ्रेन्सिंग के माध्यम से समीक्षा की। उन्होने कहा कि द्वितीय चरण की परीक्षा केवल एक ही दिन और एक ही पारी में आयोजित होगी, इसलिए परीक्षा कार्य से जुड़े सभी कार्मिको को विशेष सावधानी बरतते हुए निष्पक्ष व शांतिपूर्ण तरीके से सफलतापूर्वक परीक्षा का आयोजन करवाना है।

यातायात जनजागृति बाइक रैली को एडीजी वीके सिंह ने हरी झंडी दिखाई

जयपुर,(कासं)। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक वी के सिंह ने गुरुवार को जयपुर में गवर्नमेंट हॉस्टल स्थित शहीद स्मारक से यातायात जनजागृति बाइक रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

एडीजी सिंह ने बाइक राइडर्स को इस आयोजन के लिये बधाई देते हुए इस प्रयास को आमजन में जनजागृति की दृष्टि से अनुकरणीय बताया। उन्होंने कहा कि यातायात जागरूकता व व्यापक जनसहयोग से ही सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सकती है। उन्होंने इस अवसर पर चम्बल राइडर्स क्लब द्वारा जन जागृति के लिए तैयार की गई प्रचार सामग्री का भी विमोचन किया।

राइडर्स क्लब के डॉ. पी सी पाठक ने बताया कि चम्बल प्रेस क्लब धौलपुर की ओर से आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष के अवसर पर राजस्थान पुलिस, परिवहन विभाग व जिला प्रशासन धौलपुर की सहभागिता से राष्ट्रीय अभियानों के प्रति आमजन में जन जागृति के लिए धौलपुर से पुष्कर के लिए बुलेट बाइक और कार सवार 45 सदस्यों द्वारा रैली का आयोजन किया जा रहा है। यह रैली गुरुवार को धौलपुर सर्किट हाउस से रवाना हुई और जयपुर पहुंची। सिंह ने हरी झंडी दिखाकर रैली को पुष्कर के लिए रवाना किया।

चंबल प्रेस क्लब धौलपुर के अध्यक्ष जितेंद्र सिंह राजोरिया ने बताया कि शुक्रवार को पुष्कर शहर के विभिन्न स्थानों पर राष्ट्रीय अभियानों के प्रति इन सामाजिक संस्थाओं के सदस्यों द्वारा जन जागृति कार्यक्रम चलाया जाएगा। 27 अगस्त को पुष्कर से रवाना होकर रैली तय रूट से वापस धौलपुर पहुँचेगी।

इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यातायात राजेन्द्र सिसोदिया सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक वी.के.सिंह ने गुरुवार को जयपुर में गवर्नमेंट हॉस्टल स्थित शहीद स्मारक से यातायात जनजागृति बाइक रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

नेत्रदान पखवाड़ा शुरू

जयपुर। राष्ट्रीय अंधता नियंत्रण कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी प्रदेशभर में 25 अगस्त से 37वें नेत्रदान पखवाड़े की शुरुआत की गयी है। यह पखवाड़ा 8 सितम्बर तक आयोजित किया जाएगा।

राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़े के अवसर पर गुरुवार को शासन सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य डॉ. पृथ्वी की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया।

शासन सचिव ने नेत्रदान के महत्व के बारे में अवगत कराते हुये नेत्रदान जैसे पुनीत काम में आमजन की भागीदारी बढ़ाने की दिशा में विशेष प्रयास करने निर्देश दिये। उन्होंने कॉर्निया की मांग व पूर्ति में संतुलन बनाते हुए कॉर्नियल ब्लाईण्डनेंस को नियंत्रित किये जाने के प्रयास करने के भी निर्देश दिये।

दुष्कर्म करने वाले को सजा

जयपुर। पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत ने युवती के साथ दुष्कर्म और ब्लैकमेलिंग करने वाले अभियुक्त मोहम्मद उमर उर्फ इरफान को दस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने अभियुक्त पर एक लाख 70 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है।

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

उठावना

हमारी पूजनीया **श्रीमती शकुंतला देवी शर्मा** पत्नी स्व. श्री पुष्करदत्त जी शर्मा (निवासी काँसली, कोटपुतली वाले) का स्वर्गवास दिनांक 24.08.2022 को हो गया है। उठावना आज दिनांक 26.08.2022, शुक्रवार को सायं 5:00 से 5:30 बजे तक स्थान-शिव मंदिर, कैलाशपुरी, अजमेर पर रखा गया है।

शोकाकुल : गिरीश कुमार शर्मा (पुत्र), वेद प्रकाश, ओम प्रकाश, विष्णु कुमार (भतीजे), आशीष, श्रीधर, सिद्धार्थ (पौत्र), वैदक्ष (प्रपौत्र) एवं समस्त शर्मा परिवार।

प्रतिष्ठान : श्री शर्मा आयुर्वेदिक स्टोर, कचहरी रोड, अजमेर।

आइसोलेशन में भी डॉ. पूनिया ले रहे हैं बाढ़ग्रस्त इलाकों की जानकारी

जयपुर। मेवाड़ दौरे से प्रवास कर 23 अगस्त रात को जयपुर लौटे राजस्थान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया कोविड पॉजिटिव होने के कारण चिकित्सकों की सलाह पर स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं। आइसोलेशन में रहने के दौरान सतीश पूनिया बाढ़ग्रस्त जिलों के जिला अध्यक्षों, कार्यकर्ताओं, विधायकों व अन्य जनप्रतिनिधियों से फोन पर संवाद कर रहे हैं, वहां के हालात की जानकारी ले रहे हैं। बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों के सभी जिला अध्यक्षों से अपने-अपने जिलों में कार्यकर्ताओं व जनप्रतिनिधियों को साथ लेकर सेवा कार्यों में जुटने का आव्हान कर रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि दोनों कोविडकाल में भी भाजपा ने पूरे प्रदेश में जरूरतमंदों की सेवा के लिए सेवा ही संगठन अभियान चलाया था। इससे पहले सतीश पूनिया दोनों कोविडकाल में पार्टी के प्रदेशभर के सेवा ही संगठन अभियान का प्रतिदिन वर्चुअल और ऑडियो कॉन्फ्रेंसिंग से फीडबैक, संवाद एवं फील्ड में सेवा कार्य करते हुए दोनों बार संक्रमित हुए। स्वस्थ होकर निरंतर संगठन की मजबूती, प्रवास, कांग्रेस सरकार के खिलाफ जनहित के मुद्दों को लेकर सड़क से लेकर सदन तक मोर्चा खोले रहे। सवा 2 वर्ष में सतीश पूनियांप्रदेश की लगभग 190 सीटों पर संगठन के विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से प्रवास कर चुके हैं और गाड़ी और ट्रेन द्वारा लगभग 1 लाख किलोमीटर की प्रदेश की यात्रा कर चुके हैं।

SS JAIN SUBODH PG (AUTONOMOUS) COLLEGE
Rambagh Circle Jaipur Ph: 0141-2565989

TENDER NOTICE

Details of Tender	Sealed tenders are invited for the year 2022-2023 to purchase, Scientific laboratory instruments and computer software's for Physics, Chemistry, Zoology, Botany, Biotechnology, Microbiology & Computer Science with assistance from DST-FIST, Govt. of India. **These tenders with earnest money of Rs. 10,000/- must reach before 4 pm on 07 September, 2022 to the college office.** Prescribed tender form along with list of purchase material is available during 11.00 am to 2.00 pm on payments of Rs. 100/-.

Mr. Anil Kumar Gokhroo, Convener Prof. K.B. Sharma, Principal

आम सूचना दिनांक 25.08.2022

मेरे अभिभाष्यगण श्रीमती सावित्री पत्नी मुन्ना लाल एवं मुन्नालाल वर्मा पुत्र स्व. लक्ष्मीनारायण निवासी 34, सोनाबाडी, गोपालपुरा, जयपुर की ओर से सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि उनका सबसे छोटा पुत्र सुरेन्द्र कुमावत व उसकी पत्नी कृष्णा आये दिन उनके व उनके परिवार के साथ लड़ाई झगडे व बदसलूकी करते है। मेरे अभिभाष्यगण इनकी हरकतों से तंग आ चुके है और अब इनसे किसी प्रकार का कोई संबंध नहीं रखना चाहते है इसलिए मेरे अभिभाष्यगण सुरेन्द्र कुमावत व उसके परिवार को अपनी चल व अचल सम्पत्ति आदि से अविलम्ब बेदखल करते हैं। सूचित रहे। भवदीय

आदित्य मित्रुका (एडवोकेट) 9414318507

मोती भवन निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड
F-105, सिटी स्टार कॉम्पलेक्स, सैन्ट्रल स्पाईन, विद्याधर नगर, जयपुर
क्रमांक: 12272/MB/2022 **विज्ञप्ति** दिनांक: 22.08.2022

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री महेन्द्र सिंह पुत्र श्री माधा राम ने समिति की योजना 4-एस, लोहा मण्डी के ब्लाक-बी के भूखण्ड संख्या बी-54, क्षेत्रफल 200.00 वर्गगज के मूल दस्तावेजात गुम होने के कारण डुप्लीकेट दस्तावेजात चाहे हैं। किसी को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 15 दिवस में साक्ष्य समिति में प्रस्तुत करें अन्यथा उक्त भूखण्ड के डुप्लीकेट दस्तावेजात जारी कर दिये जावेंगे। हस्ताक्षर- अध्यक्ष, मोती भवन निर्माण सहकारी समिति लि., जयपुर रजि. नं. 2555/एल

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा अभिभाष्य श्री माल सिंह खंगारोत पुत्र स्व. श्री रतन सिंह, जाति राजपुत, निवासी-प्लॉट नम्बर 243, 4सी, राजस्थान टन्ट की गली, जमनापुरी, मुरलीपुरा, जयपुर, राजस्थान (भारत) 302039 निवासी है तथा मेरा अभिभाष्य यह घोषणा करता है कि वे अपने पुत्र महेन्द्र सिंह खंगारोत को अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता है और अपने समस्त रिश्ते-नातों को खत्म करता हैं। यदि महेन्द्र सिंह खंगारोत किसी भी प्रकार के गैर कानूनी कार्य में संलग्न पाया जाता है तो मेरा अभिभाष्य का किसी भी प्रकार से कोई उत्तरदायित्व नहीं होगा तथा उपरोक्त के संबंध में किया गया कोई भी संव्यवहार मूलतः शून्य, अवैध, बातिल, बेअसर होगा। अतः सर्वसाधारण सावधान व सूचित रहे।

(लालचन्द सैनी) एडवोकेट
रजि.नं. (आर/441/2010) मो. 9950776760

खोया पाया

जविप्रा की योजना पीताम्बरा के भूखण्ड संख्या डी-110 का आवंटन पत्र कहीं खो गया है मिलने पर संपर्क करें। मीरा बाई उर्फ मीरा कंवर। मो. 7976425838

आम सूचना दि. 25.08.2022

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मै/ हम अनवर खॉन पुत्र श्री हुसैन बख्श एवं मेरी पत्नी शायदा बानो निवासी- डी 246, हसनपुरा ए, जयपुर (राज.) हम हमारे पुत्र अकरम आयु 32 वर्ष जो कि आये दिन हमसे मारपीट, गाली गलौच, हैरान परेशान करता है तथा उत्पात मचाता है जिसने जीना दुश्वार कर रखा है इसलिए हमने अपने पुत्र अकरम को अपनी समस्त चल- अचल सम्पति से बेदखल कर दिया है, आज से अकरम का हमारी चल- अचल सम्पति व हमसे किसी प्रकार का कोई सम्बन्ध सरोकार, हक व हुकूक नहीं रहा है तथा अकरम के द्वारा किये गये किसी भी कानूनी, गैरकानूनी, जायज, नाजायज, कृत्य के लिए हमारी कोई जिम्मेदारी/ उत्तरदायित्व नही है। अतः सूचित रहे। भवदीय अनवर खॉन, शायदा बानो

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर 92/2022
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)

चूंकि श्री नृसिंह लाल जाट पुत्र श्री पन्ना लाल जाट निवासी वार्ड-8 कपूरिया की ढाणी ग्राम राजपुरा पोस्ट शाहपुरा जिला जयपुर राजस्थान ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत श्री धन्ना भक्त जाट समाज धर्मशाला ट्रस्ट त्रिवेणी धाम जिला जयपुर, राजस्थान के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है। अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।

और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 24.08.2022 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।

आइदा तारीख पेशी 31.10.2022

मोहर अदालत सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग जयपुर

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत-प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक : 7013 **जाहिर आम सूचना** दिनाक 25.08.2022

राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर योजना में आवासीय भूखण्ड संख्या- H-8 (एरिया 198.600 वर्गमीटर) व H-9 (एरिया 183.670 वर्गमीटर) प्रताप नगर, सांगानेर का आवंटन श्रीमती हंसा शर्मा पत्नी श्री रमेश चन्द शर्मा को किया जाकर आंवटन पत्र क्रमशः 1233 व 1234 दिनांक 14.06.2021 को जारी किया गया। श्रीमती हंसा शर्मा पत्नी श्री रमेश चन्द शर्मा के पक्ष में उक्त आवासीय भूखण्ड के पंजीयन प्रपत्र दिनांक 23.08.2022 को उप पंजीयक-सांगानेर-प्रथम, जयपुर के यहां पंजीकृत करवाये गये। क्रेता/क्रेती श्रीमती हंसा शर्मा पत्नी श्री रमेश चन्द शर्मा द्वारा आवासन मण्डल में उक्त आवासीय भूखण्डों क्षेत्रफल 198.60+183.67 = 382.27 वर्गमीटर का पुनर्गठन पश्चात उप विभाजन हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया। अतः उक्त आवासीय भूखण्ड के पुर्नगठन एवं उप विभाजन हेतु बाबत किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अद्योहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ती प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए कि मण्डल रिकॉर्ड में पुर्नगठन एवं उप विभाजन करने में किसी को कोई आपत्ति नहीं है, श्रीमती हंसा शर्मा पत्नी श्री रमेश चन्द शर्मा का पुर्नगठन एवं उप विभाजन की कार्यवाही सम्पादित की जावेगा। सम्पदा प्रबंधक- वृत-प्रथम, राज.आवा.मण्डल, जयपुर

कार्यालय उप आवासन आयुक्त, वृत-तृतीय **राजस्थान आवासन मण्डल**
जे.एल.एन. मार्ग, जवाहर सर्किल के पास, जयपुर, दूरभाष संख्या :- 0141-4901853

आम जाहिर सूचना

राजस्थान आवासन मण्डल, जयपुर द्वारा कार्यालय आदेश क्रमांक 8135 दिनांक 15.12.2010 जारी कर आवास/फ्लैट संख्या- 13/1047 (FF), मालवीय नगर, जयपुर क्षेत्रफल 44.750 वर्ग मीटर का हस्तान्तरण संयुक्त रूप से श्री अनूप चन्द मंगल एवं श्री अनुराग मंगल के पक्ष में किया गया था। उक्त दोनों आवंटियों में से श्री अनूप चन्द की मृत्यु दिनांक 17.12.2020 को हो जाने के पश्चात श्री अनुराग मंगल पुत्र स्व. श्री अनूप चन्द मंगल के द्वारा क्षतिपूर्ति बन्धक पत्र, शपथ पत्र, सजरा रिपोर्ट एवं मृत्यु प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर, उक्त आवास का हस्तान्तरण अपने एकल नाम से करने का निवेदन किया गया है। अतः उक्त आवास हस्तान्तरण के संबंध में किसी भी व्यक्ति/बैंक/संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर साक्ष्य सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त आवेदनकर्ता- श्री अनुराग मंगल पुत्र स्व. श्री अनूप चन्द मंगल के पक्ष में उक्त आवास के हस्तान्तरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। सम्पदा प्रबंधक- वृत तृतीय, रा.आ.मण्डल, जयपुर

नाम परिवर्तन

मैं दया भाभूनी पत्नि नं. 13625320 एक्स हवलदार गिरीश सिंह बोरा निवासी ग्राम भागरतोला, पोस्ट दहयानी जिला बागेश्वर उत्तराखंड। मैंने मेरा नाम दया भाभूनी से बदलकर दया बोरा रख लिया है, जो कि मेरे आधार कार्ड में है शपथ पत्र दिनांक 25 अगस्त,2022

मैं मेरा नाम स्नेह निषाद से बदलकर स्नेह साहनी पुत्री श्री रामकवल साहनी निवासी मकान नम्बर 4/184, एसएफएस अग्रवाल फार्म, मानसरोवर रख रही हूँ भविष्य में मुझे मेरे उक्त नये नाम से ही जाना पहचाना जाए।

आर्मी नम्बर 15703878एन हविलदार सचिन कुमार निवासी गाँव-टडवां, पोस्ट-अराप, तहसील-दानापुर, जिला-पटना बिहार-801104, मेरे सर्विस दस्तावेज में मेरी माताजी का नाम गलती से मंजू सिन्हा दर्ज हुआ है। सही नाम कुमारी मंजू सिन्हा है, और जन्म तारीख 01/01/1960 है। हलफनामा सं. 405 तारीख 18/08/2022.

मेरे पासपोर्ट क्रमांक K-0194498 में नाम दर्ज Vasim Sekh S/o Mohmed Ikbal Bisayati हैं, जो गलत है, मेरा सही नाम Wasim S/o Mohammad Ikbal Bisayati है जो सही है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना एवं पहचाना जावें।

I Bhanwar Lal Punia S/o Mangla Ram Punia have Changed My name Bhanwar Lal Poonia S/o Mangala Ram Poonia and I have Changed My Wife name from Sovani Devi to Sonu Devi. Address: Plot No. 60, Vidyut Nagar-C, Gandhi Path, Vaishali Nagar, Jaipur.

I have changed my name from Mohammed Naushad to Mahammed Naushad Farooqi S/o abdul Hameed for all purpose. Resi.: 5113, Sray Walon Ki Gali, Chandi Ka Tajeeya, Ghat Gate, Jaipur.

I Naman Vijay, R/o 456, Surya Nagar, Sudama Kuti Marg, Mahesh Nagar, Jaipur, Rajasthan-302015 have changed my name to Naman Kumar Vijay.

I change my name from Waseem Ahmed to Wasim Ahmad S/o Adbul Vahid. In Future I will be known by Wasim Ahmad. R/o 2DHA-18, Housing Board, Shastri Nagar, Jaipur.

घर में घुसकर युवक ने मां-बेटे की कुल्हाडी से की हत्या

लसाडिया क्षेत्र के टटाकिया गांव की घटना, पडोसी ने घर में घूसकर किया हमला

भीण्डर, (निसं)। उदयपुर जिले के लसाडिया क्षेत्र के टटाकिया गांव में एक पडोसी ने मां-बेटे की कुल्हाडी मारकर हत्या कर दी। ये घटना गुरूवार अलसुबह की हैं जब पडोसी घर में घुसकर कुल्हाडी से दोनों पर जानलेवा हमला किया। हत्या के पीछे कारण स्पष्ट नहीं हो सके, लेकिन हत्या का आरोपी सनकी प्रवृति का बताया जा रहा है।

पुलिस के अनुसार टटाकिया गांव निवासी केसरी बाई मीणा (8०) और उसका पुत्र लोगरलाल (56) अपने घर में सो रहे थे। जिसमें केसरी बाई घर के आंगन में सो रही थी तो लोगरलाल कमरे में सो रहा था। अलसुबह 6 बजे पडोसी टटाकिया गांव निवासी मेघराज मीणा (22) घर मे घुस गया। उसने कुल्हाडी से केसरी बाई पर जानलेवा हमला कर दिया। नींद में केसरी बाई पर हुए हमले से बचने का मौका नहीं मिला और जोर से चिल्लाई, जिसकी आवाज सुनकर बेटा लोगर लाल आंगन में आया और बीच बचाव किया। इस दौरान आरोपी ने लोगर के सिर व गले पर वार उसे मौत के घाट उतार दिया।

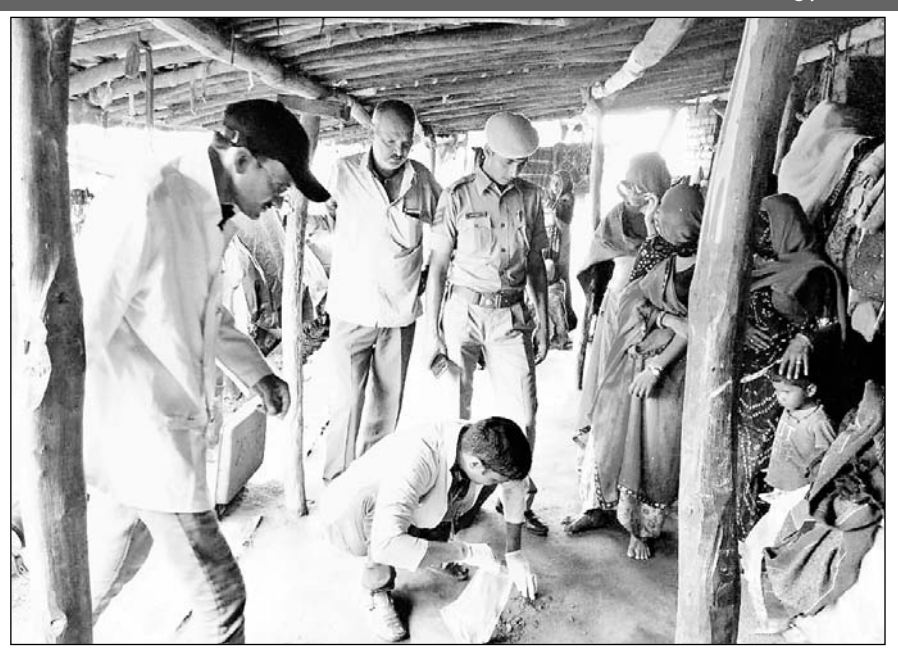

उदयपुर जिले के लसाडिया के टटाकिया गांव में मां-बेटे की हत्या के बाद जांच की करती टीम।

सूचना पर मौके पर पहुंची लसाडिया पुलिस ने दोनों शव को लसाडिया चिकित्सालय पहुंचाया। एएसपी मुकेश सांखला, सलूम्बर डीएसपी सुधा पालावत और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। पुलिस अधिकारियों ने मृतकों के परिजनों से बात की। वहीं पुलिस ने आरोपी मेघराज मीणा के तलाश में टीम गठित कर तलाशी शुरू कर दी। जिस पर सफलता मिलते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर दिया। थानाधिकारी विजेंद्र सिंह ने बताया कि हत्या के कारणों का पता जांच में चलेगा। शवों के पोस्टमार्टम करवा कर परिजनों को सुपुर्द कर अंतिम संस्कार करवाया। मृतक लोगर लाल के तीन बेटे और एक बेटी है। वहीं वृद्धा केसरी के चार बेटे और 3 बेटियां है। क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों ने परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने से परिवार को आर्थिक सहायता देने की मांग की। इस दौरान टटाकिया सरपंच सुन्दर देवी मीणा, चंदा जी का गुडा सरपंच विरम लाल मीणा, पंचायत समिति सदस्य रामलाल मीणा, टटाकिया पुर्व सरपंच बाबु लाल मीणा सहित सैकडों ग्रामीण मौजूद थे।

- नींद में केसरी बाई पर हुए हमले से बचने का मौका नहीं मिल पाया

खान के मलबे में दबने से दो की मौत

चावंडिया मार्ग पर स्थित ब्राउन खान का रास्ता मार्बल खदान में गिरा

मार्बल खदान में गिरा मलबा जिसमें मजदूर दब गए।

मकराना, (निसं)। मकराना में चावंडिया मार्ग पर स्थित ब्राउन खान का रास्ता मार्बल खदान में गिरा। रास्ते से गुजर रहे ट्रैक्टर-ट्रॉली सहित चालक व चालक का सहायक मजदूर भी खदान में मलबे के साथ गिर गए। दोनों की मलबे में दबने से मौत हो गई। शवों को बाहर निकालने का पुलिस प्रयास कर रही है।

मकराना शहर के कालानाडा से चावंडिया ग्राम की ओर जाने वाले मार्ग का रास्ता गुरुवार को अचानक ब्राउन मार्बल खदान गिर गया। इस दौरान रास्ते से गुजर रहे ट्रैक्टर ट्रॉली सहित ट्रैक्टर का चालक व उसका सहायक मजदूर भी मार्बल खदान में मलबे के साथ ही गिर गए। जिसकी वजह से दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही मकराना थाना अधिकारी प्रमोद कुमार शर्मा मय पुलिस जाप्ते के मौके पर पहुंचे। जिन्होंने स्थानीय मजदूरों की सहायता से पास की एक मार्बल खदान की क्रेन को काम में लेते हुए शवों को निकालना शुरू कर दिया। हादसे की जानकारी मिलते ही मौके पर मजदूरों व ग्रामीणों की भारी भीड भी जमा हो गई।

प्राप्त जानकारी अनुसार बिदियाद के नाथोलाई की ढाणी निवासी 30 वर्षीय रामदेव पुत्र भंवराराम लौहार व उसका सहायक मजदूर उमाराम निवासी बिदियाद जो गुरुवार को ट्रैक्टर ट्रॉली में मार्बल खंडों को लोड कर चावंडिया मार्ग से गुजर रहे थे जो खान का रास्ता गिरने से मलबे के साथ खान में गिर गए। हादसे में ट्रैक्टर चालक व उसके सहायक मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। जिसने रास्ते को बंद करवाकर जेसीबी मशीन के सहारे सडक किनारे अधर में झूल रही दीवार और मलबे को हटवाया। वही दोपहर लगभग 1 बजे मकराना थाना अधिकारी प्रमोद कुमार शर्मा भी मय पुलिस जाब्ते के मौके पर पहुंचे। उन्होंने स्थानीय मजदूरों की सहायता से पास की एक मार्बल खदान पर लगी क्रेन को काम में लेते हुए दोनों शवों को निकलवाने हेतु रेस्क्यू शुरू करवा दिया हैं। फिलहाल मकराना पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

- अन्य खदान की क्रेन को काम में लेकर शवों को निकाला

टोडारायसिंह पालिका अध्यक्ष भरत लाल सैनी निलम्बित

मालपुरा, (निसं)। स्वायत शासन विभाग निदेशक एवं संयुक्त सचिव हृदेश कुमार शर्मा ने गुरूवार को एक आदेश जारी कर टोडारायसिंह नगरपालिका से भाजपा के चेयरमैन भरत लाल सैनी को पालिका अध्यक्ष व पार्षद पद से निलम्बित किये जाने के आदेश जारी किये हैं। जारी आदेशों में निदेशक ने अवगत करवाया कि बीते दिनों 18 जुलाई को एसीबी टोंक टीम द्वारा पालिका अध्यक्ष भरत लाल सैनी व नगरपालिका में कार्यरत रैन बसेरा मॉनिटरिंग कार्मिक दिनेश कुमार सैनी को घूस की राशि के साथ रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया था। भरत लाल सैनी के विरूद्ध नगरपालिका अधिनियम 2009 की धारा 39 की उक्त धारा 1 के अन्तर्गत न्यायिक जांच करवाई जाने का निर्णय लिया गया है। ऐसे में भरत लाल सैनी के पालिका अध्यक्ष पद पर रहने से न्यायिक जांच प्रभवित किये जाने की सम्भावना के चलते पालिका अधिनियम 2009 की धारा 39 (6) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्य सरकार व स्वायत शासन विभाग द्वारा भरत लाल सैनी को पालिका अध्यक्ष व वार्ड पार्षद की सदस्यता से तत्काल निलम्बित किया गया है।

भरत लाल सैनी।

पानी के दबाव से क्षतिग्रस्त हुई परकोटे की दीवार

चौरु/उनियारा, (निसं)। उनियारा उपखण्ड में विगत दिनों हुई तेज बरसात तथा गलवा बांध की चादर के लगातार जारी रहने से उनियारा के चारों तरफ पानी ही पानी नजर आ रहा है । कस्बे के टोंक सवाई माधोपुर रोड पर विगत तीन-चार दिनों से पानी भरा हुआ है तथा परकोटे के चारों तरफ भी पानी भरा हुआ। बुधवार को परकोटे का एक हिस्सा गिर गया। जिससे सात आठ विद्युत पोल भी क्षतिग्रस्त हो गए।

गनीमत रही कि उस वक्त विद्युत सप्लाई बंद थी तथा आमजनों की आवाजाही बंद होने से बड़ा हादसा होने से टल गया। परकोटे की दीवार का मलबा सड़क पर आ गया। सूचना मिलते ही प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और लोगों को परकोटे की दीवार के पास नहीं जाने की हिदायत दी। उनियारा गलवा बांध की चादर का लगातार जारी रहने तथा परकोटे के चारों तरफ पानी के बने रहने से खातोली गेट के पास के मकानों में दरारें आना शुरू हो गया।

- दीवार से विद्युत पोल ढहे, कटौती होने से बड़ा हादसा टला
- चारों तरफ पानी होने से खातोली गेट के पास के मकानों में आई दरारें

उनियारा के परकोटे का ढहा हुआ हिस्सा।

संभागीय आयुक्त सहित तीन को गिरफ्तार करने की मांग, प्रदर्शन किया

उदयपुर, (कासं)। जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग में फर्नीचर आपूर्ति मामले में हुए कथित घोटाले को लेकर एक सामाजिक कार्यकर्ता यूनुस चौपदार ने गुरूवार को यहां संभागीय आयुक्त कार्यालय के बाहर प्रदर्शन करते हुए संभागीय आयुक्त सहित तीन प्रशासनिक अधिकारियों की गिरफ्तारी की मांग की है। उल्लेखनीय है कि जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग द्वारा राज्य में संचालित 209 राजकीय छात्रावासों के लिए फर्नीचर आपूर्ति करने हेतु निविदा आमंत्रित की गई थी। उक्त निविदा के तहत विभाग ने अपनी मनचाही फर्म को 69 प्रतिशत अधिक दर 10 करोड़ का टेण्डर जारी किया था। निविदा जारी होने के बाद दर में वृद्धि हुई तो गुपचुप तरीके से सामान की मात्रा में कमी कर दी गई। मीडिया में यह मामला उजागर होने के बाद अतिरिक्त आयुक्त डॉ. वृद्धिचन्द गर्ग द्वारा गत 16 मार्च को जारी एक आदेश के तहत जून माह में ब्लेक लिस्टेड कर दिया गया। इस संबंध में मुख्यमंत्री को शिकायत की गई तो उन्हें झूठी जांच रिपोर्ट भेज कर मुख्यमंत्री कार्यालय को भी भ्रमित किया गया।

इधर, जयपुर स्थित कौशल विकास एवं प्रशिक्षण केन्द्र के लिए फर्नीचर खरीद का 1.90 करोड़ रूपये का टेण्डर 51 प्रतिशत अधिक यानी 2.87 करोड़ में देने की तैयारी

संभागीय आयुक्त कार्यालय के बाहर टीएडी विभाग टेण्डर घोटाले की जांच को लेकर सामाजिक कार्यकर्ता युनुस चौपदार के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने 'सत्याग्रह' किया।

की गई वह भी शिकायत पर निरस्त हो गया तो विभाग ने इसे तोड़कर 16 हिस्सों में बांट दिया। इसके लिए 16 कम्पनियों ने आवेदन किए थे लेकिन इस बार नियमों की आड़ में ज्यादातर फर्मों को बाहर कर दिया गया। केवल तीन फर्मो को वर्कऑर्डर दिए जिसमें सुकमाल ट्रेडर्स नामक वह फर्म भी शामिल है जिसे पूर्व में ब्लेक लिस्टेड किया जा चुका था। यही नहीं काली सूची में शामिल इस फर्म को 16 में से 7 कार्यों का वर्कऑर्डर जारी कर दिया गया। इसकी शिकायत लोकायुक्त को करने पर लोकायुक्त ने जुलाई माह के मध्य में विभाग को इसकी वास्तविक रिपोर्ट एक माही की अवधि में पेश करने का आदेश दिया गया। अवधि उपरांत भी वह रिपोर्ट लम्बित है।

चौपदार ने बताया कि एक फर्म को आर्थिक लाभ पहुंचाने के लिए सभी रास्तों को अपनाया गया। यह सब बिना उच्च अधिकारी की मिलीभगत के संभव नहीं है। अधिकारियों ने अपने आर्थिक लाभ के लिए आदिवासी अंचल के बच्चों के लिए घटिया सामग्री खरीद कर उनके साथ खिलवाड़ किया है वहीं सरकारी राजस्व को भी चूना लगाया है। उन्होंने कहा कि 10 करोड़ के टेण्डर में 5 करोड़ का घपला हुआ है। चौपदार ने इस मामले को दबाने के आरोप जड़ते हुए संभागीय आयुक्त राजेन्द्र भट्ट, अति. आयुक्त डॉ. वृद्धिचन्द गर्ग तथा स्वच्छ परियोजना प्रबंधक राजेश जैन को गिरफ्तार करने की मांग की है।

- सामाजिक कार्यकर्ताओं ने 'सत्याग्रह' के नाम पर किया प्रदर्शन

बदमाशों ने फायर कर ज्वैलर्स को लूटा

चाकसू, (निसं)। उपखंड क्षेत्र के शिवदासपुरा थाना अंतर्गत बुधवार रात को प्रताप नगर स्थित अपनी दुकान से पदमपुरा रोड होते हुए अपने घर जा रहे ज्वैलर्स को बीच रास्ते में तीन से चार नकाबपोश बदमाशों ने देसी कट्टे से फायरिंग कर लूट लिया।

शिवदासपुरा हरिपाल सिंह ने बताया कि आकोडिया गांव निवासी ज्वैलरी व्यापारी रामनारायण शर्मा अपने भतीजे एवं एक अन्य व्यक्ति के साथ सोने चांदी की ज्वैलरी एवं नकदी के साथ बुधवार रात को करीब 9 बजे सांगानेर के प्रतापनगर से अपनी दुकान से घर जा रहे थे। इस दौरान पदमपुरा रोड के रायपुरिया मोड पर अज्ञात तीन बाइक सवार बदमाश व्यापारी की बाइक के आगे बाइक लगाकर, देशी कट्टे से फायरिंग कर मारपीट करके जेवरात से भरा बैग एवं नगदी छीन कर फरार हो गए।

पीड़ित व्यापारी रामनारायण ने बताया कि चोरी का डर होने के कारण रोजाना रात सोने और चांदी का पूरा माल घर ले जाते हैं। बैग नहीं छोड़ने पर बदमाश ने मेरी ओर फायर किया गनीमत रही कि गोली मुझे नहीं लगी और कुर्ते में छेद करती हुई गोली आर -पार हो गई। बदमाशों ने बैग छीन लिया और अंधेरे में ओझल हो गए। जब देर रात पुलिस को सूचना दी गई तो पुलिस मौके पर पहुंची। बैग में 16 हजार नगद, 14 किलो चांदी और करीब 140 ग्राम सोना बताया। सोने और चांदी का मूल्य करीब 13-14 लाख रुपए बताया जा रहा है।

- ज्वैलर्स लगभग 14 लाख के जेवर एवं 16 हजार नकद लेकर घर जा रहा था

'जन्मतिथि में विसंगति पेंशन रोकने का आधार नहीं'

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने एक फैसले में दिवंगत कार्मिक के सर्विस रिकॉर्ड में दर्ज जन्मतिथि में विसंगति के आधार पर उसकी पत्नी को पारिवारिक पेंशन से वंचित करने को अनुचित माना है। जस्टिस रेखा बोराणा ने दिवंगत सेवानिवृत्त पुलिस कांस्टेबल की पत्नी की रिट याचिका मंजूर करते हुए पुलिस और पेंशन विभाग को दो महीने में याचिकाकर्ता को पारिवारिक पेंशन जारी करने के आदेश दिए हैं।

नागौर जिले के डीडवाना तहसील के छोटी छापरी गांव निवासी सुबानी बानो की ओर से कोर्ट को बताया कि याचिकाकर्ता के पति समन खान ने वर्ष 1964 से 1975 तक भारतीय सेना और फिर बाद में वर्ष 1976 से 1999 तक राजस्थान पुलिस में पाली जिले में कांस्टेबल के पद पर सेवाएं देकर सेवानिवृत्ति ली थी। वर्ष 1999 में विभाग ने उनके पेंशन प्रकरण में यह आक्षेप लगाते हुए केवल प्रोविजनल पेंशन स्वीकृति की कि उनके भारतीय सेना के सर्विस रिकॉर्ड और राजस्थान पुलिस के सर्विस रिकॉर्ड में दर्ज जन्मतिथि में विसंगति है।

याचिकाकर्ता के पति को वर्ष 1999 से 2015 यानी उनका देहांत होने तक प्रोविजनल पेंशन ही मिलती रही। पति का देहांत होने पर याचिकाकर्ता पत्नी ने पारिवारिक पेंशन के लिए आवेदन किया तो विभाग ने पुराने लम्बित आक्षेप के आधार पर पेंशन जारी नहीं की। तीन साल तक पुलिस और पेंशन विभाग के चक्कर काटने के बाद वर्ष 2018 में उच्च न्यायालय में रिट याचिका दायर की गई। उन्होंने यह भी कहा कि शीर्ष न्यायालय सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया ने अहम न्यायिक दृष्टांत सुकुमारन बनाम केरल राज्य व अन्य के मामले के अभिनिर्धारित किया है कि किसी कर्मचारी को अनुचित तरीके से खासकर तकनीकी बारीकियों के आधार पर वंचित नहीं किया जा सकता।

सुनवाई के बाद जस्टिस बोराणा ने आदेश में कहा कि विभाग ने कार्मिक के सेवाकाल के दौरान जन्मतिथि की विसंगति दूर करने के सम्बन्ध में कोई कार्रवाई नहीं की। यहां तक कि सेवानिवृत्ति के बाद मृत्यु होने तक कार्मिक को पेंशन दी जाती रही है। इसलिए विभाग अब उसकी पत्नी को पारिवारिक पेंशन से वंचित नहीं कर सकता। पुलिस विभाग अपने सर्विस रिकॉर्ड में दर्ज जन्मतिथि के आधार पर दो माह की अवधि में सभी औपचारिकता पूरी करते हुए याचिकाकर्ता को एरियर सहित पेंशन जारी करे।

- दो माह में याचिका कर्ता को एरियर सहित पेंशन दें

बीसलपुर बांध @ 315.42 आरएलमीटर

टोंक, (निसं)। बीसलपुर बांध में लगातार पानी की आवक बनी हुई, परन्तु त्रिवेणी का गेज कम होने के कारण बांध में पानी की आवक धीमी होने से भराव क्षमता 315.50 आरएलमीटर को पार करने की स्थिति धीरे-धीरे आगे बढ़ रही है। बांध के जलग्रहण क्षेत्र में बारिश का दौर नहीं चलने के कारण बीसलपुर बांध के गेट 315.50 आरएलमीटर पानी की आवक होने के बाद ही खोले जाएंगे। बीसलपुर बांध का गेज शाम 6 बजे 315.42 आरएलमीटर पर पहुंचा।

- बीसलपुर बांध के गेट 315.50 आरएलमीटर पानी की आवक होने के बाद ही खोले जाएंगे

बीसलपुर बांध में पानी की आवक त्रिवेणी का गेज कम होने के कारण बुधवार को शाम 6 बजे 315.14 आरएलमीटर के बाद रात्रि 8 बजे 315.08, रात्रि 10 बजे 315.22, गुरुवार को सुबह 6 बजे 315.32, दोपहर 12 बजे 315.38, दोपहर 2 बजे 315.40 आरएलमीटर पहुंच गया। दोपहर 2 बजे त्रिवेणी 3.90 चल रही थी, शाम 4 बजे 315.41 हुआ और शाम 6 बजे बीसलपुर बांध का गेज 315.42 आरएलमीटर पर पहुंच गई। त्रिवेणी का गेज 3.90 मीटर चल रहा था।

गोविन्दगढ़ एसएचओ 6 लाख की रिश्वत लेते गिरफ्तार

धोखाधड़ी केस में मदद की एवज में मांगे 10 लाख

चौंमू/कालाडेरा, (निसं)। जयपुर ग्रामीण क्षेत्र के गोविन्दगढ़ थाने में जयपुर एसीबी ने बड़ी कार्यवाही करते हुए गोविन्दगढ़ थाने के एसएचओ हरिनारायण शर्मा को रिश्वत के मामले में गिरफ्तार किया है।

एसएचओ हरिनारायण शर्मा ने पीड़ित से धोखाधड़ी के मामले में मदद करने की एवज में 10 लाख रुपए रिश्वत मांगी थी। एसीबी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बजरंग सिंह शेखावत ने पूरी कार्यवाही को एसीबी के डीजीपी बीएल सोनी के निर्देशन में व उप महानिदेशक सवाई सिंह गोदारा के सुपर विजन में अंजाम दिया गया।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बजरंग सिंह ने बताया कि गोविन्दगढ़ थाने के एसएचओ हरिनारायण शर्मा ने धोखाधड़ी के मामले में परिवादी को निकालने के एवज में एक वकील विश्वनाथ शर्मा के जरिए 10 लाख रुपये में सौदा तय किया एक वकील ने 4 लाख रुपये लेकर बुधवार को एसएचओ हरिनारायण शर्मा को दे दिए थे और गुरुवार को 6 लाख रुपये लेकर थाने आ रहा था इस दौरान पीछे एसीबी आने की भनक लगने पर वकील विश्वनाथ शर्मा 6 लाख रुपये फेंक कर फरार हो गया। एसीबी ने 6 लाख रुपये बरामद कर लिए हैं फिलहाल एसीबी की टीम पूरे मामले में जांच कर रही है और फरार वकील विश्वनाथ शर्मा की तलाश कर रही है। एसीबी के अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस दिनेश एमएन के निर्देशन में आरोपी के निवास एवं अन्य ठिकानों की तलाशी जारी है एसीबी द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जाएगा।

- बिचौलिया वकील सड़क पर रुपये फेंक मौके से हुआ फरार

जयपुर एसीबी की टीम ने गोविन्दगढ़ एसएचओ को गिरफ्तार किया।

डीईओ प्रारंभिक दो दलालों के साथ रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

बाड़मेर, (निसं)। ए.सी.बी. मुख्यालय के निर्देश पर जैसलमेर इकाई की ओर से जिले के चोहटन क्षेत्र में गुरुवार को कार्यवाही करते हुये जिला शिक्षा अधिकारी (प्रारंभिक) केसरदान रतनू को उसके दलाल जीवनदान चारण एवं आसुसिंह राजपुरोहित (प्राईवेट व्यक्ति) सहित परिवादी से पचास हजार रुपये रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक भगवान लाल सोनी ने बताया कि ए.सी.बी. की जैसलमेर इकाई को परिवादी द्वारा शिकायत दी गई कि उसके निलम्बन काल के समस्त परिलाभ दिलवाने एवं विभागीय जांच में मदद करने की एवज में जिला शिक्षा अधिकारी (प्रारंभिक) जिला बाडमेर केसरदान रतनू द्वारा दो लाख रूपये की रिश्वत राशि मांग कर परेशान किया जा रहा है । जिस पर एसीबी जैसलमेर इकाई के पुलिस उप अधीक्षक अन्नराज के नेतृत्व में शिकायत का सत्यापन कर गुरुवार को उनकी टीम द्वारा बाडमेर में ट्रेप कार्यवाही करते हुये केसरदान रत्नू पुत्र मलदान चारण निवासी मेघवालों का पुराना बास , चौहटन, जिला बाड़मेर हाल जिला शिक्षा अधिकारी (प्रारंभिक) जिला बाड़मेर को उसके दलाल जीवनदान चारण पुत्र कृष्णदान निवासी ग्राम बींजासर तहसील धनाउ , जिला बाड़मेर एवं आसुसिंह पुत्र अमलेख सिंह राजपुरोहित निवासी ग्राम लंगेरा , तहसील व जिला बाड़मेर (दोनों प्राईवेट व्यक्ति) के माध्यम से परिवादी से पचास हजार रूपये रिश्वत लेते हुये रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। एसीबी के अतिरिक्त महानिदेशक दिनेश एम. एन. के निर्देशन में आरोपी के निवास एवं अन्य ठिकानों की तलाशी जारी है।

- निलम्बन काल के परिलाभ दिलवाने एवं विभागीय जांच में मदद करने की एवज में ली रिश्वत

प्रदेश में छात्र संघ चुनाव आज

राजस्थान विश्वविद्यालय में सभी तैयारियां पूरी, सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान यूनिवर्सिटी सहित प्रदेश भर में छात्र संघ चुनाव शुक्रवार को होंगे। वहीं शनिवार को मतगणना के बाद परिणाम घोषित किए जाएंगे। विश्वविद्यालय प्रशासन ने निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव कराने के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। संगठक महाविद्यालयों में भी मतपेटियां पहुंचाने के साथ अन्य सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

राजस्थान विश्वविद्यालय में इन चुनावों में 20 हजार से ज्यादा मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकेंगे। सुबह 8 से 2 बजे तक मतदान होगा। इसके बाद मतपेटियां कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच कॉमर्स कॉलेज में सील हो जाएंगी। दूसरे दिन शनिवार को सुबह मतगणना शुरू होगी। शाम से पहले परिणाम घोषित होने की संभावना है। कॉमर्स कॉलेज में ही विजयी प्रत्याशियों को शपथ दिलाई जाएगी। चुनाव के लिए पुलिस के साथ कैंपस और संगठक महाविद्यालयों में अतिरिक्त पुलिस बल भी तैनात किया गया है।

अध्यक्ष पद के लिए छह प्रत्याशी मैदान में

राजस्थान विश्वविद्यालय में अध्यक्ष पद पर एबीवीवी के नरेंद्र यादव, एनएसयूआई की रितु बराला, निर्दलीय निहारिका जोरवाल, निर्मल चौधरी, प्रताप भानु मीणा और हितेश्वर कुमार में मुकाबला है।

महासचिव पद पर एबीवीपी के अरविंद जाजड़ा, एनएसयूआई के संजय चौधरी सहित 9 प्रत्याशी चुनाव मैदान में है। उपाध्यक्ष पद पर छह और संयुक्त सचिव पद पर दो प्रत्याशियों में मुकाबला है। वहीं शोध छात्र प्रतिनिधि के लिए चार उम्मीदवार मैदान में है।

डेढ़ हजार पुलिस कर्मी तैनात, ड्रोन से रहेगी निगरानी

छात्रसंघ चुनाव में मतदान के दौरान सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए ड्रोन से निगरानी रखी जाएगी।

डीसीपी ईस्ट राजीव पचार ने बताया कि मतदान के दौरान 10 एडिशनल एसपी, 10 एसपी, 35 सीआई, आरएसी की 3 कंपनी, एसटीएफ की 2 कंपनी, घुड़सवार, बज्रवाहन के अतिरिक्त 1500 पुलिसकर्मी तैनान रहेंगे। इस बीच जेएनएल मार्ग, कॉलेज कैंपस और संघटक कॉलेजों में छात्रों को एक जगह इक्कठा नहीं होने दिया जाएगा। इसके साथ ही वोट डालने के बाद छात्रों को कैंपस से बाहर कर दिया जाएगा।

मतदान के लिए 21 केंद्रों पर बनाए 91 बूथ

राजस्थान विश्वविद्यालय में मतदान के लिए संघटक कॉलेजों सहित कैंपस में 21 सेंटर बनाए गए है। इन 21 सेंटर्स पर मतदान के लिए 91 मतदान केंद्र बनाए गए है। इन बूथों पर 20,770 मतदाता वोट करेंगे। वहीं शोध छात्र प्रतिनधि के लिए दो केंद्रों पर तीन मतदान बूथ बनाए हैं, यहां पर 830 मतदाता वोट डालेंगे। राजस्थान विवि में सर्वाधिक वोट राजस्थान विवि महारानी कॉलेज में ऐसे में मतदान के लिए सर्वाधिक 19 बूथ बनाए गए है।

मतदाता को लुभाने के लिए छाते व बैंड बनवाए

उधर मतदान से पहले मतदाता स्टूडेंट्स को लुभाने के लिए प्रत्याशी कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहे हैं। इसके लिए जहां कुछ प्रत्याशियों ने अपने नाम के छाते, बैंड बनवाए हैं।

लगातार हो रही बारिश के बीच छात्रसंघ चुनाव की वोटिंग कम न हो इसलिए प्रत्याशी अब आम छात्रों को छाते बांट रहे हैं। एनएसयूआई की अध्यक्ष पद की उम्मीदवार रितु बराला गर्ल्स हॉस्टल में खुद के नाम लिए छाते बांटकर छात्रों से मतदान की अपील कर रही हैं। वहीं, कुछ स्टूडेंट्स अपने सिर पर ही प्रत्याशियों का नाम लिखवा कर घूम रहे हैं। एनएसयूआई से बागी होकर चुनाव लड़ रही निहारिका जोरवाल के प्रचार के लिए एक समर्थक ने अपने सिर पर उसका नाम ही लिखवा लिया है।

वहीं गुरुवार को राजस्थान यूनिवर्सिटी में छात्रसंघ प्रचार के दौरान एबीवीपी और एनएसयूआई के प्रत्याशी आमने-सामने हो गए। एक दूसरे पर आरोप लगाने वाले प्रत्याशी एक दूसरे को माला पहना कर समर्थन मांगते नजर आए।

छात्र संघ चुनाव में अध्यक्ष पद के एनएसयूआई की रितु बराला, एबीवीपी के नरेंद्र यादव, निर्दलीय उम्मीदवार प्रताप भानु मीणा, निर्मल चौधरी, हितेश्वर बैरवा और निहारिका सहित अन्य पदों के प्रत्याशी मतदाताओं को लुभाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं।

मतदान के लिए जागरूक किया

राजस्थान विश्वविद्यालय के पिछले चुनावों में काफी कम मतदान हुआ है, ऐसे में जागरूक छात्रों द्वारा पहल की गई। कैम्पस में सभी छात्रों से मिलकर मतदान के लिए अपील की गई। इस बार छात्रसंघ चुनाव में महारानी कॉलेज व छात्रावासों के मतदाताओं की अहम भूमिका रहेगी।

चौडा रास्ता में अब 27 से नहीं लगेगा नाइट बाजार

चौड़ा रास्ता में लगने वाले रात्रिकालीन बाजार के विरोध में दुकानदारों ने अपनी दुकानों को बंद रखा।

जयपुर। चौडा रास्ता में लगने वाला रात्रिकालीन बाजार जलदाय मंत्री महेश जोशी, किशन पोल विधायक अमीन कागजे का आश्वासन और हैरिटेज नगर निगम आयुक्त विश्राम मीणा के आश्वासन पर अब फिलहाल नहीं लगेगा।

व्यापार मंडल के अध्यक्ष सौभाग्यमल अग्रवाल ने बताया कि चौडा रास्ता व्यापार मंडल एवं स्थानीय निवासियों ने विरोध दर्ज करते हुए सुबह से ही चौडा रास्ता बंद कर रखा था जो दोपहर तक सफल था। व्यापार मंडल से अध्यक्ष सौभाग्यमल अग्रवाल, महासचिव विवेक भारद्वाज एवं स्थानीय रहवासियों के प्रतिनिधि प्रेम शर्मा को वार्ता के लिए हैरिटेज निगम आयुक्त विश्राम मीणा ने बुलाया, जहां व्यापार मंडल एवं निगम में दो दिन के डेमो रात्रिकालीन बाजार को लेकर भी सहमति नहीं बनी, जिसके चलते 27 अगस्त से लगने वाले रात्रिकालीन बाजार को हालात के मद्देनजर स्थगित कर दिया गया है।

हैरिटेज आयुक्त ने व्यापारियों एवं स्थानीय बाशिन्दों को आश्वस्त किया कि जब भी रात्रिकालीन बाजार लगाया जाएगा तो पहले व्यापारियों और स्थानीय वाशिन्दों की रजामंदी ली जाएगी उसके उपरांत ही बाजार लगाया जाएगा। जलदाय मंत्री महेश जोशी और क्षेत्रीय विधायक अमीन कागजी ने बंद के दौरान व्यापारियों एवं स्थानीय बाशिन्दों को आश्वस्त किया कि रात्रिकालीन बाजार को लेकर वहीं निर्णय मान्य होगा जो स्थानीय व्यापारियों एवं बाशिन्दों को स्वीकार है।

चौडा रास्ता व्यापार मंडल एवं स्थानीय लोगों के रात्रिकालीन बाजार के विरोध में किए आंदोलन को जयपुर व्यापार महासंघ ने भी समर्थन दिया। महासंघ के महासचिव सुरेन्द्र बज ने प्रशासन को चाहते हुए स्पष्ट कि महासंघ के साथ 125 व्यापार मंडल का समर्थन चौडा रास्ता व्यापार मंडल को है। उन्होंने

- व्यापार मंडल व निगम आयुक्त के बीच नहीं बनी सहमति

कहा कि चौडा रास्ता ही नहीं बल्कि इससे हटकर रात्रिकालीन बाजार चारदीवारी में कहीं भी लगाने की चेष्टा प्रशासन की ओर से भविष्य में की गयी तो जयपुर महासंघ इस आंदोलन को व्यापक स्तर पर ले जाएगा।

चौडा रास्ता के व्यापारियों एवं निवासियों के बीच प्रशासनिसत स्तर पर नगर निगम की ओर से उपायुक्त सुरेन्द्र सिंह यादव, नरेन्द्र कुमार एवं के एल मीणा ने आंदोलन स्थल पर आकर व्यापारियों को आश्वस्त किया कि आप लोगों की सहमति पर ही अब रात्रिकालीन बाजार लगाया जाएगा। फिलहाल इसे स्थगित कर दिया है जिसके चलते दोपहर बाद चौडा रास्ता में व्यापारिक गतिविधियों की शुरुआत हुई। आंदोलन में जयपुर व्यापार महासंघ से सुरेन्द्र बज, सुरेश सैनी, हरीश केडिया, कैलाश मिल, महेश सिंघली, अमोल पाठक सहित क्षेत्रीय व्यापारियों एवं बाशिन्दों ने सहभागिता निभाई।

मंत्री की बेटी होना मेरे लिए दुर्भाग्य : निहारिका

'मेरे पिताजी पर दबाव बनाया गया लेकिन मैं पीछे नहीं हटूंगी'

जयपुर। राजस्थान यूनिवर्सिटी से निर्दलीय चुनाव लड़ रही निहारिका जोरवाल ने कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा है।

उन्होंने कहा मंत्री की बेटी होना मेरे लिए दुर्भाग्य की बात है। पहले मेरी काबिलियत को पहचाना नहीं गया। मेरे माता-पिता पर दबाव बनाया जा रहा है कि मैं चुनाव नहीं लडूं। इसी वजह से अब मेरी अपने घरवालों से भी लड़ाई हो गई है। मैं किसी भी सूरत में पीछे नहीं हटूंगी।

गुरुवार को निहारिका जोरवाल ने अपना घोषणा पत्र जारी किया। इसमें 12 वादे किए गए। इस दौरान उन्होंने कहा कि पिछले लंबे वक्त से मैं राजस्थान यूनिवर्सिटी में संघर्ष कर रही थी। सिर्फ कुछ नेताओं की वजह से जातिगत राजनीति को आधार मानकर मेरा टिकट काट दिया गया।

मुझ पर जातिगत भेदभाव के झूठे आरोप लगाए गए। मैं डरूंगी नहीं और छात्रों के लिए लगातार संघर्ष करूंगी। वहीं, करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष महिपाल सिंह मकराना ने निहारिका जोरवाल को समर्थन दिया।

उन्होंने कहा राजस्थान यूनिवर्सिटी को जातिगत राजनीति का अखाड़ा बना दिया है। करणी सेना ऐसा नहीं होने देगी। हम इस चुनाव में बहन निहारिका

राजस्थान यूनिवर्सिटी से निर्दलीय चुनाव लड़ रही निहारिका जोरवाल (दाएं) ने गुरुवार को अपना घोषणा पत्र जारी किया।

जोर वालों के साथ जी-जान से जुड़ेंगे। उन्हें जीत दिलाएंगे। क्योंकि इतिहास में भी मीणा समाज ने महाराणा प्रताप का साथ दिया था। ऐसे में आज हम निहारिका को जिताकर उस कर्ज को चुकाएंगे। इस दौरान छात्रनेता लोकेंद्र सिंह रायथलिया ने कहा हम जिन मुद्दों की बात कर रहे है उन्हें चुनाव जीतने पर विश्वविद्यालय में लागू करवाएंगे। इनमें छात्रा शिक्षा नि:शुल्क करवाना, एनसीसी का सम्पूर्ण खर्च सरकार के द्वारा वहन करवाना, प्रवेश प्रक्रिया में एनएसएस का वेटेज बढ़ाना, विवि में प्रति छमाही में प्लेसमेंट सेल और रोजगार मेला आयोजित करवाना, करोना के कारण जान गवाने वाले परिवार के विद्यार्थियों को प्रवेश प्रक्रिया में अलग कोटा देना व वर्तमान होस्टल में सीटें बढ़ाने से मुद्दे शामिल है।

एनएसयूआई ने सिंडिकेट में प्रतिनिधित्व देने की मांग की

एनएसयूआई की अध्यक्ष प्रत्याशी रितु बराला (दाएं से दूसरी) ने 16 वादों वाला घोषणा पत्र जारी किया।

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान विश्वविद्यालय के छात्रसंघ चुनाव के लिए एनएसयूआई ने छात्रसंघ पदाधिकारियों को सिंडिकेट में प्रतिनिधित्व देने की मांग को प्रमुख मुद्दा बनाया है।

एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीरज कुंदन के नेतृत्व में प्रदेशाध्यक्ष अभिषेक चौधरी, अध्यक्ष प्रत्याशी रितु बराला, महासचिव प्रत्याशी संजय चौधरी ने 16 वादों वाला घोषणा पत्र जारी किया।

इस दौरान नीरज कुंदन ने कहा कि उनका पूरा पैनल इस बार चुनाव जीत रहा है। वहीं अभिषेक चौधरी ने कहा कि पूरी टीम मिलकर काम कर रही है। एनएसयूआई जो भी वादे कर रही है, उन्हें जीत के बाद लागू करवाया जाएगा। घोषणा पत्र में कहा गया कि सिंडिकेट में छात्रसंघ पदाधिकारी को मौका मिले इसको लेकर संघर्ष करेंगे। वहीं संपूर्ण विश्वविद्यालय परिसर में नि:शुल्क वाई-फाई की सुविधा उपलब्ध, यूनिवर्सिटी में पढने वाले सभी छात्रों को प्राइवेट कोचिंगों में 6 फीसदी की विशेष छूट, विज्ञान

- एनएसयूआई ने घोषणा पत्र जारी करके 16 वादे किए

के विभागों में प्रैक्टिकल के लिए केमिकल की उपलब्धता सुनिश्चित करना, कैंपस की सड़कें गड्ढे रहित बनाना, और विश्वविद्यालय परिसर में पीने के लिए शुद्ध पेयजल उपलब्ध करवाया जाए। इसके अलावा महिला छात्रावास व महारानी कॉलेज में महिला गार्ड एवं महिला पुलिसकर्मी तैनात किए जाए।

महिला छात्रावासों के समय में बढ़ोतरी की जाए इसके लिए प्रयास किया जाएगा। साथ ही महिला छात्रावासों में 24 घंटे मेडिकल की सुविधा के लिए दो महिला नर्सेज की तैनाती की जाए।

एबीवीपी-एनएसयूआई की प्रतिष्ठा दाव पर

जयपुर। राजस्थान विश्वविद्यालय में शुक्रवार को 38वें छात्रसंघ अध्यक्ष सहित अन्य पदों पर चुनाव के लिए मतदान होगा। राजस्थान विश्वविद्यालय में इस बार छात्रसंघ चुनाव में दोनों प्रमुख छात्र संगठन एबीवीपी और एनएसयूआई की साख दाव पर है। इस बार निर्दलीय प्रत्याशियों ने मुकाबला रोचक बना दिया है। एनएसयूआई पिछले चार और एबीवीपी छह चुनाव से अपना अध्यक्ष प्रत्याशी नहीं जीता पाई है। दोनों ही संगठन अपना बजूद बचाने के लिए इस बार जीत दर्ज करवाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे है।

वहीं निर्दलीय इस बार भी जीत दर्ज करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे है। गुरुवार को भी प्रत्याशियों ने संघटक कॉलेज और विवि कैंपस में प्रचार करने पहुंचे और अपने लिए वोट मांगे। वहीं प्रत्याशियों की ओर से बाड़ाबंदी भी की गई है। जहां छात्रों को ठहराया गया। इन वोटर्स को मतदान शुरू होते ही वोट डलवाकर वापस घर पर छोड़ा जाएगा। जयपुर के महारानी कॉलेज में सबसे ज्यादा 4940 वोटर्स हैं। यही कारण है कि राजस्थान यूनिवर्सिटी के अपेक्स पद के प्रत्याशियों का सबसे ज्यादा फोकस महारानी कॉलेज पर ही है। इस वजह से एबीवीपी और एनएसयूआई के प्रत्याशी दिन में दो से तीन बार महारानी कॉलेज में प्रचार किया।

सार-समाचार

'वृक्ष ही जीवन का आधार जो हमें प्राणवायु देते है'

जयपुर। वैशाली नगर स्थित ब्रह्मकुमारीज सेंटर पर गुरुवार को ब्रह्मकुमारीज की पूर्व मुख्य प्रशासिका दादी प्रकाशमणि की 15 वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में विश्व वंधुत्व दिवस मनाया गया। साथ ही 5 जून से 25 अगस्त तक चलाया जा रहा कल्प तरुप प्रोजेक्ट का आज समापन किया गया। इस अवसर पर भाजपा प्रवक्ता राखी राठौर ने संबोधित करते हुए कहा कि ब्रह्मकुमारीज संस्था समाजसेवा के साथ साथ प्रकृति की सुरक्षा एवं संरक्षण के प्रति भी समाज को जागरुक करने का कार्य कर रही है। सेवा केन्द्र प्रभारी बी के चन्द्रकला दीदी ने अपने संबोधन में कहा कि जीवन के लिए प्राणवायु की सख्त जरुरत होती है उसके बिना जीवन की कल्पना ही असंभव है जिसे वृक्ष संभव बनाते हैं। उन्होंने ब्रह्मकुमारीज संस्था से जुडे लोगों से अधिक से अधिक वृक्ष लगाने का आव्हान किया। साथ ही दीदी ने राखी राठौर के साथ वृक्षारोपण भी किया तथा 200 परिवारों को वृक्षों का दान भी किया। इस अवसर पर कमान्डेन्ट के सी यादव, कर्नल शंकर शर्मा, उद्योगपति घासीराम अग्रवाल, प्रोपर्टी डीलर ग्यारसी लाल यादव तथा मंगुराम लालचंदानी सहित 300 भाई बहनों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

गैंगस्टर मनीष व उसका साथी गिरफ्तार

जयपुर। जयपुर पुलिस कमिश्नरेट की स्पेशल टीम ने गुरूवार को प्रताप नगर इलाके में स्थित अपार्टमेंट में दबिश देकरद कई आपराधिक मामलों में वांटेड गैंगस्टर मनीष सैनी सहित दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस दोनों बदमाशों से पूछताछ कर रही है। जानकारी के अनुसार सीएसटी को प्रताप नगर इलाके स्थित चिरायु अपार्टमेंट में गैंगस्टर मनीष सैनी के ठहरने की सूचना मिली थी। इस सूचना पर तुरंत पुलिस की टीमें मौके पर पहुंची और मुखबिर द्वारा बताए गए फ़्लैट पर दबिश मारी। इस दौरान मौके से गैंगस्टर मनीष सैनी अपने साथी सुरेंद्र उर्फ़ भाटी के साथ मिला। इस पर पुलिस टीम दोनों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस दोनों से थाने में पूछताछ कर रही है।

व्यापारी के घर करोड़ों की लूट करने वालों का कोई सुराग नहीं

जयपुर। राजधानी के गलता गेट इलाके में सूरजपोल अनाज मंडी रोड आटा और बेसन कारोबारी के घर पर लूट की वारदात के बाद 24 घंटे बाद भी पुलिस बदमाशों का कोई पुख्ता सुराग नहीं लगा पाई है। हालांकि पुलिस की छह टीमें सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालकर आरोपियों का पता लगाने में जुटी है।

डीसीपी नोर्थ परिस देशमुख ने बताया कि बदमाशों को पकड़ने के लिए पुलिस की ओर से पूरे प्रयास किए जा रहे हैं। आरोपियों की तलाश के लिए पुलिस की छह टीमें जुटी हुई है। वहीं मामले में आज एक दर्जन से ज्यादा संदिग्ध लोगों से पूछताछ की गई है। वहीं कुछ टीमें आरोपियों की तलाश में बाहर भेजी गई है। पुलिस का मानना है कि इस वारदात के पीछे कोई अंदर का ही आदमी हो सकता है। वह पीड़ित के परिवार और कारोबार के बारे में पूरी जानकारी रखता है। फिलहाल पुलिस को तीन सीसीटीवी फुटेज मिले हैं। हालाकि धुंधले होने के कारण उसमें दिखने वालों के चेहरे साफ नजर नहीं आ रहे हैं। पुलिस दिल्ली रोड पर चंदवाजी तक के फुटेज खंगालने में जुटी है। बताया जा रहा है कि पिछले तीन से चार महीने के दौरान कुछ स्टाफ को भी बदला गया है। पुराने स्टाफ के बारे में भी पुलिस जांच पडताल कर रही है। दो मुनीम और छह कामगारों के बारे में भी पूरी जांच पडताल की जा रही है।

गौरतलब है कि गलता गेट थाना इलाके में सूरजपोल अनाज मंडी रोड पर बुधवार रात इनकम टैक्स अधिकारी बनकर आए 5 डकैतों ने आटा व्यापारी के परिजनों को बंधक बनाकर लूटपाट की। बदमाशों ने 10 लोगों को पिस्टल के दम पर बंधक बना लिया और आधे घंटे तक घर खंगालते रहे। फिर वे करीब 60 लाख रुपए की नकदी और डेढ़ किलो सोने के जेवरात लेकर फरार हो गए। लूटपाट के बाद बदमाश फरार हो गए। तब परिवार ने चिल्लाना शुरू किया, आवाज सुनकर उनके पडोसी आए। पडोसियों ने परिवार को छुडाकर पुलिस को सूचना दी। वारदात के बाद से ही व्यापारी का पूरा परिवार दहशत में है। जिस जगह पर वारदात हुई, वह भीड़

- पुलिस की छह टीमें आरोपियों की तलाश में जुटी हैं।
- पुलिस ने गुरूवार को करीब एक दर्जन से ज्यादा लोगों से पूछताछ की है।
- दिल्ली रोड व आसपास के इलाकों में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे है।

भरा क्षेत्र होने के बाद भी वहां पर वारदात करने की हिम्मत की गई। दरअसल सत्यनारायण तांबी के मकान का निर्माण कार्य चल रहा था। इस कारण इतना पैसा घर में रखा गया था। निर्माण में आने वाली सामग्री और अन्य कामों के लिए इनमें से अधिकतर पैसा काम आना था। पूरा पैसा एक ही बैग में अलग अलग बंडल में रखा था। आटा और बेसन का बड़ा काम होने के कारण हर दिन कैश का लेन देन होता था और उसे अगले दिन बैंक में जमा कराया जाता था। इस बीच सत्यनारायण के आढत का काम भी था। इस कारण भी हर दिन पांच से सात लाख रुपए कैश का लेनदेन होता था। व्यापार और आढत से जुड़ा पूरा पैसा उसी बैग में रखा था। साथ ही करीब तीस से चालीस लाख रुपए मकान के पेटे रखे हुए थे। पूरा पैसा एक ही बैग में रखा है इसकी जानकारी परिवार के कुछ लोगों के साथ ही स्टाफ के चुनिंदा लोगों को भी थी।

व्यापारी के घर में डकैती से व्यापारियों में रोष:- सूरजपोल मंडी रोड पर 24 अगस्त की शाम व्यापारी सत्यनारायण तांबी के निवास पर हुई डकैती की घटना पर फैडरेशन ऑफ राजस्थान ट्रेंड एंड इंडस्ट्री ने गहरा रोष व्यक्त किया है। इस घटना के विरोध में फोर्टी की ओर से गुरुवार को जयपुर पुलिस कमिश्नर को ज्ञापन सौंपा ।

हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार

जयपुर। राजधानी जयपुर के महेश नगर में बुधवार देर रात आपसी कहासुनी के बाद हुए विवाद के चलते एक हिस्ट्रीशीटर के साथियों ने ढाबे पर फायरिंग कर दी। गनीमत रही कि घटना के वक्त मौके पर कोई मौजूद नहीं था। पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए हिस्ट्रीशीटर को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि देर रात हुई इस घटना के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए हिस्ट्रीशीटर राहुल माली को गिरफ्तार किया है । प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि गाडी खड़ी करने को लेकर राहुल का दूसरे पक्ष से विवाद हुआ था। इसके चलते दूसरे पक्ष ने राहुल की गाडी में तोड़फोड कर दी। घटना के बाद राहुल मौके से चला गया। कुछ देर बाद राहुल के साथी मौके पर पहुंचे और ढाबे पर फायरिंग कर दी।

कुल्हाड़ी से वार कर घायल किया

जयपुर। राजधानी के मोती डूंगरी इलाके में आचार्य कृपलानी मार्ग पर गुरूवार को दोपहर को बाइक सवार बदमाशें ने एक हिस्ट्रीशीटर पर कुल्हाडी से बार कर घायल कर दिया। भीड़ जमा होने पर आरोपी फायरिंग कर मौके से फरार हो गए। पुलिस उनकी तलाश में जुटी है। पुलिस ने बताया कि कोतवाली थाने के हिस्ट्रीशीटर आसिफ अली (40) पर जानलेवा हमला हुआ है। गुरुवार दोपहर वह स्कूटी से बेटी को स्कूल लेने जा रहा था।

रेलवे ट्रेक पर महिला से सामूहिक दुष्कर्म

जयपुर। राजधानी जयपुर में बुधवार देर रात जयपुर जंक्शन के पास कल्पना ट्रेवल्स के नजदीक पति के लिए खाना लेने के लिए गई महिला का अपहरण कर रेलवे ट्रेक के पास पांच बदमाशों ने सामूहिक दुष्कर्म किया। बदमाशों ने महिला के सभी कपड़े फाड़ दिए। वह बदहवास हालत में महिला जीआरपी थाने पहुंची और शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने तत्काल प्रभाव से महिला को कपड़े दिए और आरोपियों को पकड़ने के लिए इलाके में दबिश देना शुरू किया। जीआरपी को कोई भी बदमाश नहीं मिल पाया। घटना की जानकारी मिलने पर जयपुर कमिश्नरेट की स्पेशल टीम भी मौके पर पहुंची है। महिला का पुलिस ने मेडिकल करवाया दिया हैं। मौके पर पहुंची एफएसएल के अधिकारियों के साथ महिला ने मौके की जानकारी दी । एफएसएल के अधिकारियों ने मौके से कई साक्ष्य भी लिए।

जानकारी के अनुसार 35 वर्षीय पीड़िता जयपुर की ही रहने वाली है जो अपने पति के साथ देर रात ट्रेन में सफर करने के लिए जयपुर रेलवे स्टेशन पहुंची थी। ट्रेन के आने में समय था ऐसे में वह अपने पति के लिए खाना लेने रेलवे स्टेशन से बाहर निकली। बताया जा रहा है कि स्टेशन के बाहर पीड़िता को पांच युवक मिले जिनसे उसने रेस्टोरेंट के बारे में पूछा। इस पर रेस्टोरेंट की ओर ले जाने का झांसा देकर बदमाश

- पति के लिए खाना लेने जंक्शन से बाहर आई थी।
- पुलिस सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालकर आरोपियों की तलाश में जुटी है।

पीडिता को करीब 100 मीटर दूर अजमेर पुलिया की तरफ रेलवे यार्ड की ओर ले गए। अंधेरी जगह पर हाथ खींच अगवा कर लिया। सड़क किनारे स्थित दीवार के ऊपर से रेलवे लाइन की तरफ फेंक दिया। आरोपियों ने महिला से बलात्कार किया। वारदात के बाद पाचों बदमाश पीडिता को बदहवास हालत में छोड़कर मौके से फरार हो गए।

महिला को अगवा करने वाला स्थान जीआरपी थाने से महज 50 मीटर दूर है और बलात्कार की घटना को अंजाम देने वाली जगह जीआरपी थाने के पीछे वाले गेट से करीब 150 मीटर दूर है। घटना स्थल से करीब 250 मीटर दूर जयपुर जंक्शन पर रात 11 बजे रोती हुई पीड़िता पहुंची और अपने पति को घटना की जानकारी दी। महिला ने जिस जगह पर खुद के साथ गैंगरेप होने की बात कही है उस जगह और आसपास के इलाकों में लगे हुए सीसीटीवी को खंगालने का पुलिस प्रयास कर रही है।

मूक-बधिर बच्चों की पेंशन बढ़ाने की मांग

जयपुर, (का.सं.)। कॉक्लीयर इम्प्लांट परिवार की राधिका जोशी ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को पत्र लिखकर कॉक्लीयर इम्प्लांट की मशीन के पार्ट्स व नई मशीन को चिरंजीवी योजना में शामिल करने की मांग की है। जोशी ने पत्र में मशीन रख रखाव का सालाना खर्चा स्वीकृत करने पर धन्यवाद दिया। इसके साथ ही उन्होंने रोज-रोज खराब होने वाले कॉक्लीयर इम्प्लांट की मशीन के पार्ट्स व नई मशीन चिरंजीवी योजना में शामिल करने की मांग की जिससे हजारों परिवारों को आर्थिक व मानसिक संबल मिल सके। उन्होंने यह भी लिखा कि वर्तमान में लगी हुई मशीन की कुछ कंपनी 2023 में बंद हो रही हैं जिसके लिये पुरानी मशीन को अपग्रेड करना या नहई मशीन को खरीदना होगा। इसके साथ ही इन मूक-बधिर बच्चों को मिलने वाली पेंशन जो 750 रुपये है, बढ़ती महंगाई में बहुत कम है, इसे बढ़ाकर कम से कम 3000 रुपये प्रतिमाह करें।

ARBiT
it happens here...

International Dog Day

No one can win hearts like man's best friend, and in honour of this bond between man and canine, International Dog Day is celebrated. Take time to appreciate the love and value that dogs bring to our daily lives. From keeping us safe working for the emergency services to supporting people who are blind, deaf or disabled, dogs do a lot for us humans, and this is an opportunity to give something back to these humble souls on Earth.

राष्ट्रदूत
FRIDAY
26 August 2022
A-B

#SPACE

How Fast Our Universe Is Expanding

Black hole is usually where information goes to disappear but scientists may have found a trick to use its last moments to tell us about the history of the universe.

In a new study, two astrophysicists lay out a method for how to use pairs of colliding black holes to measure how fast our universe is expanding and thus understand how the universe evolved, what it is made out of and where it's going.

In particular, the scientists think the new technique which they call a 'spectral siren' may be able to tell us about the otherwise elusive 'teenage' years of the universe.

There's a major ongoing scientific debate over exactly how fast the universe is expanding- a number called the Hubble constant. The different methods available so far yield slightly different answers and scientists are eager to find alternate ways to measure this rate. Checking the accuracy of this number is especially important because it affects our understanding of fundamental questions like the age, history and makeup of the universe.

The new study offers a way to make this calculation using special detectors that pick up the cosmic echoes of black hole collisions.

Occasionally, two black holes will slam into each other- an event so powerful that it literally creates a ripple in space-time that travels across the universe. Here on Earth, the US Laser Interferometer Gravitational-Wave Observatory (LIGO) and the Italian observatory Virgo can pick up those ripples which are called gravitational waves.

Over the past few years, LIGO and Virgo have collected the readings from almost 100 pairs of black holes colliding.

The signal from each collision contains information about how massive the black holes were. But the signal has been travelling across space and during that time the universe has expanded which changes the properties of the signal.

"For example, if you took a black hole and put it earlier in the universe, the signal would change and it would look like a bigger black hole than it really is," explains Daniel Holz, an astrophysicist at the University of Chicago, and one of the two authors of the paper.

The method may provide a unique window into the 'teenage' years of the universe that are hard to study with other methods.

If scientists can figure out a way to measure how that signal changed, they can calculate the expansion rate of the universe. The problem is calibration: How do they know how much it changed from the original?

In their new paper, Holz and first author Jose Maria Ezquiaga suggest that they can use our new found knowledge about the whole population of black holes as a calibration tool. For example, current evidence suggests that most of the detected black holes have between five and 40 times the mass of our sun.

"So we measure the masses of the nearby black holes, understand their features, then look further away and see how much those further ones appear to have shifted," says Ezquiaga, a NASA Einstein Postdoctoral Fellow and Kavli Institute for Cosmological Physics Fellow working with Holz. "And this gives you a measure of the expansion of the universe."

The authors dub it the 'spectral siren' method, a new approach to the 'standard siren' method which Holz and collaborators have been pioneering. (The name is a reference to the 'standard candle' methods also used in astronomy.)

The scientists are excited because in the future as LIGO's capabilities expand the method may provide a unique window into the 'teenage' years of the universe -- about 10 billion years ago -- that are hard to study with other methods.

Researchers can use the cosmic microwave background to look at the very earliest moments of the universe and they can look around at galaxies near our own galaxy to study the universe's more recent history. But the in-between period is harder to reach and it is an area of special scientific interest.

The other advantage of this method the authors says is that there are fewer uncertainties created by gaps in our scientific knowledge.

"By using the entire population of black holes, the method can calibrate itself directly identifying and correcting for errors," Holz says. The other methods used to calculate the Hubble constant rely on our current understanding of the physics of stars and galaxies, which involves a lot of complicated physics and astrophysics. This means the measurements might be thrown off quite a bit if there's something we don't yet know.

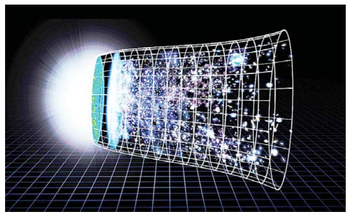

#FAUJI LIFE

This Life Was Priceless!

Every transfer move made a new beginning, we had no control whatsoever. Packing and unpacking were a part of the journey. Trunks were painted and stenciled to perfection. Luggage was opened in spells and stored in yards. We knew the odor of naphthalene balls. It reminded us of the exact location of a treasure trove. Canvas bedding rolls with tightened buckles were carried during journeys. There was an excitement in exploring dad's gizmos in his Academy trunk. It contained a blue patrol side cap, a dagger, used scarf's, anklets, camouflaged jacket, tactical backpack, camp kit, poncho, b/w photographs and stationery, golf tees, binoculars, mess tin, précis and notes, holster, cane, jungle boots, slings, OG jersey to OTA tie including old gifts and souvenirs that were never opened. We lured his old DMS and handmade ankle boots. Dad was hardly seen around, although his homecoming was celebrated and rejoiced. He loved bluffing us with his thumb removing and longer finger tricks.

Fort William. Kolkata.

Wg Cdr Siddharth Kharbanda

Back in the 80s, when dad was GE at Ichhapore, a census town in Barrakpore near Calcutta, we never expected to be housed with so many rooms of which many remained unexplored. The house, 47 The Park, was dubbed to be the official residence of Lord Dufferin. It had the furniture of Mahogony. The compound had several tamarind trees. Later, in Ranchi, families lived in the close-knit association of regimental brethren. Faith was relied on with trust and loyalty. The arm of Sappers was known for a unique family spirit, bounded by a community of relentless pursuit, with intimate social and cultural ties. The families relished and lived each moment with timeless tales to cherish even today. When societal rules took birth, we lived each day enjoying a bond that we fondly remember to date.

Each child knew to ride a bike, swim, dance, skate and strum an instrument, run, hike, trail and trek, the hard way! Of course, we could scale heights. Drama and declamation was our potent force. You name it and we could do it. Nothing was a waterloo. Exploration was deep-rooted. Hobbies were plenty and interests were countless. Small scaled discoveries and inventions were copyrighted. Discipline and decorum were a part of life. We were hardy and upright. We had roots cultivated deeply in the military culture, planted swiftly and surely. We were quintessential. This gave way to a larger belief and greater good of succeeding in all facets of life. It assured us of doing things right. We were resilient, rather antifragile. There was never an age bar to making friends. Older children played the role of mentors. Experiences were varied and exposure was phenomenal. It was a way of life, accepted as a blessing of indoctrination and grooming. It taught us to accept challenges, face hardship, be flexible and live a life less ordinary. Happiness was found in the smaller things and in the modest path we took.

Wheels

Let me begin this autobiographical narration with the wheels with which we were always fascinated. It was the establishment of the MT, perceived as 'empty' at close quarters. The Jonga and the Jeep that once rolled the high altitude were rugged and all-terrain utilities. The Japanese Nissan machines housed a 4x4 abode. The 4WD lever was thought to be a magic tool. The gun-carriage assembly produced a peculiar sound of road friction. Snow-clad traction with chained wheels was a normal phenomenon. Common vahan entailed muscular, Nissan one-ton goods carriage. It was a sight to imitate the front manual ignition. 'Shaktiman' emboldened three-ton. Awe-inspiring convoys included multi-beaconed Tatra trailers ferrying tanks. Matadors were still in use. Hindustan's Ambassador was the king of Indian roads. The DR (Despatch Rider) always made his bullet a royal two-wheeler. Gasoline always rewarded the brain and activated the pleasing mesolimbic pathway.

Born in MH Roorkee, there is always an attachment to the place of birth. It was home to Bengal Engineering Group (BEG) & Centre, founded in 1803, as King George V's Own Bengal Sappers and Miners with its motto 'God's Own'. Situated in the Shivaliks on the banks of the Upper Ganga Canal where Sappers trained on bridge laying and other specializations. In the Afghan war of 1839, the battle of Ghazni, Bengal Sappers and Miners laid explosive charges and stormed the Ghazni Fort. 6th November is celebrated as Group Day wherein son et lumière is displayed. BEG has the unique distinction of being affiliated both with the Navy and the Air Force.

Dad was in Trg Bn. He was an oarsman, a boxer and a golfer, lone commando from the Corps of Engineers and an alumnus of CME. Mom joined him during the degree course whilst they owned a Honda, which they bought and later sold for the same price.

Sahayak Bhaiya

The inescapable entity was a sahayak, a buddy, a friend, a mentor, a guide; we fondly called 'bhaiya'. He was Man Friday. Going to school on his 'Hero' bike was routine. We still fondly inquire about his well-being. Life was never a place so woebegone. We rather made every place a distinct part of our personality. In Abohar, we lived in mud houses (known as Basha) adjacent to the Sirhind canal. The environment gave a deeper meaning to life amongst the suburbs of the Fazilka border. Mess premises became common playing grounds. The flank of houses connected outer premises through a footbridge. Once, houses caved in during incessant rains and the canal water overflowed. We communicated using sound waves that travelled on wool made with matchboxes using NATO call signs with transcripts to perfect telephony. Interacting with the local populace at Gobindgarh village gave a better understanding of livelihood. These memories had an impressionable impact that is still crystal clear.

Every move transfer made a new beginning, we had no control whatsoever. Packing and unpacking were a part of the journey. Trunks were painted and stenciled to perfection. Luggage was opened in spells and stored in yards. We knew the odor of naphthalene balls. It reminded us of the exact location of a treasure trove. Canvas bedding rolls with tightened buckles were carried during journeys. There was an excitement in exploring dad's gizmos in his Academy trunk. It contained a blue patrol side cap, a dagger, used scarf's, anklets, camouflaged jacket, tactical backpack, camp kit, poncho, b/w photographs and stationery, golf tees, binoculars, mess tin, précis and notes, holster, cane, jungle boots, slings, OG jersey to OTA tie including old gifts and souvenirs that were never opened. We lured his old DMS and handmade ankle boots. Dad was hardly seen around, although his homecoming was celebrated and rejoiced. He loved bluffing us with his thumb removing and longer finger tricks.

We moved to Ranchi by train that was an epic journey in itself. The first-class bogies housed families and pets. Train Adjutant authorized train stoppages that allowed families to recoup the spirit of camaraderie. We had a dear affinity with the erstwhile Inland and the postcard.

The essentials

We adapted to bare essentials. Accommodation ranged from mud houses, temporary scaled quarters to colonial-era bungalows that had outlived their time. Polishing mementos were insisted. The inventory ranged from camel chairs, study tables, lampshades, cane and iron swings. Antique charpoys were used as trampoline till the netting gave way. Jute mat, horns, pot planter, flower vase, saddle, hammock, brassware, sword, handicraft, woodcraft, shell-based table lamp, ashtray, artistic drift-wood were prize possession that graced homely interiors. Cap stands were a scaled fitting. MES sofa with super springy cushion was a traditional luxury. Trunks were used to make settees padded with bolster pillows. Carpets were mandatory possessions. Peg tables had embroidered covers were bought from the Old Market in Calcutta. Glass flamingos pecked on a timer. Few owned aged skulls, brass metal, cuckoo clocks and other artistic wall hangings. Mothers used handheld fans made of bamboo strips and mulberry paper. Cutlery was widespread. Bars were old-fashioned with imported glassware to serve beer, wine and scotch. Handcrafted liqueur, homemade wine and showpiece miniature bottles were common.

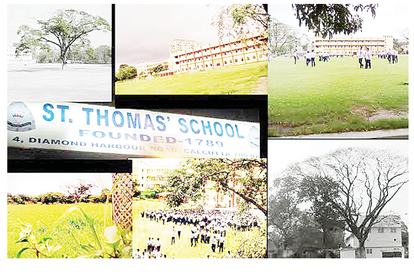

Dehradun

'Jai Ho'

Times spent at Deepatoli were regimented. Functions were combined and conducted by the team of 'Sahas Aur Yogyata'. The clan of 53 Engrs was known as 'Manjis', named after Maj Gen S Majumdar (Retd), its first CO. 'Sarv Dharm Sthal' was statutory. Mandir parades and visit to the Gurudwara was regular and pious. We studied at Bishop Westcott Boy's School at Namkum. Toys were wooden and limited and preserved. 'Rover', our Doberman, was trained to run along our white Lambretta. He could predict the seismic activity and one day, he barked before we felt the tremors. He was an unmatched companion. He was trained to fetched the newspaper and even thwarted two burglaries. We embraced nature with grandma remedies and wore hand knitted cardigans. We witnessed car rallies that trespassed the outskirts of the unit. Classic animations were centrally screened in Anteroom on the VCR. Outings were on potluck. Mothers were engrossed in event management, unit picnic and playing croquet. YOs played a pivotal role in laying the foundation of teamwork, humor and anecdotes being mischievous, playful and full of vigor. We fondly confer their glory and share good times. Holi was made special by their stint of pranks and tricks. The quarter guard gave shivers. On posting regiment officers bid goodbye while Jawans garlanded train bogie with marigold. The officer was garlanded and was hailed 'Jai ho'.

The moment we turned six we were sent off to pick up a hobby of interest. Ladies took the onus of tutoring and coaching us for dance, drama, music and extra-curricular subjects. It inculcated independence. We performed at multiple AWWA forums, competitions, fests and fairs.

Dehradun

The next lucky leg was a home tenure to Dehradun. We stayed with our grandparents. Our grandmother was the President of the Arya Samaj. Everyone got hold of her vocal recording with major shlokas for conducting a havan. They were obligatory and participatory within the joint family. We firmly believed and preached the values of karma. We visited the Jhandewala wherein the legacy of Guru Ram Rai was carried forth by Shri Mahant Indresh, who lead a life of celibacy and dedicated his life to the noble cause. We were fond of iconic drama plays like Dhoop Kinarey, Nijaat, Tanhaiyan. Adjusting the TV antenna was a forlorn conclusion. We visited Mussorie, Sahastradhara, Haridwar, Shiv Mandir, Malsi Deer Park, Lachhiwala, Ghari cantonment, IMA, and the FRI with umpteen trips. We enacted in-house drama plays. Tambola was inevitable. Sundays were spent watching epics as a part of morality and upbringing. Dad was more than accustomed to the nook and corner of the township.

Sugarcane stalks were chewed as a regular snack. Elloras in Rajpur Road was a known cornerstone. Our grandfather was a major shareholder in Anupam Shawls, in addition to working for LIC. Dehradun valley seemed truly picturesque at night. We were amateur astronomers and learned the constellations that gave us a prelude to the zodiac. Mussorie was synonymous as nestled in the Himalayan heaven. We purchased a Maruti 800, with a prominent front bumper. Many bought the Japanese version of 1984 with a rear windshield opening as a distinct feature.

I spent a brief stint at the Carman School where I once figured as the father of three daughters in the famous story of 'Beauty and the Beast'. We subsequently moved to St Thomas's College, located at the Cross Roads. The school was headed by Mr RV Gardner, who happens to be the Principal to date, with highly regarded faculty that 'Build Ye High and Build Ye True'. Life was colourful in black and white, as well as full of simplicity. Memories were relived through musical photo albums. Afternoon plays commenced with Doordarshan's all time classic signature montage.

Flying kites, cycling the narrow lanes of Khurbura Moholla, visits to Bijapur canal, venturing to the Bindal Rao, Joy ice cream factory, Kanwali Road, Paltan Bazar, Philatelic Bureau, English Book

> Houses were named after famous mountain peaks. We participated in Bahai and NCSC meets. Puns were intended and satires were ironical. School recess included sponsors for the canteen and peg bottles from the military dairy farm.

Depot at Rajpur, Asiad and Gemini Circus at the parade ground, witnessing effigies of Ravana set ablaze during Dasherra made the routine chores. Years of unimaginable monkey business and family gossip, an insatiable lust for mischief and the family life affirming addiction to joy. New Year's Eve was celebrated with Usha Uthup's medley and the everlasting endearing charm. In the earlier days, teenage boys from the Jalpaiguri district in the East came for work and to join the armed forces. We got two Gorkhas, the former of which got enrolled. We knew the train tracks, linkages, connectivity and timings on our fingertips.

Kanpur

Kanpur had our maternal roots close to Arya Nagar and Swaroop Nagar. Grandparents taught us rituals, to be independent and to muster the energy to strive for excellence. They left thy halls forever never to return; still within our hearts fond memories steadily will burn. Much of the linen, cotton ware and woollens in the house came from the famous Elgin and the Lal Imli mill. The association with domestic help was warm hearted. The house had a Kaner, an ornamental tree with a yellow trumpet-like flower and Harsingar, the Night Jasmine.

Cantonments as garrison were composite military-civilian townships. They were high on heritage with diverse legacy and inheritance. Sprawling pastures abridged with paved landscapes. The chirping of birds distinctly reverberated and reveille bugle sounded. Such bio-reserves naturally became a habitat for umpteen species of flora fauna. Descriptive hoardings were put up. Verdant campuses provided a colonial touch, invigorating quotes and sculptures of gallant men that inscribed grit and valor. War memorials were sublime cenotaphs. Flags in quarter guard were lowered with great reverence and respect. The last post and lights out were ingrained since time immemorial.

We remembered dad's IC number more than our roll number. It gave us a proud attachment and unsaid allowance to sign chits and firm adulthood through dependence. We showcased the dependant card with utmost dignity. Many travelled with this effortlessly in military bogie without reservation. It came as a saviour during the numerous challans at the check and entry points.

PC Sarkar's unexplained magic

Calcutta was the city of joy. It had its sweet idiosyncrasies. British-styled mansions existed in Hastings. A Doberman, parrots, and school of fish did not lead to pet hoarding. The harbour was nearby so we frequently visited the jetty. We went for rides in tugboats to the anchored ships in the Diamond Harbour. Vidyasagar Setu had commenced. Calcutta had trams, metro and hand-pulled rickshaws. We played Tennis at the Ordnance Club. The city was known for its convent schools.

We ventured to Dulabari in the Jhapa district and enroute saw the Border Marker and 'no-man's land'. We got our hands-on Atari video games, cut glass and woollen blankets. Sports and swimming was a daily affair. We got the maiden exposure of the equestrian sport. Tweezers took care of thorns and tiny blades during misadventures. Other therapies relied on homeopathy and throat paint for sores. Vintage car rallies were sought after. Statue was enacted when you needed something very precious. PC Sarkar's magic was unexplained but wasn't life less magical? We played the membranophone percussion, Tabla. We visited Mothers' House and Missionaries of Charity. Bus rides were most entertaining. Gumboots were worn to school. Incessant rains made marshy pastures. During one of our relocations, our luggage trailer truck got stuck in a similar bog. Eventually, the EME's 'Recovery' was pressed in. BD coy was witnessed live.

Calcutta was famous for its Fort William and its moat. Dad was in AWHO. Library services sustained at St Peter's Church that housed stained glass and rustic odor. We glanced through encyclopedias, Tintin, Archie's and Sainik Samachar. Book fairs at Maidan were indispensable. Teenagers gathered the strength to call the heavenly spirits in a strange and mysterious board game Ouija. Tina Charles and Jim Reeves were timeless. Medium Wave played the forces' request. TV drama 'Oshin', the famous fictional biography of Shin Tanokora was timeless. Mythological stories of 'Vikram aur Beetal', Jaspal Bhatti's 'Full Tension' and 'Mungerilal ke haseen sapne' featuring a small-time clerk were followed, so was 'Richie Rich' and 'Didi's Comedy Show', a German show starring Dieter Hallervorden and his antics. Jesse Mach's 'Street Hawk' and David Hasselhoff's 'Knight Rider' were evergreen shows. Thanks to Neal Marlens's 'The Wonder Years' that infused in us the spoken language.

Lucknow

The ration was a stapled diet and CSD was the economic source. We could eat anything under the sun. French toast, English salad, pudding, icing on the cakes to homemade cupcakes, jelly and cookies were the favourites amongst wet canteen's patty and cream rolls. Pickle was homemade and wine was fermented to age. British-era houses still existed in Lucknow. The periphery was flanked by Mango, Imli and Jamun trees. Landline was used to discuss homework and to plan the umpteen pranks. We could memorize telephone numbers then. We picked telephonic courtesies and salutations. We knew what an 'exchange' was but never knew where it existed.

Army Public School Lucknow.

Hercules MTB shock absorbing bikes were famous. We danced in rain and made burrows till the stratum corneum wrinkled; watched Hollywood classics at Surya auditorium and AMC Centre's open-air theatre, witnessed dog shows, saw Royal Enfield stunt team of the Corps of Signals, the 'Daredevils', witnessed hot air ballooning, visited Imambaras and bhool bhulaiya, ran mini-marathons and so forth. We tapped on tunes of Enigma and Modern Talking sung by Thomas Anders. We watched kitchen gardens at close quarters. We sowed the seeds and saplings, watered the plants and watched the vegetables grow in such a potager. Our mothers were adept with ornamental plants bonsai that never grew and cactus whose spines we loved to touch.

Army Public School Lucknow was an institution fondly known for its values and foundational measures. It was a temple of goodness and batchmates were epitome of greatness. Teachers were hailed as heroes. The famously infamous quotable quotes included, 'Principal has just passed away', 'He is understanding the tree' and 'I have two daughters, both are girls', to name a few. Houses were named after famous mountain peaks. We participated in Bahai and NCSC meets. Puns were intended and satires were ironical. School recess included sponsors for the canteen and peg bottles from the military dairy farm.

School buses were full of reserved seats. It was a race for the window seat, just to realize at the nick of an hour that you boarded the wrong bus! We ransacked soft drink crates during stoppages at traffic signals for forlorn mischief. SF quarters were famous hangouts for the eligible and heartbroken. Sometimes we fell just short of the qualifying mark in the field events, but never gave up. The pool was a place for discussing the day's affair. Underwater breadth-holding contested for a controversial game. There were songwriters, composers and dubbers. We could mix anything under the sun. Billboard was always heard and cocktails were not just drinks. We had the greatest collection of philately and numismatics. Lucknow was dad's last leg. He superannuated after three decades of glorious innings. He was felicitated farewell in a buggy, as was the ritual at Central Command.

Many would have goosebumps in living through the similar glory of yesteryears. Generic conversations included past postings and mutual friends. Life was rich with experiences. Scars, as reminisce of childhood injuries spoke volumes of umpteen pranks and escapades that became points of small talk. It was always eerie to reunite with old acquaintances. It still is. We lost close friends but moved on. Life taught us to pay tributes. It gave us exposure to diverse cultures and traditions, fests and festivals of terrain and suburbs, of colossal flora and fauna with a fond collection of memories and yore. Distinct facets and mores of customs allowed us to unite easily. It dwelled us into a joint family with a landscape of an accommodating temperament conformable both in nature and signature.

Try walking in our shoes; you'll stumble in our footsteps. Unless you've lived these times, you will not get it. It's not a choice but a chance that you are just born that way. "Sow good services and sweet remembrances will grow from them," rightly quoted by Madame da Stael. That's a title, a group of us of the same boat, commune and fraternity. The transition from a generation to the next as reminisced in prose autographed in a diary was a challenge to better our ways. We were unpretentious, yet good-looking. We were both saviours and survivors. We fondly experienced, silently shared, sympathetically empathized, relate to and were thankful for lifelong memories. This bond was of tacit understanding and implicit vibes. These were just a glimpse few of the reminiscence. This life was priceless!

writetoarbit@rashtradoot.com

THE WALL

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

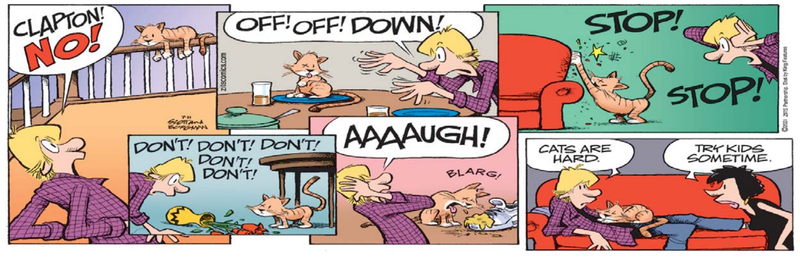

कम दबाव का क्षेत्र कमजोर पड़ने के बाद थमी बारिश

भीतरी शहर के जर्जर भवनों की दीवारें हादसे का सबब बन रही हैं

जोधपुर, (कासं)। बंगाल की खाडी में बना कम दबाव के क्षेत्र का असर अब धीमा पड गया है। जोधपुर में आज सुबह से ही बारिश का दौर थमा हुआ है। हालांकि कुछ फुहारें जरूर गिरी थी। बादलों की आवाजाही बनी हुई है। बारिश के असर से भीतरी शहर में जर्जर भवन और इमारतों को गिरना भी जारी है। प्रशासन की तरफ से कोताही बरती जा रही है। हादसे में किसी की भी जान जा सकती है।

शहर में दो दिन में रुक-रुक कर हो रही बरसात में भीतरी शहर के जर्जर भवनों की दीवारें हादसे का सबब बन रही हैं। मंगलवार की रात बारिश के बाद नवचौकिया में स्थित कोटवाली स्कूल के पास पुलिस कमिश्नरेट की दीवार गिर गई। दीवार के पास पार्क किए कई दुपहिया वाहन दबने से क्षतिग्रस्त हो गए। रात में हादसा होने से कोई जनहानि नहीं हुई। क्षेत्र वासियों की सूचना पर निगम कर्मचारी आए और मलबा हटाया।

■ **पुलिस कमिश्नरेट की दीवार गिर गई**

क्षेत्रवासियों में जर्जर भवन से दहशत हो गई दीवार के बडे पत्थर मार्ग पर गिरने से संकरी गली पूरी तरह अवरुद्ध हो गई। पुलिस कमिश्नरेट की करीब 15-20 फीट की दीवार ढहने के बाद जर्जर दीवार को हटाने व मरम्मत के लिए निगम ने पुलिस कमिश्नरेट में सूचित कर दिया है।भीतरी शहर के नगर निगम उत्तर वार्ड नम्बर 20 में नवचौकिया स्थित कोटवाली स्कूल के पास पुलिस मैस की दीवार ढहने से क्षेत्र में दहशत फैल गई। जर्जर भवन की कई बार निगम में शिकायत के बावजूद इस ढहाया नहीं गया। महापौर उत्तर कुंती देवडा के अनुसार मौके पर सीएसआई व वार्ड प्रभारी अपूर्व पुरोहित पहुंचे व मलबा हटवाया। महापौर ने बताया कि बारिश के कारण जर्जर मकान वालों को नोटिस दे दिए हैं। अब वार्निंग भी जारी कर दी गई है।

पूर्व सीएम वसुंधरा राजे ने कहा सरकार लापता

एक दिन बाद सीएम ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का जन प्रतिनिधियों के साथ हवाई सर्वे किया

कोटा, (निसं)। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया के द्वारा बुधवार को हाड़ौती क्षेत्र में बाढ़ ग्रस्त क्षेत्रों का सर्वेक्षण करने के बाद गहलोत सरकार को इस महत्वपूर्ण समय में लापता करार देते हुए निशाने पर लिया । इसके पश्चात दूसरे दिन गुरुवार को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जिले में अतिवर्षा से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का जन प्रतिनिधियों के साथ हवाई सर्वे किया तथा राजकीय माध्यमिक विद्यालय मोन्टेसरी नयापुरा में बनाए गए आश्रय स्थल पहुंचकर प्रभावितों से रूबरू हुए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रशासनिक सूझ-बूझ से जल भराव से प्रभावित क्षेत्रों में कोई जनहानि नहीं हुई। उन्होंने बाढ़ प्रभावित परिवारों से रूबरू होकर व्यवस्थाओं के बारे में फीडबैक लिया। उन्होंने प्रभावित परिवारों को सहायता उपलब्ध कराने का विश्वास दिलाया ।

सीएम गहलोत ने बाढ़ ग्रस्त इलाकों का जायजा लिया।

कोटा में हवाई सर्वेक्षण और बाढ़ प्रभावित लोगों से मुलाकात करने के पश्चात मुख्यमंत्री मीडिया से रूबरू हुए। इस दौरान उनके निशाने पर ईआरसीपी योजना को लेकर केंद्र सरकार रही। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि केंद्र सरकार जानबूझकर राजस्थान में इस योजना पर कार्य नहीं कर रही। इस योजना का कार्य राजस्थान में रुकवाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रशासन एनडीआरएफ व एसडीआरएफ द्वारा 4 हजार से अधिक लोगों को रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा गया है। उन्होंने बताया कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में आवासीय एवं कृषि में हुए नुकसान का सर्वे कराने के निर्देश दे दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री गहलोत ने कोटा एयरपोर्ट पर उतरकर जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में बचाव एवं राहत कार्य के बारे में जानकारी ली। उन्होंने चिकित्सा मंत्री व जिला प्रभारी परसादी लाल मीणा, स्वायत्त शासन मंत्री शांति धारीवाल, विधायक पीपल्दा रामनारायण मीणा, सांगोद भरत सिंह के साथ हेलीकॉप्टर से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वे कर अवलोकन किया।

जालोर के दलित छात्र की मौत के मामले में हो रही गहरी साजिश : सर्व समाज

सिणधरी, (निसं)। सर्व समाज ने कहा कि आपसी सौहार्द बिगाड़ने का प्रयास किया जा रहा है. जातीय संगठनों की भीड और अन्य दबाव में स्कूल की मान्यता को रद्द करना भी नियम विरोध है । ये बच्चों के भविष्य से भी जुडा मुद्दा है। ऐसे में मान्यता रद्द नहीं की जाए। राजस्थान के बाड़मेर जिले में सिणधरी उपखंड मुख्यालय सिणधरी सहित आसपास के बड़ी संख्या में सर्व समाज के लोग हनुमान अखाड़े में पहुँचे वहाँ समाज के मौजूद लोगों ने अपने अपने विचार रखे।

सिणधरी में सर्व समाज ने जालोर दलित छात्र की मौत के मामले की निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर प्रदर्शन किया।

सुराणा प्रकरण में निष्पक्ष और सीबीआई जांच की मांग को लेकर 36 कौम के संगठनों ने शान्ति पूर्ण तरीके से हनुमान अखाड़े से रवाना हो कर पैदल रैली निकाल कर उपखण्ड मुख्यालय पहुंच कर उपखण्ड अधिकारी विरमाराम चौधरी को ज्ञापन सौंपा। और साथ ही पुलिस कांस्टेबल थानसिंह का भी निलंबन वापस लेने की मांग की। हजारों की संख्या में सर्व समाज के लोग मौके पर मौजूद रहे । प्रदर्शन कर रहे कई संगठनों के लोगों ने कहा कि सुराणा के एक निजी विद्यालय के घटनाक्रम को लेकर पिछले दिनों जालोर जिले को जातिवाद और छुआछूत के नाम पर प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर पर बदनाम किया जा रहा है।

सुराणा के इस निजी विद्यालय में एक संचालक छैलसिंह और वहां स्कूल में 5 से 6 शिक्षक एससी वर्ग से है। छुआछूत या जातिवाद कैसे संभव है। इसी तरह मटकी से जुडा विवाद चल रहा है, लेकिन स्कूल में मटकी होने की बात की जांच में भी पुष्टि नहीं हुई है।

सर्व समाज ने कहा कि आपसी सौहार्द बिगाड़ने का प्रयास किया जा रहा है:- वही, मामले में बिना वजह मटकी को बेस बनाकर समाज के खिलाफ साजिश की जा रही है, जबकि असल में ऐसा कुछ नहीं हुआ है, क्योंकि सब लोग एक ही टंकी से पानी पीते हैं और सौहार्दपूर्ण माहौल रहते हैं।

इसके बाद निष्पक्ष और सीबीआई जांच की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा गया।इस मौके पर सिणधरी रावल विक्रमसिंह,भाजपा विधानसभा प्रभारी मंगलसिंह सिराणा,भाजपा मंडल अध्यक्ष निंबाराम प्रजापत,अमर सिंह राजपुरोहित मितेश यति, डूंगर सिंह चौहान,हिंदू सिंह,जालमसिंह ,पीरसिंह, बाबूसिंह,वंसाराम मेगवाल, सुखदेव सैन डूंगराराम देवासी,खेताराम नैण, भैराराम तरड सहित बड़ी संख्या हजारों की संख्या में सर्व समाज के लोग मौजूद रहे।

गहलोत आज करौली जिले के दौरे पर

करौली, (नि.स.)। कोटा बैराज के गेट खोल कर की जा रही पानी की निकासी के चलते करौली जिले के मंडरायल और करनपुर क्षेत्र में होकर गुजर रही चंबल नदी उफान पर हैं । चंबल नदी किनारे बसे गांव टापू बन चुके हैं। वही उन में रह रहे लोगों को रेस्क्यू कर बाहर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है।

क्षेत्र में बिगड़ती स्थिति को लेकर पंचायत राज मंत्री रमेश मीणा लगातार दो दिन से मंडरायल और करनपुर क्षेत्र के दौरे पर हैं वहीं जिला कलेक्टर अंकित कुमार सिंह मण्डरायल क्षेत्र का दौरा कर चुके हैं । सूत्रों के अनुसार आज शुक्रवार को प्रदेश के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत हैलीकॉप्टर से मण्डरायल पहुंचेंगे जिसकी तैयारियों को लेकर जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन अलर्ट हो गया है।

गुरुवार को जिला कलेक्टर अंकित कुमार सिंह और पुलिस अधीक्षक सहित प्रशासन के अधिकारी मण्डरायल पहुंचे। जहां उन्होंने हैलीपैड स्थल का जायजा लेते हुए तैयारियों को अंतिम रूप दिया। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत दोहपर एक बजे जयपुर से रवाना होकर सायं 4 बजे मण्डरायल की चंबल नदी के डूब क्षेत्र में आ रहे गांव की स्थिति से रूबरू होंगे, वही सायं 5 बजे मण्डरायल से जयपुर के लिये प्रस्थान रकेंगे।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्र की स्थिति पर नजर रखने के निर्देश

करौली कलेक्ट्रेट में मंत्री रमेश मीणा ने बाढ़ की स्थिति को लेकर बैठक ली।

करौली, (नि.स.)। ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज मंत्री रमेश चंद मीना ने गुरूवार को कलेक्ट्रेट सभागार में अयोजित बैठक में कहा कि कोटा बैराज से पानी छाड़े जाने व चम्बल नदी का जलस्तर लगातार बढ़ने से मंडरायल और करणपुर क्षेत्र के गांवों में बाढ़ के हालात बने हुए हैं।

ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज मंत्री ने बैठक में अधिकारियों को मौके पर पहुंच कर वास्तविक स्थिति पर नजर रखने के निर्देश दिए हैं साथ ही प्रभावित क्षेत्र में रेस्क्यू कर लोगो को सुरक्षित स्थानों पर पहुचायें और लोगों के राशन सहित अन्य आवश्यकताओं पर हर प्रकार से मदद करने के लिए आदेश दिए हैं। उन्होंने बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में किसी भी प्रकार की जनहानि व पशुहानि नही हो और लोगों के पास हर प्रकार की मदद पहुंचे इसके लिये सक्रिय रहकर कार्य करें। उन्होंने कहा कि अगर राज्य सरकार से हेलीकॉप्टर, एसडीआरएफ और सिविल डिफेंस टीम सहित किसी भी प्रकार की मदद की जरूरत है तो सरकार से मांग करें।

उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि जैसे जैसे पानी का स्तर घटेगा लोगो की सरकार से अपेक्षाऐं बढ जायेंगी इसलिये खाने पीने के साथ दवाईयों की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाये। बैठक में जिला कलेक्टर अंकित कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक नारायण टोगस, अतिरिक्त जिला कलेक्टर परसराम मीना सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

नाबालिग से रेप मामले में दोषी को सात साल की सजा

■ **आरोपी पर 50 हजार 500 रुपये का जुर्माना भी लगाया**

हनुमानगढ़, (कासं)। नाबालिग से रेप के दोषी को पोक्सो कोर्ट के विशिष्ट जज मदन गोपाल आर्य ने 7 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई। इसके साथ ही 50 हजार 500 रुपए का जुर्माना भी लगाया है। जुर्माना नहीं भरने पर अतिरिक्त कारावास भुगतने के आदेश दिए।

वह नाबालिग लड़की को जबरन खींचकर ले गया था और जान से मारने की धमकी देकर रेप किया था। विशिष्ट लोक अभियोजक विनोद डूडी ने बताया कि 15 नवम्बर 2018 को पीड़िता के पिता ने प्रार्थना-पत्र पेशकर गोलूवाला पुलिस थाने में मामला दर्ज करवाया था।

पीड़िता ने अपने बयानों में बताया कि 14 नवम्बर 2018 की रात को उनके पड़ौस में शादी समारोह था। जहां वह अपनी ताई के साथ गीत गाने गई थी। रात करीब 10 बजे वह अपनी ताई के साथ वापस घर आ रही थी। उसकी ताई अपने घर चली गई। इसके बाद रास्ते में उसे अकेली देखकर वहां पहले से छुपकर बैठा विष्णुराम पुत्र हंसराज निवासी चक 3 एचपीडी गोलूवाला उसके मुंह पर हाथ लगाकर अपने घर में बने टॉयलेट में ले गया। चिल्लाने पर जान से मारने की धमकी देकर रेप किया। जांच के दौरान पुलिस ने आरोपी विष्णुराम को गिरफ्तार कर कोर्ट में चालान पेश किया। सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने 15 गवाह और 24 दस्तावेज पेश किए। सुनवाई के बाद कोर्ट ने आरोपी विष्णुराम को दोषी करार देते हुए सजा सुनाई।

उसे आईपीसी की धारा 506 में 2 साल साधारण कारावास, पांच सौ रुपए जुर्माना, अदम अदायगी एक माह का अतिरिक्त कारावास, आईपीसी की धारा 376 व 3/4 पोक्सो एक्ट में 7 साल कठोर कारावास, 50 हजार रुपए जुर्माना, अदम अदायगी छह माह के अतिरिक्त कारावास की सजा सुनाई। कुल जुर्माना 50 हजार 5 सौ रुपए लगाया है। सभी सजाएं साथ-साथ चलेंगी। पीड़ित पक्ष की तरफ से अधिवक्ता दीपक सोनी ने पैरवी की।

दो बाइक भिड़ीं, एक की मौत

श्रीगंगानगर, (कासं)। जिले के गांव कोनी से दौलतपुरा रोड पर मोटरसाइकिलों की आमने-सामने की भिड़ंत में एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि दो लोग घायल हो गए। घायलों को श्रीगंगानगर के सरकारी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। वहीं मृतक के शव का पोस्टमार्टम करवाने के बाद परिजनों को सौंप दिया गया। मौके पर पहुंची मटीलीराठान थाना पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने घायलों के बयान लेने के बाद कार्रवाई शुरू की है।

गांव कोनी का काला सिंह (50) पुत्र गुरा सिंह बुधवार को पत्नी बलजिंद्र कौर के साथ गांव पांच एन इलाके में किसी के यहां शोक जताने के लिए बाइक पर घर से निकला था। वह कोनी इलाके में एक ढ ाणी में खेत में काम करता है। गांव कोनी से दौलतपुरा रोड पर उसकी सामने से आ रही मोटरसाइकिल से टक्कर हो गई। दोनों मोटरसाइकिलों की तेज स्पीड में होने के कारण कालासिंह की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि उसकी पत्नी बलजिंद्र कौर गंभीर रूप से घायल हो गई। जिस मोटरसाइकिल से उनकी टक्कर हुई उसे श्रीबिजयनगर का दिनेश पुत्र गोपाल चला रहा था।

भींडर पंचायत का जवतरा गांव आज भी नहीं जुड़ पाया पंचायत से

अभी भी कच्चे रास्ते से जाना पड़ता हैं पंचायत मुख्यालय

भीण्डर, (निसं)। भीण्डर उपखण्ड क्षेत्र के सांरगपुरा भीण्डर ग्राम पंचायत का जवतरा गांव आज भी पंचायत मुख्यालय और मुख्य मार्ग से नहीं जुड़ पाया है। गांव के दोनों तरफ के रास्तों पर कीचड फैला हुआ है और ग्रामीण इस रोड को बनाने की वर्षों से मांग करते आ रहे हैं लेकिन कोई भी जनप्रतिनिधि इस समस्या पर ध्यान नहीं दे रहा है। ग्रामीणों की मांग हैं कि छोटे-छोटे गांव पक्की सड़क से जुड चुके हैं लेकिन आजादी के 75 वर्ष गुजर जाने के बाद भी हमारा गांव अभी तक सड़क से नहीं जुड पाया है।

जवतरा गांव का पंचायत मुख्यालय सारंगपुरा भीण्डर लगभग डेढ किमी दूर स्थित है। दूसरी और भीण्डर-उदयपुर मुख्य मार्ग पर जाने के लिए भी एक-डेढ किमी का कच्चा रास्ता है। गांव के छात्र-छात्राओं को 9 से 12 वीं तक की पढ़ाई के लिए भी कीचड में से होकर जाना पड़ता है। कभी कोई बीमार हो जाता हैं तो बडी मुश्किल से भीण्डर हॉस्पिटल तक ले जाया जा सकता है।

भेरूलाल मीणा, वार्डपंच जवतरा का कहना है कि हमारे गांव को सड़क से जोडने के लिए कई वर्षों से संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन आज दिन तक किसी भी सरकार ने हमारी नहीं सुनी।

तिलक कुंवर, सरपंच ग्राम पंचायत सांरगपुरा भीण्डर का कहना है कि पंचायत के माध्यम से सांसद व विधायक को कई बार अवगत करवाने के बाद भी इस गांव के लिए कोई सड़क स्वीकृत नहीं हो सकी है।

प्रीति शक्तावत, विधायक वल्लभ नगर का कहना है कि इस सड़क के लिए विभाग को अवगत करवा दिया है। जल्द स्वीकृत करवाने के लिए मैं प्रयास करूंगी।

सी.पी.जोशी, सांसद चित्तौडगढ़ का कहना है कि ग्रामीण सड़क राज्य सरकार के माध्यम से स्वीकृत हो सकती है। इसके लिए मैं भी सरकार को पत्र लिखकर सड़क स्वीकृत करवाने के लिए पूरे प्रयास करूंगा।

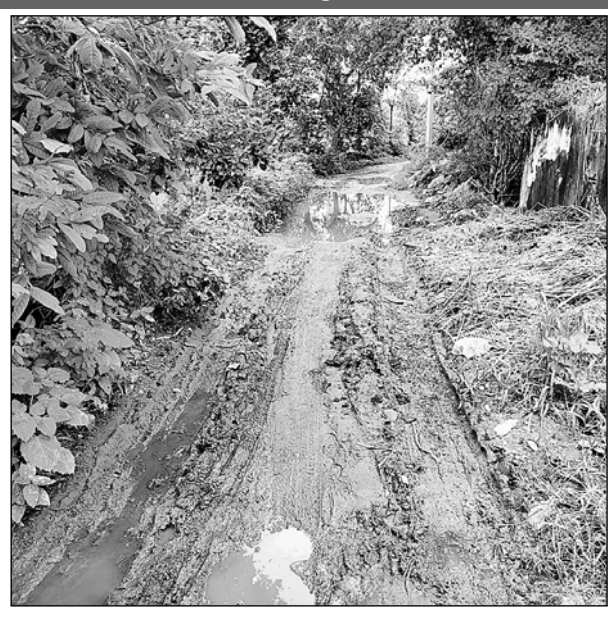

जवतरा गांव से पंचायत मुख्यालय जाने वाले मार्ग में फैला कीचड़।

तबादले के बाद भी नहीं किया रिलीव

सूरतगढ़, (निसं.)। पंचायत समिति के चार कार्मिकों (दो ग्राम विकास अधिकारी और दो कनिष्ठ सहायक) का स्थानातंरण किया गया, लेकिन हैरानी वाली बात है कि दो सप्ताह बाद भी जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के आदेशों की पालना नहीं हो सकी है। जानकारी अनुसार आठ अगस्त को जिला प्रशासन एवं स्थापना समिति की बैठक के बाद सीईओ मुहम्मद जुनैद ने जिलेभर के 17 ग्राम विकास अधिकारियों और 14 कनिष्ठ सहायकों के स्थानातंरण आदेश जारी किए। सूची के अनुसार सूरतगढ़ पंचायत समिति अन्तर्गत ग्राम पंचायत सिंगरासर को वीडीओ करणी सिंह को पंचायत समिति घड़साना और वीडीओ पवन कुमार शर्मा को पंचायत समिति रायसिंहनगर लगाया गया। इसके अलावा कनिष्ठ सहायक नीरज कुमार को जिला परिषद मुख्यालय श्रीगंगानगर और कनिष्ठ सहायक धोलूराम गोदारा को पंचायत समिति श्रीकरणपुर में तत्काल पदस्थापन के आदेश दिए किए गए, लेकिन हैरानी वाली बात है कि दो सप्ताह बीतने के बाद भी इन कार्मिकों को रिलीव नहीं किया। सीईओ के आदेश हवा होने के कारण मामला चर्चा का विषय बना हुआ है।

चार बालिकाओं के सिर से उठा मां-बाप का साया

■ **मात्र तीन माह के अंतराल में ही नाबालिग पुत्रियों के मां-बाप की मौत हो गई**

हिण्डौन सिटी, (का.सं.)। करौली जिले के हिण्डौन उपखण्ड के पंडा का पुरा, क्यारदा निवासी बछराज की बीमारी के कारण गत 14 अगस्त को मौत हो गई और 3 माह पहले उनकी पत्नी गीता देवी की हृदय गति रुकने के कारण मौत होने के कारण बालिकाएं अनाथ हो गईं। अब इनका लालन पालन भगवान भरोसे है ।

पंडा का पुरा क्यारदा में बच्चे अनाथ हो गए।

समाज सेवी मदन मोहन ने बताया कि मृतक बछराज के 5 पुत्रियां थी । जिनमें से 1 की मौत हो गई। चार पुत्रियों में सबसे बड़ी 7 वर्षीय संजना, 5 वर्षीय मोनिका, 4 वर्षीय राधिका एवं सबसे छोटी 2 वर्षीय गुड्डी है। समय का फेर ऐसा हुआ कि मात्र 3 माह के अंतर काल में माता- पिता की मृत्यु होने से चारों नाबालिक पुत्रियों के सिर से मां बाप का साया उठ गया और ये बालिकाएं बेसहारा हो गई। छोटी- छोटी बालिकाओं का रो-रोकर बुरा हाल है । सोचते है तो रूह काँप जाती है। इतनी कम उम्र में इन बालिकाओं का कौन लालन पालन करेगा । कौन इन्हें माँ बाप का प्यार दुलार देगा। कौन इनकी दैनिक जरूरतों को पूरा करेगा। उन्होंने सरकार, भामाशाहों, दानदाताओं, समाजसेवी, नौकरी पेशा लोगों, उद्योगपतियों, स्वयं सेवी संस्थाओं आदि से इन अनाथ बालिकाओं के लालन पालन, देखरेख, शिक्षा, दैनिक जरूरतों को पूरा करने आदि के लिए आर्थिक सहयोग की अपील की है। समाजसेवी मदन मोहन ने जिन लोगों ने सहयोग किया सभी का आभार व्यक्त किया।

कचहरी के बाहर खड़ी कार में अचानक लगी आग

बयाना, (निसं.)। बयाना में आज दोपहर बाद कचहरी के बाहर खड़ी कार में अचानक आग लग जाने से लोगों में भगदड़ मच गई । आग पर राहगीरों व कचहरी आए लोगों के सामूहिक सहयोग से काबू पाया जा सका । सूचना पर फायर ब्रिगेड भी पहुंची।

फायर ब्रिगेड ने भी कार में लगी आग पर पानी छोड़ कर शेष आग को बुझाया। यह कार निकट के गांव अजनोली निवासी निसार खान पुत्र नन्नू खान की बताई, जो इस दिन अपने किसी काम से कचहरी आया हुआ था और कचहरी के बाहर यह कार खड़ी थी। जिसमें अचानक ही आग लग गई थी । आग के कारणों का अभी तक कोई पता नहीं लग सका है । वही इस अग्नि कांड को लेकर कार मालिक असमंजस में पड़ गया है । समझ में भी नहीं आ रहा है कि आखिर खड़ी हुई कार में अचानक आग कैसे लग गई। इधर बताया है कि अगर राहगीरों व कचहरी के आसपास के लोगों ने तत्परता नहीं दिखाई होती तो वहां बड़ा हादसा भी हो सकता था।

इंडोनेशिया के जकार्ता में वर्ल्ड स्टेम्प चैम्पियनशिप में वीरेन्द्र ने जीता गोल्ड मैडल

'ब्रिटिश इंडिया क्वीन विक्टोरिया पोस्टल स्टेशनरी'' शीर्षक के कलेक्शन को आठ फ्रेम में लगाया था

उदयपुर, (कासं)। वर्ल्ड स्टेम्प चैंपियनशिप में उदयपुर निवासी वीरेन्द्र शर्मा ने गोल्ड मैडल जीतकर राजस्थान को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर गौरवांवित किया है। फ़ेडेरेशन ऑफ़ इंटरनेशनल फिलाटेली के सरंक्षण में इंडोनेशिया के जकार्ता में 4 से 9 अगस्त तक आयोजित की गई इन्टरनेशनल एक्सपो में राजस्थान के वीरेन्द्र शर्मा ने गोल्ड मेडल जीत विश्व में राजस्थान के नाम का झण्डा फहराया। उनका यह गोल्ड मेडल भारतीय कमिश्नर (पूर्व प्रशासनिक अधिकारी) सहदेव साहू ने प्राप्त किया।

जोधपुर मूल के उदयपुर के अद्वैया सोलूशन्स में डायरेक्टर पद पर कार्यरत वीरेन्द्र शर्मा ने 'ब्रिटिश इंडिया क्वीन विक्टोरिया पोस्टल स्टेशनरी'' शीर्षक के कलेक्शन को आठ फ्रेम में लगाया था, इस प्रदर्शनी में भारत के 35 लोगों ने भाग लिया था जिसमें से वीरेन्द्र शर्मा ने गोल्ड जीता। इस प्रदर्शनी में सीनियर ग्रुप में 12 मुख्य वर्ग थे।

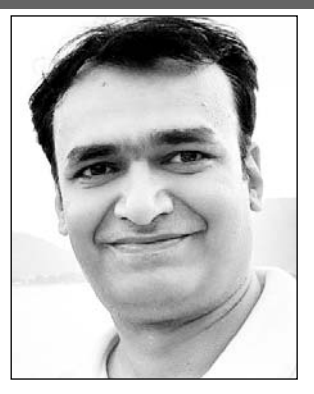

वीरेन्द्र शर्मा।

■ **प्रदर्शनी में भारत के 35 लोगों ने भाग लिया था**

अन्तर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी वीरेन्द्र ने ब्रिटिश इंडिया द्वारा जारी प्रथम पोस्टकार्ड, लिफाफा, रजिस्टर्ड पत्र के अनेक प्रकार एक गहन अध्ययन के साथ दिखाया। उस समय भारत में प्रचलित डाक सामग्री थॉमस दी ला रुए, लंदन द्वारा प्रिंट होती थी। यहीं भारतीय डाक सामग्री तथा स्टाम्प - बर्मा, पर्शियन गल्फ, अदन, ब्रिटिश सोमालीलैंड एवं ज़ैंज़िबार में भी भेजी जाती थी। भारत में प्रथम डाक लिफाफा ब्रिटिश सरकार ने सन 1856 में जारी किया था। शर्मा के संग्रह में इस वर्ल्ड एक्सीबिशन में आर्काइवल, डाई प्रूफ, एस्से सामग्री लगायी गई जो ब्रिटिश ऑफिसर्स के अप्रूवल के लिए होती थी।

इससे पूर्व वीरेन्द्र शर्मा ने चीन और थाईलैंड में भी वर्ल्ड एक्सिबिशन में भाग लिया था और देश के लिए कई मैडल प्राप्त किये। यह उनका अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। उन्होंने 2010 में भारतीय डाक विभाग द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय फिलाटेलिक एक्सीबिशन में सर्वोच्च गवर्नर ट्रॉफी भी प्राप्त की। मूलत: जोधपुर हाल उदयपुर निवासी वीरेन्द्र फिलाटेलिक एक्सीबिशन के नेशनल अक्क्रेडिटेड जूरी में भी शामिल है।

'अवैध खनन पर रोकथाम लगाए'

अलवर, (निसं)। जिला कलेक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभागार में जिले में अवैध खनन की रोकथाम हेतु गठित जिला स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक आयोजित हुई।

जिला कलेक्टर ने खनि विभाग, वन, पुलिस, परिवहन एवं राजस्व विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि जिले में अवैध खनन, उसके निर्गमन एवं परिवहन पर प्रभावी रोकथाम लगाने हेतु समन्वय स्थापित कर निरन्तर निरोधात्मक कार्रवाई करें। उन्होंने जिला परिवहन अधिकारी अलवर एवं भिवाडी को निर्देशित किया कि अवैध खनन परिवहन पर लगाम लगाने के लिए निरन्तर परिवहन विभाग की टीम फील्ड में रहे। खनन सामग्री परिवहन करने वाले वाहनों के ई-रवन्ना की जांच करें। अवैध खनन पाए जाने पर तुरन्त कार्रवाई करे। उन्होंने खनि अभियन्ता को निर्देश दिये कि अवैध खनन सामग्री के भण्डारण करने वालों के विरूद्ध कार्रवाई करे। उन्होंने निर्देश दिये कि संबंधित अधिकारी क्रेशरों एवं लीज खानों की भी जांच करे। उन्होंने निर्देश दिये कि अवैध खनन के विरूद्ध की जाने वाली कार्रवाई में ड्रोन आदि आधुनिक तकनीकी का उपयोग किया जाए।

बैठक में डीएफओ अलवर ए.के श्रीवास्तव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण श्रीमन लाल मीणा, खनि अभियन्ता राजेन्द्र सिंह, डीटीओ अलवर ललित गुप्ता, डीटीओ भिवाडी श्री आदर्श राघव सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

चाक-चौबंद व्यवस्थाओं के बीच छात्रसंघ चुनाव को लेकर मतदान आज

कोटपूतली, (निसं)। छात्रसंघ चुनाव के लिए कस्बे के दोनों राजकीय महाविद्यालयों में शुक्रवार को मतदान होगा। मतदान प्रक्रिया प्रातः 8 से दोपहर 1 बजे तक चलेगी। आपको बता दें कि राजकीय एलबीएस पीजी महाविद्यालय व राजकीय पाना देवी कन्या महाविद्यालय में छात्रसंघ के विभिन्न

- **एलबीएस महाविद्यालय में 5985, पानादेवी में 1658 मतदाता चुनेंगे कॉलेज की सरकार**

पदों पर शुक्रवार को छात्र मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। मतदान के लिए पुलिस प्रशासन की व्यवस्थायें चाक-चौबंद की जा रही है।

इसके लिए मुख्य मार्ग पर बेरीकैडिंग करवाई गई है। मतदान प्रक्रिया के दौरान किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति से निपटने व कानून व्यवस्था बनाये रखने के लिए आरएसी की एक कम्पनी सहित कोटपूतली, पनियाला, सरूण्ड व प्रागपुरा थानो का जाप्ता तैनात रहेगा। वहीं एडीएम जगदीश आर्य, एसडीएम ऋषभ मंडल, तहसीलदार सूर्यकांत शर्मा सहित एएसपी विधा प्रकाश, डीएसपी डॉ. संध्या यादव, एसएचओ सवाई सिंह सहित पुलिस प्रशासन के अधिकारी भी तैनात रहेगें।

कोटपूतली के एलबीएस कॉलेज परिसर में पुलिस के जवान तैनात।

राजकीय एलबीएस पीजी महाविद्यालय के मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. आर.पी. गुर्जर के अनुसार मतदान हेतु जीण माता मंदिर की ओर से प्रवेश होगा, जबकि डाक बंगला वाले गेट से मतदाताओं की निकासी की जायेगी। महाविधालय में 3662 छात्र व 2323 छात्राओं समेत कुल 5985 मतदाता है। जिनके लिए 15 बूथ बनाये गये है। परिचय पत्र के अभाव में वोट नहीं डालने दिया जायेगा। वहीं पोलिंग एजेंट मतदान प्रक्रिया से पूर्व महाविधालय में उपस्थित होकर फॉर्म भरकर बनाये जायेगें। मतगणना शनिवार 27 अगस्त को प्रातः 10 बजे से होगी। जिसमें प्रत्याशी स्वयं उपस्थित रह सकते है। मतगणना के तुरन्त बाद परिणाम घोषित कर विजयी प्रत्याशियों को शपथ दिलवाई जायेगी। किसी भी प्रकार के विजयी जुलुस निकालने पर पुर्णतया: पाबंदी रहेगी। वहीं दुसरी ओर राजकीय पाना देवी कन्या महाविधालय की मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. भावना चौधरी ने बताया कि महाविधालय में कुल 1658 छात्रायें मतदान का प्रयोग करेगी। इसके लिए गुरूवार तक 940 परिचय पत्र बनाये जा चुके है। जिन छात्राओं का परिचय पत्र नहीं बना है वे मतदान के लिए अपनी फिस की रसीद लाकर परिचय पत्र बनवाकर वोट डाल सकती है।

चुनाव को लेकर छात्रों में उत्साह

फागी, (निसं)। उपखंड मुख्यालय पर संचालित राजकीय महाविद्यालय में 26 अगस्त को होने जा रहे चुनाव के लिए प्रत्याशियों का चुनाव माहौल परवान चढ़ चुका है।

एनएसयूआई अध्यक्ष पद के प्रत्याशी धर्मराज चौधरी ने पैनल की उम्मीदवारों के साथ डोर टू डोर जाकर विद्यार्थियों से अपने लिए समर्थन मांगते हुए अपने पैनल के पक्ष में वोट देकर विजयश्री दिलाने की अपील कर रहे हैं। इसी क्रम में गुरुवार को एबीवीपी प्रत्याशी खुशबू कंवर ने भी अपने पैनल के सभी उम्मीदवारों के समर्थन में समर्थकों के साथ गाडी में सवार कर कस्बे के मुख्य मार्गों से होते हुए एक रैली निकाली इस दौरान युवाओं का जोश देखने लायक था। वही एबीवीपी अध्यक्ष पद के लिए खुशबू कंवर उपाध्यक्ष महेश मीणा, महासचिव विकास गुर्जर व सयुक्त सचिव प्रवीण शर्मा ने चुनाव प्रचार में अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। इसी प्रकार एनएसयूआई के अध्यक्ष पद के प्रत्याशी धर्मराज चौधरी, उपाध्यक्ष महेश गुर्जर, महासचिव गिरजा शर्मा एवं संयुक्त सचिव अंकुश बेनीवाल ने घर घर जाकर वोट के लिए विद्यार्थियों से अपील व आग्रह करते हुए दिखाई दे रही थे। एनएसयूआई की निर्दलीय मनु चौधरी ने भी अध्यक्ष पद के लिए चुनाव मैदान में अपनी ताल ठोक रखी है। तथा पैनल मैं उपाध्यक्ष पंकज यादव, महासचिव सुरेंद्र बेरवा के साथ अपनी जीत दर्ज ने का दावा ठोकती दिखाई दे रही है।

छात्र संघ चुनाव की तैयारियां पूर्ण

राजगढ़, (निसं)। राजगढ़ के राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय छात्रसंघ के चुनाव में 26 अगस्त को मतदान होगा। मतदान की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं।

निर्वाचन अधिकारी पीएम मीना ने बताया कि छात्र संघ चुनाव में होने वाले मतदान के लिए अध्यक्ष पद के 3 प्रत्याशियों सहित कुल 11 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। छात्र संघ चुनाव में होने वाले मतदान में कुल 4583 मतदाता मतदान करेंगे। इनमें 1833 छात्र मतदाता एवं 2750 छात्रा मतदाता मत का प्रयोग करेंगे। प्राचार्य डॉ राव सजन सिंह ने बताया कि महाविद्यालय छात्रसंघ चुनाव के शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न होने के पुख्ता प्रबंध किए गए हैं। इसके लिए त्रिस्तरीय जांच प्रक्रिया से मतदाताओं को गुजरना पड़ेगा। फर्जी मतदान रोकने के लिए विशेष टीमों का गठन किया गया है। पुलिस उपनिरीक्षक दयाचंद मीणा ने बताया कि पुलिस की ओर से पर्याप्त जाब्ता तैनात किया जाएगा। चुनाव में व्यवधान डालने वाले असामाजिक तत्वों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि पंचायत समिति से महाविद्यालय के समीप टहला मार्केट तक बैरिकेड लगाए जाएंगे।

पोक्सो एक्ट के तीन अभियुक्तों को कारावास

दौसा, (निसं) विशेष न्यायालय की पीठासीन अधिकारी एवं न्यायाधीश अनु अग्रवाल पोक्सो एक्ट के तहत तीन अभियुक्तों को दोषी मानते हुये 20 वर्ष की कठोर कारावास एवं 4 लाख रुपये के अर्थदण्ड की सजा सुनाई है।

विशिष्ठ लोक अभियोजक सुनील कुमार सैनी ने बताया कि 12 अक्टूबर को पीड़िता ने महवा थाना में रामप्रसाद पुत्र रामखिलाडी निवासी खोंचपुरी, नरेश पुत्र हरिराम निवासी खोहरी, पिंटू पुत्र मनीराम निवासी खोहरी थाना महवा के खिलाफ अपहरण करने, छेडछाड करने, बलात्कार करने तथा जान से मारने की धमकी देने सहित अन्य मामला दर्ज कराया था। पुलिस द्वारा अनुसंधान में तीनों अभियुक्तों के खिलाफ पोक्सो एक्ट के तहत मामला पोक्सो कोर्ट में पेश किया गया। अभियोजन पक्ष की तरह से 24 गवाह व 37 दस्तावेज पेश किये गये, जिसके आधार पर विशेष न्यायाधीश अनु अग्रवाल ने तीनों अभियुक्तों को दोषी मानते हुये 20 वर्ष की कठोर कारावास एवं 4 लाख रुपये अर्थदण्ड की सजा सुनाई है।

अधिसूचना (इश्तिहार) न्यायालय (राज.)

व्यवहार मिश्रित (मुत्तफरिक) वाद सं. 2142/2021

विषय- उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन प्राप्त करने हेतु प्रार्थना-पत्र।

प्रार्थी नाम प्रेम कुमार अग्रवाल पुत्र स्व. श्री मांगीलाल जाति बनिया निवास स्थान 52 सुरज नगर, पश्चिम केशव पथ, सिविल लाईन्स जयपुर-302006

मृतक श्रीमति सावित्री देवी अग्रवाल की सम्पत्ति के विषय में।

पेशी दिनांक- 7.9.22

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त प्रार्थी/प्रार्थीगण ने इस न्यायालय में इस आशय का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है कि मृतक, नाम श्रीमति सावित्री देवी अग्रवाल पत्नी स्व. श्री मांगीलाल जाति बनिया निवास स्थान 52 सुरज नगर, पश्चिम केशव पथ, सिविल लाईन्स जयपुर-302006 का उत्तराधिकारी स्वीकार कर उसके पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाण पत्र, प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन, प्रदान किया जावें।

अतः उक्त प्रार्थना-पत्र की स्वीकृति में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस न्यायालय में दिनांक 07 माह 09 सन् 2022 को न्यायालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रमाण सहित प्रस्तुत करें। उक्त दिवस के पश्चात् कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

आज दिनांक 6 माह 8 सन् 2022 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुद्रांकन से जारी किया गया।

प्रार्थी ने मृतका सावित्री देवी के प्रा.पत्र में वर्णित एफडी व पीपीएफ राशि बाबत उत्तराधिकार प्रमाण पत्र चाहा हैं।

मोहर अदालत

आज्ञा न्यायालय से-वरिष्ठ मुंसरिम
जिला एवं सैशन न्यायालय
जयपुर महानगर-प्रथम

उत्तर पश्चिम रेलवे

शुद्धि पत्र

ई-टेण्डर नं : एस एण्ड टी-प्रोजक्ट-जेपी-2022-23-01, **कार्य का नाम :** उत्तर पश्चिम रेलवे के बीकानेर मण्डल में सादुलपुर से हिसार सेक्शन में 03 स्टेशनों पर स्टेंडर्ड-।। आर का प्रावधान।, 1. **"ई-टेण्डर बंद होने की तारीख 29.08.2022 से बढ़ाकर 14.09.2022 की जाती है।"**

उप मु.सिंग.एवं दूर सं.इंजी. / परियोजना
668-SN/22 उ.प.रे. जयपुर

DEBTS RECOVERY TRIBUNAL JAIPUR
First Floor, Sudharma-II, Lal Kothis Shopping Center, Tonk Road, Jaipur- 302015

Case No.:OA/601/2022 Exh. No:5952

Summons under sub-section (4) of section 19 of the Act, read with sub-rule (2A) of rule 5 of the Debt Recovery Tribunal (Procedure) Rules,1993.

PUNJAB AND SIND BANK

To, V/S M/S LAL CHAND AND BROTHER

(1) M/S Lal Chand Chand And Brother D/W/S/O A-13, Surajpole Mandi Galta Gate Jaipur Rajasthan - 302003 (2) Shri Harish Kumar Madan S/O Shri Lal Chand Madan C-41-B, Ramgali No 06, Raja Park Jaipur Raj-302004 (3) Smt Saroj Madan W/O Shri Harish Kumar Madan C-41-B, Ramgali No 06, Raja Park Jaipur Raj-302004 (4) Smt Priya Madan W/O Shri Romil Madan C-41-B, Ramgali No 06, Raja Park Jaipur Raj-302004 (5) M/S Shri L.C. And Company BB - 01, Mukhya Mandi Prangan, Khairtal, Through Its Partner Harish Mada Alwar Raj. - 301404

SUMMONS

WHEREAS, OA/601/2022 was listed before Hon'ble Presiding Officer on 17/06/2022.WHEREAS this Hon'ble Tribunal is pleased to issue summons/notice on the said Application under section 19(4) of the Act, (OA) filed againts you for recovery of debts of Rs. 12053231/- (application along with copies of documents etc. annexed) In accordance with sub-section (4) of section19 of the Act, You the defendants are directed as under:- (i) to show cause within thirty days of the service of summons as to why relief prayed for should not be granted: (ii) to disclose particulars of properties or assets other than properties and assets specified by the applicant under serial number 3A of the original application: (iii) you are restrained from dealing with or disposing of secured assets or such other assets and properties disclosed under serial number 3A of the original application, pending hearing and disposal of the application for attachment of properties: (iv) you shall not transfer by way of sale, lease or otherwise, except in the ordinary course of his business any of the assets over which security interest is created and/or other assets and properties specified or disclosed under serial number 3A of the original application without the prior approval of the tribunal: (v) you shall be liable to account for the sale proceeds realised by sale of secured assets or other assets and properties in the ordinary course of business and deposit such sale proceeds in the account maintained with the bank or financial intuitions holding security interest over such assets. You are also directed to file the written statement with a copy thereof furnished to the applicant and to appear before Registrar on 18/10/2022 at 10:30 A.M failing which the application shall be heard and decided in your absence. Give under my hand and seal of this Tribunal on this date:15/07/2022

(Seal) Registrar DEBTS RECOVERY TRIBUNAL, JAIPUR

'कार्यकर्ताओं की भावना है कि राहुल गांधी राष्ट्रीय अध्यक्ष बनें'

दौसा, (निसं)। महिला एवं बाल विकास मंत्री ममता भूपेश ने कहा कि राहुल गांधी लगातार केन्द्र सरकार व प्रधानमंत्री की गलत नीतियों और तानाशाही सरकार के खिलाफ मुखर होकर अपनी आवाज बुलंद कर रहे हैं और हम सब की आवाज बन रहे हैं। ऐसे में प्रत्येक कांग्रेस कार्यकर्ताओं की भावना है कि एक बार फिर राहुल गांधी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनें।

- **मंत्री ममता भूपेश ने जनसुनवाई करते हुये पत्रकारों से वार्ता की**

महिला एवं बाल विकास मंत्री ममता भूपेश ने गुरुवार को सर्किट हाऊस में जनसुनवाई करते हुये पत्रकारों से कहा कि कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी कांग्रेस को लगातार मजबूती दे रहे हैं और हम सब की मंशा है कि राहुल गांधी एक बार फिर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनें। उन्होंने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने की चर्चा पर कहा कि यह केंद्रीय नेतृत्व तय करेगा कि कौन अध्यक्ष बनेगा, लेकिन हम सब यही चाहते हैं कि राहुल गांधी जिस तरीके से केंद्र सरकार की गलत नीतियों का मुकाबला कर देश की जनता के साथ खड़े हैं और उसके खिलाफ आवाज उठा रहे हैं, ऐसे में उनको अध्यक्ष बनना चाहिए।

गणेश जन्मोत्सव की तैयारियां शुरू

श्रीमाधोपुर। कस्बे में गणेश जन्मोत्सव की तैयारियां गुरुवार से शुरू हो गई है। गुरुवार को कस्बे के कुंडावाला खंडेला रोड स्थित गणेश मंदिर में आगामी 31 अगस्त को गणेश चतुर्थी अर्थात गणेश जन्मोत्सव को लेकर तैयारियां शुरू हो गई है।

मंदिर ट्रस्ट के मंत्री महावीर ठठेरा ने बताया कि भगवान गणेश का पंडित मदन लाल हरितवाल ने मंत्रोच्चारण के साथ महाभिषेक के साथ गणेश जन्मोत्सव की तैयारियां शुरू की गई। भगवान को महाभिषेक के साथ वस्त्र धारण करवा कर मोदक का भोग लगाया गया। और भक्तों को महाआरती के बाद प्रसाद का वितरण किया गया। इस अवसर पर पंडित मक्खन लाल शर्मा,रामगोपाल शर्मा,अशोक कुमार चौधरी, कृष्ण कुमार, नरेश पंजाबी, रामजीलाल, विष्णु सैनी, राहुल सैनी सहित कई भक्तगण मौजूद रहे।

कुंडावाला खंडेला रोड स्थित गणेश मंदिर में महाभिषेक के साथ गणेश जन्मोत्सव की तैयारियां शुरू की गई।

कोमल शेखावत सम्मानित होंगी

श्रीमाधोपुर, (निसं)। राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद सीकर द्वारा आयोजित समारोह अजीतगढ़ उप तहसील कार्यालय में संचालित राजीविका की कोमल कैंटीन का राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद सीकर में एन आर एल एम परियोजना अंतर्गत संचालित महिला स्वयं सहायता समूह की महिला कैडर्स को 26 अगस्त शुक्रवार को प्रधान का जाव सीकर में महिला समानता दिवस पर श्रेष्ठ कार्य एवं प्रदर्शन करने पर सम्मानित किया जाएगा। इस समारोह में राजीविका की कोमल कैंटीन की संचालिका गढ़ टकनेत निवासी कोमल शेखावत को सम्मानित किया जाएगा।

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन

(आदेश 5 के नियम 1 और 5)

न्यायालय एडीजे नं.-3 जयपुर महानगर द्वितीय

ओम शंकर विरुद्ध बृजगोपाल

वाद बाबत सी.एस.

वाद सं. 434/सन् 2021

बनाम हेमलता उर्फ स्नेहलता पुत्री श्री राधेश्याम पारीक स्थान पता-मकान नं. 7 एवं 8 (मिडिल), पार्श्वनाथ कॉलोनी निर्माण नगर, जयपुर (राज.) .....ने आपके विरुद्ध .....के लिये वाद पंजीयत किया है। आपका इस न्यायालय में तारीख 03 माह 09 सन् 2022 को दिन में 10.30 ए.एम. बजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये वचन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक अनुदेश दिए गये हों और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल/मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है। और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में हो अपना प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन मे साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो आप ऐसी दस्तावेजों को उल्लिखित समय के बाद उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह वाद ता. 16 माह 08 सन् 22 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

मोहर अदालत

आज्ञा से-शेरिस्तेदार
अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश
क्रम संख्या-03, जयपुर महानगर द्वितीय

अलवर में बीजेपी का धरना, राज्य सरकार पर हमला बोला

अलवर, (निसं)। राजस्थान में बिगड़ती कानून व्यवस्था, अवैध खनन, बढ़ते अपराध, दलित व महिला अत्याचार के आरोप लगाते हुए बीजेपी के नेताओं ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट के बाहर विरोध जताया और कांग्रेस सरकार पर आरोप लगाए।

कलेक्ट्रेट के बाहर धरना स्थल पर अलवर शहर के विधायक संजय शर्मा ने कहा कि कांग्रेस सरकार को साढे 3 साल हो गए। कभी पुजारियों पर हमला होता है, कभी अवैध खनन के चलते साधु को आत्मदाह करना पढ़ता है, कभी राजगढ में मंदिर तोड दिए जाते हैं, अलवर सहित प्रदेश भर में लूट व डकैती की वारदात बहुत तेजी से बढी हैं, अवैध खनन खुलेआम होता है। दलित व महिलाओं पर अत्याचार चरम पर हैं, मॉब लिंचिंग की वारदात होती हैं।

यह सब बताता है कि प्रदेश में कांग्रेस सरकार फेल है। आत्महत्या, डकैती, अवैध खनन बेलगाम है। लग रहा है कि राम राज्य की जगह जंगल राज है। सरकार के विरोध में कलेक्टर के जरिए राज्यपाल के नाम ज्ञापन दिया जाएगा।

इस धरने में सभापति घनश्याम गुर्जर, अशोक गुप्ता, पं जले सिंह, अरुण जैन, सतीश यादव सहित काफी संख्या में अलवर शहर के जनप्रतिनिधि व बीजेपी के पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद थे। जिन्होंने सरकार के खिलाफ खूब नारेबाजी की।

चालीहा के समापन पर उमड़ा सैलाब

खैरथल, (निसं) सिन्धी समुदाय का भगवान झूलेलाल के अवतरण दिवस चेटीचण्ड के बाद दूसरा सबसे बड़ा धार्मिक उत्सव चालीहा साहिब का गुरुवार को आरती व पल्लव पाकर अलवर में जल में विसर्जित कर समापन किया गया।

- **सिन्धी समुदाय के 40 दिन से चल रहे धार्मिक उत्सव चालीहा का समापन**

झूलेलाल मंदिर व्यवस्थापक अर्जुनदास बाबानी ने बताया कि झूलेलाल मंदिर में बाबा शीतलदास लालवानी, किशनगढ़बास के बाबा बाबुलाल चंदनानी के सानिध्य एवं पूज्य सिन्धी पंचायत अध्यक्ष मुखी मनोहरलाल रोघा के सानिध्य में आयोजित चालीहा साहब उत्सव 16 जुलाई से नियमित चल रहा था 40 दिन पूरे करने के बाद गुरुवार को झुलेलाल मंदिर में विधिवत पूजा अर्चना के बाद भगवान झूलेलाल का अक्खो आदि परवान करने के लिए झुलेलाल मंदिर से कस्बे के मुख्य मुख्य मार्गो से ज्योत परवान यात्रा निकाली गई।

ज्योत परवान यात्रा को खैरथल से अलवर के नटनी का बारा बांध के तट पर पूज्य सिन्धी पंचायत अलवर जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश रोघा, बाबा दयालदास प्रदनानी, भारतीय सिंधु सभा के प्रदेश मंत्री गिरधारीलाल ज्ञानानी,सेवक लालवानी, बाबू गोरवानी,बेबु नारायण बालानी, महेश आडतानी, बूलचंद मनवानी, श्याम केवलानी,हरीश शर्मा,राजकुमार ज्ञानवानी,प्रदीप गुरनानी,प्रकाश चंद सहित सैकडों की संख्यां में श्रद्धालु, पूज्य सिन्धी पंचायत,भारतीय सिंधु सभा, झूलेलाल सेवा समिति के सेवादार बहराना साहिब के साथ जाकर पूरी श्रद्धा के साथ डुबकी के साथ स्नान ध्यान कर जल देवता की पूजा अर्चना कर अक्खो आदि परवान (विसर्जन) किया गया।

रीडिंग कैंपेन के पोस्टर का विमोचन

फागी, (निसं)। उपखण्ड क्षेत्र की लदाना पंचायत मुख्यालय पर संचालित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय परिसर में रूम टू रीड संस्था के लिट्रसी कार्यक्रम के तहत रीडिंग कैंपेन के पोस्टर का विमोचन पंचायत प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी सारिका सिंगल द्वारा किया गया।

कार्यक्रम के संबंध में विस्तार से जानकारी देते हुए रूम टू रीड की लिट्रेसी फैंसीलेटर सुमन चौधरी ने बताया यह कार्यक्रम 15 अगस्त से 8 सितंबर तक रीडिंग कैंपेन के माध्यम से पढ़ना जहां समानता वहां थीम पर आधारित शिक्षकों, बच्चों और समुदायों को समुदाय को पढ़ने के लिए प्रेरित करने हेतु रैली कहानी सुनाना चित्रकला अधूरी कहानी पूरी करो बाहर गीत खेल गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के तहत 1 सितंबर को रीड ए थोन एक साथ 20 से 25 मिनट का पढ़कर पढ़ने का संदेश देंगे और बच्चों में पढ़ने की आदत को विकसित करने का संदेश दिया जाएगा

वादपत्र के स्थिरीकरण हेतु सम्मन

(आदेश 5 के नियम 1 और 5 जाब्ता दीवानी परिशिष्ट ख से 02)

न्यायालय:- सहायक कलैक्टर एव उपखण्डाधिकारी (राजस्व) मुकाम हनुमानगढ़

पीठासीन अधिकारी:- डॉ.अवि गर्ग आरएएस.

युनुस अली आदि बनाम स्टेट व अन्य

राजस्व वाद संख्या-418/2019

बाबत:- अपवादित खाता को दुरूस्त करने हेतु वादपत्र अन्तर्गत धारा 88 आर.टी.एक्ट

बनाम:-

आसरदास पुत्र श्री धनूमल जाति सिंधी निवासी सांभरलेक, जयपुर, तहसील व जिला जयपुर।

वादी ने न्यायालय में आपके विरूद्ध उपरोक्त वादपत्र प्रस्तुत करते हुए चक 5 एल.एल.डब्ल्यू. तहसील हनुमानगढ़ के खाता संख्या 107/101 तादादी 2.277 हैक्टेयर व चक 1 आर.आर.डब्ल्यू खाता संख्या 73/56 तादादी 3.113 हैक्टेयर में दुरूस्ती का निवेदन किया है।

लिहाजा आपको सूचना दी जाती है कि तारीख 12 माह 09 सन् 2022 बरोज 10 बजे दिन के अदालत हाजा में असालतन या वकालतन हाजिर होकर दरख्वास्त के खिलाफ वजह जाहिर करे वरना वादपत्र मंजूर एकतरफा सुना व निर्णय किया जायेगा। न्यायालय की आज्ञा व मोहर अदालत आज दिनांक 22 माह 8 सन् 2022 को जारी किया गया।

न्यायाधीश
सहायक कलक्टर एवं
उपखण्डाधिकारी, हनुमानगढ

उद्घोषणा (इश्तिहार) न्यायालय (राज.)

व्यवहार मिश्रित (मुत्तफरिक) वाद सं. 5709/22

विषय- उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन प्राप्त करने हेतु प्रार्थना-पत्र।

नाम प्रार्थी जिज्ञासा गहलोत पुत्री स्व. पारसमल गहलोत जाति राजपूत विवाद स्थान निवासी 145, महावीर नगर-2, महारानी फार्म, दुर्गापुरा, जयपुर

मृतक स्व. श्री पारसमल गहलोत की सम्पत्ति के विषय में।

पेशी दिनांक- 12.10.22

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त प्रार्थी/प्रार्थीगण ने इस न्यायालय में इस आशय का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है कि मृतक, नाम स्व. पारसमल गहलोत पुत्र स्व. श्री बाबुलाल निवासी 145, महावीर नगर-2, महारानी फार्म, दुर्गापुरा, जयपुर का उत्तराधिकारी स्वीकार कर उसके पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाण पत्र, प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन, प्रदान किया जावें।

अतः उक्त प्रार्थना-पत्र की स्वीकृति में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस न्यायालय में दिनांक 12 माह 10 सन् 2022 को न्यायालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रमाण सहित प्रस्तुत करें। उक्त दिवस के पश्चात् कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

आज दिनांक 24 माह 08 सन् 2022 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुद्रांकन से जारी किया गया।

प्रार्थीया ने मृतक पारसमल के प्रा.पत्र में वर्णित पॉलीसी की राशी मय ब्याज बाबत उत्तराधिकार प्रमाण पत्रा चाहा है।

मोहर अदालत

आज्ञा न्यायालय से-वरिष्ठ मुंसरिम
जिला एवं सैशन न्यायालय
जयपुर महानगर-प्रथम

कार्यालय चिकित्सा अधिकारी प्रभारी एवं सदस्य सचिव राजस्थान मेडिकेयर रिलिफ सोसायटी, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, कॉवट (सीकर)

Phone No.: 01575-233335 Email: kanwatchc@gmail.com

क्रमांक-खुली निविदा/एम.आर.एस./2022-23/410 दिनांक-2.08.2022

निविदा सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, कॉवट हेतु माह 09/2022 से माह 03/2023 तक के लिए निम्न सामान क्रय किये जाने बाबत पंजीकृत विक्रेताओं/निविदादातो/अधिकृत डीलर से मोहरबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती है-

क्र. सं.	नाम कार्य	अनुमानित लागत राशि (रु.)(वार्षिक)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु.)	अमानत राशि (रु.)
1	लेबोरेट्री रेजेन्ट, केमिकल्स एवं एक्स-रे फिल्म व अन्य सामान	350000/-	500/-	7000/-
2	प्रिंटिंग एवं डाट मैट्रिक्स प्रिंटर हेतु पेपर रिम	250000/-	500/-	5000/-

1. निविदा प्रपत्र दिनांक 24.08.2022 से 02.09.2022 तक दोपहर 12.00 बजे तक विक्रय एवं उसी दिवस को दोपहर 01.00 बजे तक जमा किये जायेंगे। 2. कार्य सं. 1 व 2 से संबंधित प्राप्त निविदाएं उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष क्रय समिति द्वारा दिनांक 02.09.2022 को दोपहर 02.00 बजे खोली जायेगी। 3. किसी भी निविदा या समस्त निविदाओं को बिना किसी कारण बताए स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरकर्ता का होगा। 4. उपरोक्त कार्य एवं आईटम हेतु समस्त नियम एवं निविदा की शर्ते निविदा पत्र में अंकित है जो कि किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में देखी जा सकती है। 5. उक्त समस्त कार्यों के लिये सेवा प्रदाता एजेन्सी का पंजिकृत होना आवश्यक है, जिसका पंजिकरण प्रमाण पत्र निविदा के साथ संलग्न करना होगा। 6. धरोहर राशि का डिमान्ड ड्राफ्ट Rajasthan Medicare Relief Society, CHC Kanwat के नाम से देय होगा। 7. उक्त निविदा राजस्थान स्टेट पब्लिक प्रोक्यूरमेंट पोर्टल पर डाली हुई है। 8. किसी भी वाद हेतु स्थानीय न्यायालय कार्यक्षेत्र होगा। 9. बिड प्रपत्र कार्यालय समय में कार्यालय में शुल्क नकद जमा करवाकर प्राप्त किया जा सकता है अथवा https://sppp.rajasthan.gov.in साईट से डाउनलोड करके शुल्क Rajasthan Medicare Relief Society, CHC Kanwat के नाम से डी.डी. बनाकर बिड प्रपत्र के साथ जमा करवाना होगा तथा डाक द्वारा निविदा भेजने पर निविदा शुल्क का ब्यौरा डाक के लिफाफे पर लिखना होगा एवं तकनीकी बिड् के साथ संलग्न करना होगा अन्यथा निविदा पर विचार नहीं किया जायेगा। 10. उक्त समस्त निविदाओं में जीएफएण्डएआर व राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता अधिनियम 2012 एवं नियम 2013 के समस्त प्रावधान लागू होंगे। अन्य जानकारी कार्यालय से प्राप्त करें।

सदस्य सचिव, मेडिकेयर रिलिफ सोसायटी
राज.सामु. स्वास्थ्य केन्द्र, कॉवट (सीकर)

प्रारुप-13 (नियम 13(2) देखिए)

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी नगर पालिका, फुलेरा जिला जयपुर राज.

क्रमांक-1942 दिनांक-25.08.2022

आपत्ति सूचना

अधोहस्ताक्षर की जानकारी में यह लाया गया है कि नगरीय क्षेत्र फुलेरा के राजस्व ग्राम फुलेरा में स्थित भूमि या उसके भाग जिनका विवरण नीचे दिया गया है, का 17.06.1999 से पूर्व/पश्चात की कालावधि से गैर कृषिक प्रयोजनों के लिए उपयोग किया जा रहा है/किया गया है और इसलिए निम्नांकित भूमि या उसके भाग में व्यक्तियों के अधिकार/हित राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क की उपधारा (8) के अधीन पर्यवसित किये जाने की दायी है-

क्र.सं.	राजस्व ग्राम	खसरा नम्बर	क्षेत्रफल (हैक्ट.में)
1	काचरोदा	267/1	0.7461
2	फुलेरा	642	0.0253
		580	0.2655
		439	0.0126

अतः उक्त भूमि में हित रखने वाले प्रत्येक व्यक्ति को इसके द्वारा सूचित किया गया है, कि सूचना प्रकाशन की तारीख से 07 दिवस के भीतर-भीतर कारण बताये क्यों ना उक्त भूमि पर उनके अधिकारों और हित को पर्यवसित कर दिया जावे और इसलिए क्यों ना भूमि को राज्य सरकार समस्त विल्लगमों से मुक्त निहित किया जा सकें। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन.....के दिन जारी की जाती है।

नोट-खातेदारों के पूर्ण पते उपलब्ध ना होने से उक्त लोक सूचना को व्यक्तिगत नोटिस भी माना जावें।

अधिशाषी अधिकारी, नगर पालिका फुलेरा

एनएसयूआई की कोमल करोलिया अध्यक्ष बनी

निवाई, (निसं)। स्थानीय आरएनटी महाविद्यालय में गुरूवार को चुनाव अधिकारी गोविंद सिंह चौहान एवं अंकित पारीक के सानिध्य में छात्र संघ के चुनाव प्रक्रिया संपन्न हुई।

जिसमें सर्वसम्मति से छात्रसंघ के अध्यक्ष के पद पर एनएसयूआई प्रत्याशी कोमल करोलिया को मनोनीत किया है।

- **एबीवीपी की अनुराधा बैरवा उपाध्यक्ष बनी**

निर्वाचन अधिकारी गोविंद सिंह चौहान ने बताया कि महाविद्यालय में सर्वसम्मति से अध्यक्ष पद पर कोमल करोलिया, उपाध्यक्ष के पद पर एबीवीपी की प्रत्याशी अनुराधा बैरवा, महासचिव पद पर एसएफआई की प्रत्याशी स्नेहा शर्मा एवं संयुक्त सचिव के पद पर एबीवीपी प्रत्याशी साक्षी खंडेलवाल को सर्वसम्मति से मनोनीत किया गया है। चुनाव प्रक्रिया सम्पन्न होने के बाद नवनियुक्त पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। शपथ ग्रहण के बाद उपस्थित छात्र-छात्राओं ने सभी पदाधिकारियों का माला पहनाकर स्वागत किया।

आरएनटी महाविद्यालय में छात्रसंघ के चुनाव के बाद नव निर्वाचित पदाधिकारियों को स्वागत किया।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड
(पूर्व में कैपीटल फर्स्ट होम फायनेन्स लिमिटेड व आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित)
IDFC FIRST Bank
CIN : L65110TN2014PLC097792
पंजीकृत कार्यालय - केआरएम टॉवर्स, 8वीं मंजिल, हैरिंगटन रोड, चेटपेट, चैन्नाई-600031
फोन- +91 44 4564 4000 | फैक्स- +91 44 4564 4022

परिशिष्ट-IV [नियम 8 (1)]

कब्जा नोटिस

(अचल सम्पत्ति का)

चूंकि अधोहस्ताक्षरकर्ता आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्व में कैपीटल फर्स्ट होम फायनेन्स लिमिटेड व आई डी एफ सी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मेलित) के प्राधिकृत अधिकारी है अतः वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण व पुर्न निर्माण एवं प्रतिभूति ब्याज प्रवर्तन अधिनियम, 2002 तथा उपर्युक्त कथित अधिनियम की धारा 13 (12) के साथ पठित प्रतिभूति ब्याज (प्रवर्तन) अधिनियम 2002 के नियम 3 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए दिनांक 11.04.2021 को एक मांग नोटिस कर्जदारों, सह-कर्जदारों एवं जमानतियों 1. श्री चैन सुख चौधरी, 2. श्रीमती इन्दिरा देवी को जारी किया गया था, जिसमें 08.04.2021 की तिथि को एक मांग नोटिस उल्लेखित राशी रुपये 29, 61, 678.55 (रुपये उन्तीस लाख इकसठ हजार छह सौ अठहत्तर और पेसा पचपन मात्र) का भुगतान उपर्युक्त नोटिस प्राप्ती के 60 दिन के अन्दर करने को कहा गया था।

चूंकि कर्जदार उक्त राशि को वापस चुकाने में विफल रहे है अतः कर्जदारों एवं जनसाधारण को नोटिस के माध्यम से सूचित किया जाता है कि कथित अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (4) के साथ पठित प्रतिभूति ब्याज (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8 जिसका नोटिस में उल्लेख किया गया है के तहत अधोहस्ताक्षरकर्ता को प्राप्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उन्होंने यहां निम्न वर्णित संपत्तियों के आज अगस्त 2022 के 23वें दिन भौतिक रूप से अपने कब्जे/अधिकार में ले लिया है।

विशेष रूप से कर्जदारों एवं आम जनता को एतद्द्वारा सावधान किया जाता है कि वे इन सम्पत्तियों का सौदा लेनदेन नहीं करें तथा इस सम्पत्ति का किसी भी प्रकार से खरीद-बिक्री करने पर उसे आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्व में कैपीटल फर्स्ट फायनेन्स होम लिमिटेड व आईडीएफसी बैंक के साथ सम्मेलित) की प्रभारित शर्तों के अधीन राशि रुपये 29, 61, 678.55 (रुपये उन्तीस लाख इकसठ हजार छह सौ अठहत्तर और पेसा पचपन मात्र) का भुगतान उस पर प्रभारित ब्याज सहित करना होगा।

कर्जदारों का ध्यान उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (8) के प्रावधानों की ओर आकर्षित किया जाता है जिसमें प्रतिभूतिकृत सम्पत्तियों को मुक्त करने के बारे में उपलब्ध समयावधि का उल्लेख है।

अचल सम्पत्तियों का विवरण

रिहायशी प्लाट नं. ए-16, (दक्षिण भाग), क्षेत्रफल 83.33 वर्गगज अर्थात 69.67 वर्गमीटर, श्री गणेशम विहार, बडारमा, कलवाड रोड, जयपुर का पूरा व प्रत्येक भाग, और सीमायें है-पूर्व-30 फिट रोड, पश्चिम-प्लाट नं. ए-5, उत्तर-प्लाट नं. ए-16 का भाग, दक्षिण-प्लाट नं. ए-15

दिनांक- 23.08.2022
स्थान- जयपुर
ऋण खाता संख्या- 25416215

प्राधिकृत अधिकारी, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड
(पूर्व नाम कैपिटल फर्स्ट होम फायनेन्स लिमिटेड तथा आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित)

संक्षिप्त

मोटरसाइकिल चोर गिरफ्तार

कोटपूतली। स्थानीय थाना पुलिस ने मोटरसाईकिल चोरी करने वाले शातिर चोर को गिरफ्तार कर एक मोटरसाईकिल बरामद की है। पुलिस के अनुसार रविन्द्र पुत्र बनवारी लाल मेघवाल निवासी वार्ड नं. 2 कमला नगर कोटपूतली ने मामला दर्ज करवाते हुए बताया था कि वह विगत 23 अगस्त को गोपालपुरा रोड पर मोटरसाईकिल खडी करके सामान लेने चला गया। वापस आकर देखा तो मौके पर मोटरसाईकिल नहीं मिली। जिसकी काफी तलाश की लेकिन कही कोई पता नहीं चला। इस पर पुलिस ने कार्यवाही करते हुए गुरूवार को मोटरसाईकिल चोरी करने वाले शातिर चोर शाहरूख पुत्र बशीर खां जाति मुसलमान निवासी नांगल भावसिंह थाना बानसूर जिला अलवर को यहां के बस स्टैण्ड के पास से गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की एक मोटरसाईकिल बरामद की है।

प्रतिभावान सम्मान समारोह 11 को

बोराज, (निसं)। राजस्थान भृगुवंशीय ब्राह्मण कर्मचारी अधिकारी कल्याणकारी संस्था द्वारा प्रदेश स्तर पर समाज के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को गोधाजी की नसिया, आमेर रोड जयपुर में 11 सितंबर रविवार को आयोजित सम्मान समारोह में सम्मानित करेगी। बोराज निवासी संस्था के कोषाध्यक्ष प्रेम शंकर शर्मा ने बताया कि इस वर्ष बोर्ड परीक्षा में 80 प्रतिशत से अधिक अंक पाने वाले विद्यार्थियों के सम्मान के साथ संस्था का प्रदेश स्तरीय अधिवेशन भी होगा जिसमें समाज सुधार के प्रस्ताव के अलावा संगठन को मजबूती प्रदान करने के लिए जयपुर संभाग में जिलेवार कमेटियों का गठन किया जाएगा।

गणपति महोत्सव 31 को

बोराज, (निसं)। गणपति महोत्सव, प्रथम पूज्य श्री गणेश भगवान का जन्मोत्सव 31 अगस्त को कस्बे के गणेश मंदिर में मंदिर महंत पंडित राम अवतार शर्मा के सानिध्य में गणपति प्रतिमा की स्थापना के साथ धूमधाम से मनाया जाएगा। मंदिर समिति के बृजमोहन परिहार ने बताया कि 9 सितंबर को गणपति प्रतिमा को झांकी में सजाकर नगर के प्रमुख मार्गो से शोभायात्रा निकालते हुए कोटजेवर के तालाब में मिट्टी से बनी गणेश प्रतिमा का विसर्जन किया जाएगा।

चौराहे पर गहरे गड्ढे व अतिक्रमण दे रहे हादसों को आमंत्रण

मालपुरा, (निसं)। नगरपालिका शहरी क्षेत्र के अतिव्यस्त डेयरी चौराहे पर हुए गहरे गड्ढे व सड़क के दोनों ओर अतिक्रमण आये दिन सड़क हादसों को खुला आमंत्रण देने व शहर का सौन्दर्य बदरंग होने के बावजूद नगरपालिका, सार्वजनिक निर्माण विभाग व टॉल रोड कम्पनी सबकुछ जानकर भी अनजान बन चुप्पी सादे बड़े हादसे का इंतजार कर रहे हैं।

नगरपालिका शहरी क्षेत्र से होकर गुजर रहे दूदू छाण व जयपुर भीलवाडा

- नगरपालिका, पीडब्ल्यूडी व टोल रोड कम्पनी ने साधी चुप्पी

मालपुरा शहर के अतिव्यस्त एवं दो-दो स्टेट हाईवे पर बने डेयरी चौराहे पर हुए गहरे गड्ढे व अतिक्रमण बड़े हादसों को आमंत्रण दे रहे हैं।

दोनों स्टेट हाईवे अतिव्यस्त डेयरी चौराहे से होकर गुजरने के बावजूद और सड़क के दोनों और मुख्य चौराहों पर अतिक्रमण होने पर भी किसी भी जिम्मेदार विभाग के अधिकारी के कानों पर जूं तक नहीं रैंग रही है। नगरपालिका प्रशासन ने बिना मापदण्डों के नियमों के विपरीत जाकर मुख्य चौराहे पर भारी भरकम विज्ञापन प्रचार सामग्री चस्पा करने का पिल्लर पोल लगा दिया।

जो कि सड़क सीमा में होने के चलते आये दिन हादसे का कारण बन रहा है। साथ ही सड़क के दोनों ओर 24 घंटे क्रेन, जेसीबी मशीनें एवं ट्रांसपोर्ट कम्पनी के ट्रक के साथ-साथ निजी बसें खडी रहने से चौराहा सिकुड जाने के कारण स्टेट हाईवे से गुजरने वाले वाहन रात के अंधेरे में दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं। इतना ही नहीं चौराहे के बीचों-बीच दो फीट से अधिक गहरे आधा दर्जन से अधिक गड्ढे हो जाने से दर्जनों वाहन चालक दुर्घटना का शिकार हो चुके है। गहरे गड्ढे व अतिक्रमणों से सडक दुर्घटनाओं के साथ-साथ शहर का सौन्दर्य भी बदरंग हो रहा है। आखिर इस चौराहे की हो रही बदहाली व बिगडते सौन्दर्यकरण के लिए कौन जिम्मेदार है। इसको लेकर उपखण्ड प्रशासन ने चुप्पी सादे मुकदर्शक बना हुआ है।

पूर्व सैनिक आश्रितों की समस्याओं को सुना

बहरोड/अलवर, (निसं)। अलवर जिले के बहरोड़ कस्बे के नारनौल रोड पर स्थित जखराना गांव में भूतपूर्व सैनिकों की समस्या समाधान हेतु जिला सैनिक कल्याण अधिकारी बहरोड़ के कमांडर शिवराम वर्मा द्वारा गांव के मंदिर परिसर में समस्या समाधान शिविर का आयोजन किया गया।

इस शिविर में पेंशन संबंधी, ईसीएचएस मेडिकल कार्ड, कैंटीन संबंधित, रिटायरमेंट के बाद आने वाली सभी समस्याओं के समाधान के बारे में सुनकर उनका मौके पर ही समाधान किया। कमांडर शिवराम वर्मा ने बताया कि इस शिविर में उन्होंने सभी भूतपूर्व सैनिकों की समस्याओं का समाधान कराने हेतु शिविर लगाया था। जिसमें बहुत से भूतपूर्व सैनिकों को इससे काफी राहत मिली।

जिला सैनिक कल्याण अधिकारी द्वारा सभी भूतपूर्व सैनिकों को केंद्रीय सैनिक बोर्ड की विभिन्न समस्याओं के समाधान के साथ ही राज्य सरकार व केंद्रीय सैनिक बोर्ड की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई।

इस मौके पर आसपास के गांवो के काफ़ी संख्या में भूतपूर्व सैनिक वीरांगनाएं, वीर नारी व जिला सैनिक कल्याण अधिकारी बहरोड़ कार्यालय का स्टाफ मौजूद रहा।

सार-समाचार

हल्ला बोल रैली की तैयारी बैठक

टोंक, (निसं)। 4 सितम्बर को दिल्ली में होने वाली महंगाई पर हल्ला बोल रैली की तैयारियों को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी टोंक की आवश्यक बैठक डाक बंगला टोंक में निवर्तमान जिलाध्यक्ष लक्ष्मण चौधरी गाता की अध्यक्षता में आयोजित की गई। मुख्य रूप से उनियारा-देवली विधायक हरीश मीणा, प्रदेश सचिव जिला संगठन प्रभारी महेन्द्र सिंह खेडी, नगर परिषद सभापति अली अहमद मुख्य रूप से उपस्थित रहे। रैली की तैयारियों को लेकर कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों से चर्चा की गई। कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए विधायक हरीश मीणा ने कहा कि बढ़ती महंगाई इस समय देश की सबसे बड़ी समस्या है, केन्द्र सरकार अपनी मोज में मस्त है उसे आमजन की समस्याओं से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने कार्यकर्ताओं का आव्हान किया कि अधिक से अधिक संख्या में दिल्ली पहुंचकर रैली को सफल बनाये। जिला प्रभारी महेन्द्र सिंह खेडी ने कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि बढ़ती हुई महंगाई की मार को देखते हुए कांग्रेस के राष्ट्रीय नेताओं ने विशाल रैली करने का जो आव्हान किया है उसमें टोंक जिले से लक्ष्य से अधिक कार्यकर्ता, पदाधिकारी दिल्ली पहुंचे तथा आमजन को भी दिल्ली लेकर जाये। इस मौके पर निवर्तमान जिलाध्यक्ष लक्ष्मण चौधरी गाता, जिला प्रवक्ता जर्रार खान, अली अहमद, प्रधान गणेश राम जाट देवली, पूर्व विधायक कमल बैरवा, पूर्व जिला प्रमुख रामबिलास चौधरी, महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष अलका बैरवा, अब्दुल खालिक, अवधेश शर्मा, सरपंच संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष हंसराज फागणा, युवा नेता हंसराज गाता, जहूरूद्दीन टोडा आदि उपस्थित रहे।

देवधाम के लिए पदयात्रा रवाना

नारायणपुर, (निसं)। कस्बे में गुरुवार को टोंक जिले की निवाई नगरपालिका में स्थित देवधाम जोधपुरिया के लिए देवनारायण सेवा समिति के तत्वावधान में 15वीं ध्वज पदयात्रा रवाना हुई। समिति अध्यक्ष शीशराम रावत ने बताया कि हाड्याली देवनारायण मंदिर में ध्वज की पूजा अर्चना कर देवनारायण भगवान की आरती करते हुए झांकी के साथ पदयात्रा रवाना हुई। पदयात्रा को उधोग एवं देवस्थान मंत्री शकुंतला रावत, पूर्व कैबिनेट मंत्री हेमसिंह भडाना, प्रदेशाध्यक्ष शंकर लाल कसाणा ने हरि झंडी दिखाकर रवाना किया। पदयात्रा 21 ध्वज के साथ 1 हजार पदयात्रियों का जत्था 7 पड़ाव के बाद 1 सितम्बर को देवधाम जोधपुरिया पहुंचेंगा। पदयात्रा में नारायणपुर तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम गढ़ी, खरखडी कला, अजबपुरा, बामनवास कांकड, विजयपुरा, चतरपुरा, कराणा, मुण्डावरा, कानपुरा आदि जगहों से पदयात्रियों ने ध्वज उठाये।

ग्रामीण ओलंपिक के लिए प्रेरित किया

बहरोड़/अलवर, (निसं)। अलवर जिला कलेक्टर जितेंद्र कुमार सोनी के निर्देशन में राजीव गांधी ग्रामीण ओलंपिक की तैयारियों को लेकर उपखंड अधिकारी बहरोड़ सचिन यादव, खंड विकास अधिकारी वीरेंद्र, तहसीलदार द्वारका प्रसाद एवं मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी शशि कपूर द्वारा उपखंड क्षेत्र के प्रमुख विद्यालयों के खेल मैदानों में ग्रामीण ओलंपिक की तैयारियों का निरीक्षण किया गया एवं ग्रामीण प्रतिभाओं द्वारा किए जा रहे विभिन्न ग्रामीण खेलों यथा कबड्डी, खो खो, वॉलीबॉल, टेनिसबॉल क्रिकेट आदि के अभ्यास की तैयारियों का जायजा लिया गया । इस दौरान समस्त अधिकारियों द्वारा संबंधित विद्यालयों के प्रधानाचार्य, शारीरिक शिक्षकों एवं ग्रामीण ओलंपिक में भाग ले रहे प्रतिभागियों से मुलाकात की गई एवं विद्यालय के खेल मैदान में विभिन्न खेलों के मैदान एवं प्रतिभागियों द्वारा किए जा रहे खेल अभ्यास को देखकर संतोष व्यक्त किया। उपखंड अधिकारी सचिन यादव एवं मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी शशि कपूर द्वारा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय रामसिंहपुरा एवं बडोद में प्रतिभागियों के साथ वॉलीबॉल खेल कर उन्हें ग्रामीण ओलंपिक खेलों के प्रति प्रेरित किया व उनका उत्साहवर्धन किया।

राजस्थान शिक्षक संघ की मासिक बैठक

चौमू/कालाडेरा, (निसं)। राजस्थान शिक्षक संघ (राष्ट्रीय) उपशाका चौमू की मासिक बैठक गुरुवार को आयोजित की गई। बैठक में प्रदेश संगठन मंत्री प्रहलाद शर्मा व अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ (राजस्थान क्षेत्र) के संगठन मंत्री घनश्याम के सन्निध्य में संगठन के कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया। साथ ही बैठक में प्रदेशाध्यक्ष नवीन कुमार शर्मा ने कहा कि कार्यकर्ता ही संगठन की रीढ़ है उपशाखा चौमू में सर्वाधिक सदस्यतावाली एवं सक्रियता वाली उपशाखाओं में से एक है। प्रदेश संगठन मंत्री प्रहलाद शर्मा ने भी बैठक में अपने विचार व्यक्त किए एवं बैठक में अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के संगठन मंत्री घनश्याम से सभी कार्यकर्ताओं का परिचय कराया गया। शर्मा ने अपने संबोधन में संगठन की रीति-नीति , इतिहास और वर्तमान पर मार्गदर्शन दिया। बैठक में रोहिताश दादरवाल प्रदेश मीडिया प्रकोष्ठ सदस्य, दिलीप कुमार शर्मा प्रदेश शिक्षक प्रकोष्ठ सदस्य, रूप किशोर भारद्वाज, महेश गुप्ता, हनुमान सिंह नाथावत, सुरेंद्र कुमार ,महेंद्र कुमार ,सुरेंद्र दीक्षित, बजरंग लाल सीताराम शर्मा सहित अनेक शिक्षक उपस्थित रहे।

खुले मैनहोल हादसों को निमंत्रण दे रहे

चाकसू, (निसं)। कस्बे के फागी मोड की स्थिति पालिका प्रशासन का जन सुविधा का मैनहोल खुला होने के कारण हादसे को निमंत्रण दे रहा है तो वही सीवर का गड्ढा खुला होने आसपास पसरी गंदगी के कारण आसपास के दुकानदारों को भयंकर बदबू का सामना करना पड रहा है जो विभिन्न बीमारियों को भी आमंत्रण दे रही है। प्रशासन की लापरवाही के चलते लोगों ने स्वयं ही खुले सीवरेज के मैनहोल पर पत्थर अडा या लकडी रख अनहोनी को टाल रहे हैं दुकानदारों ने यहां मैनहोल का ढक्कन लगाने की मांग की है।

ओबीसी आरक्षण की विसंगतियों को दूर करने की मांग

चाकसू, (निसं)। गुरुवार को उपखंड क्षेत्र के ओबीसी वर्ग के युवाओं ने गोपाल लाल यादव के नेतृत्व में सरकार के द्वारा ओबीसी पदों की विसंगतियों को दूर करने के लिए उपखंड कार्यालय में मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया गया कि ओबीसी वर्ग की जातियों को पूर्व सरकार द्वारा 17 अप्रैल 2018 को जारी परिपत्र से भारी नुकसान हो रहा है क्योंकि लगभग 90 प्रतिशत भूतपूर्व सैनिक ओबीसी वर्ग से आते हैं इसलिए आरक्षित वर्ग के पदों की संख्या सीमा को खत्म करने से ओबीसी के भूतपूर्व सैनिक के 12.50 पदों के साथ ओबीसी वर्ग के अन्य ओबीसी पदों में भी चयनित हो रहे हैं इस कारण से युवा ओबीसी वर्ग का उनका चयन सिर्फ सामान्य पदों पर ही हो रहा है ना कि ओबीसी पदों पर क्योंकि ओबीसी की सभी सीटें भूतपूर्व सैनिकों से भरी जा रही है।

ग्राम विकास अधिकारियों ने काले कपड़े पहनकर जताया रोष

पावटा, (निसं)। राजस्थान ग्राम विकास अधिकारी संघ शाखा पावटा ने पावटा पंचायत समिति परिसर में राज्य संगठन के आव्हान पर गुरुवार को काले कपड़े पहनकर सरकार के वादे के खिलाफ सांकेतिक धरना प्रदर्शन किया। संघ अध्यक्ष रामोतार शर्मा के नेतृत्व में ग्राम विकास अधिकारियों ने धरना दिया और मुख्यमंत्री के नाम बीडीओ आर के वर्मा को ज्ञापन सौंपा।

अध्यक्ष रामोतार शर्मा, महामंत्री विवेकांत, जिला प्रतिनिधि सुरेश मीणा ने बताया कि राजस्थान ग्राम विकास अधिकारी संघ के आव्हान एवं वादाखिलाफी आक्रोश आंदोलन के चतुर्थ चरण के तहत सभी ग्राम विकास अधिकारी आज और कल सामूहिक अवकाश पर रहेंगे। अभियान 2021 में प्रशासन गांवों के साथ संगठन ने अपनी मांगों को लेकर आंदोलन किया गया था। फिर 1 अक्टूबर को सरकार और संगठन के बीच एक लिखित समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। जिसमें 15 नवंबर तक मांगों को स्वीकार करने को कहा गया। मांगों को नहीं मानने पर यूनियन ने जब आंदोलन किया तो 11 दिसंबर को मुयमंत्री कार्यालय ने 45 दिन में महत्वपूर्ण मांगों को स्वीकार करने का आश्वासन दिया। 6 महीने बाद भी सरकार ने संघ की मांगों की अनदेखी की। इस दौरान वेतन विसंगति को दूर कर ग्रेड पे 3600 किया जाए, सहायक वीडीओ के 671 नए पद सृजित किए जाएं, अन्य जिलों में स्थापित वीडीओ को उनके गृह जिले में पदस्थापित किया जाने की मांग की। इसके बाद 1 सितंबर से जिला मुख्यालय पर धरना प्रदर्शन जाएगा।

- पंचायत समिति में राज्य संगठन के आव्हान पर सरकार की वादा खिलाफी के विरोध में सांकेतिक धरना प्रदर्शन किया

बाइक को बचाने में कंटेनर पलटा, दो गंभीर घायल

पावटा, (निसं)। निकटवर्ती मंगल्या वाली प्याऊ के पास राष्ट्रीय राजमार्ग 48 पर गुरुवार की दोपहर करीब 2.30 बजे उस समय एक बड़ी घटना टल गई जब दो बाइक सवार को बचाने की चक्कर में इंदौर से सब्जी भरकर आ रहा व हांसी हरियाणा की तरफ जा रहा कंटेनर अनियंत्रित होकर पलट गया।

दुर्घटना में बाइक सवार प्रागपुरा पुलिस थाने के सिमावत्या कारोली गांव निवासी गिरधारी पुत्र धूड मल सैनी और कंटेनर चालक जसवंत सिंह पुत्र हवासिंह निवासी हांसी हरियाणा घायल हुए हैं। वही कंटेनर चालक संदीप ने कूदकर अपनी जान बचाई। घायलों को एंबुलेंस से बीडीएम जिला अस्पताल कोटपुतली भिजवाया गया है जहां उनका इलाज किया जा रहा है।

वहीं कंटेनर चालक संदीप ने बताया कि इंदौर से आकर हांसी हरियाणा की तरफ जा रहा कंटेनर सब्जी भरकर चालक हाईवे पर अपनी गति से जा रहा था। इसी दौरान सामने अचानक आउट साइड बाइक सवार आ गया। बाइक सवार को बचाने में कंटेनर असंतुलित होकर पलट गया।

गनीमत रही की इस हादसे में दो बाईक व कंटेनर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई वही एक बाईक सवार घायल व कंटेनर सह चालक घायल हो गए। वही इस घटना को देख मौके पर मौजूद लोगों ने तत्काल एंबुलेस व पुलिस को सूचना दी। इसके बाद पावटा चौकी प्रभारी दिलीप मय पुलिस बल के साथ घटना स्थल पहुंचे। वही एंबुलेंस द्वारा घाय लो को उपचार के लिए भेजा गया। वही दुर्घटना के बाद 2-3 किलोमीटर तक लंबा जाम लग गया।

एक्सिडेंट के बाद पलटे कंटेनर से सड़क पर जाम लग गया।

ग्राम विकास अधिकारी सामूहिक अवकाश पर उतरे

लालसोट, (निसं)। उपखंड मुख्यालय पर 30 जून से वादाखिलाफी आक्रोश आंदोलन कर रहे ग्राम विकास अधिकारी सामूहिक अवकाश लेकर पंचायत समिति में धरने पर बैठ गए हैं। ग्राम विकास अधिकारियों के सामूहिक अवकाश पर जाने से ग्राम पंचायतों के ताले लग गए हैं क्योंकि सरपंच संघ पहले से ही कार्य बहिष्कार पर है, ऐसे में अब प्रदेश की ग्राम पंचायतों के ताले लटक गए हैं।

इसके कारण ग्राम पंचायतों में आने वाले ग्रामीणों के कार्य पर भी ब्रेक लग जाएगा। ग्राम विकास अधिकारी संघ के ब्लॉक अध्यक्ष मुकेश कुमार मीणा ने बताया कि राजस्थान ग्राम विकास अधिकारी संघ लिखित समझौते को लागू करवाने के लिए पिछले 2 माह से चरणबद्ध आंदोलन करते हुए राज्य सरकार का ध्यान आकर्षित करने का प्रयास कर रहा था। लेकिन गतिरोध नहीं

- वादा खिलाफी, आक्रोश आंदोलन में नया नहीं न्याय दिलाने की मांग

टूटने से आज प्रदेश के समस्त ग्राम विकास अधिकारी प्रदेश की समस्त 352 पंचायत समितियों में नया नहीं न्याय चाहिए धरना आयोजित कर रहे हैं। ग्राम विकास अधिकारी संघ के ब्लॉक अध्यक्ष मुकेश मीणा ने बताया कि संगठन अपने मांग पत्र को लेकर विगत 4 वर्षों से संघर्षरत है जिस पर 17 मार्च , 2021 एवं प्रशासन गांव के संग अभियान के प्रारंभ से एक दिवस पूर्व 1 अक्टूबर , 2021 को प्रमुख शासन सचिव मुख्यमंत्री के साथ उच्च स्तरीय समझौता हुआ था। इस समझोते मे पांच मांगों पर सहमति बनी थी। जिनके आदेश एक माह में जारी करने का आश्वासन दिया गया था लेकिन समझौता लागू नहीं होने से ग्राम विकास अधिकारी संघ आंदोलन करने के लिए मजबूर होना पड़ा है। सरकार को 30 जून से 25 अगस्त तक लगभग 2 माह का समय दिया है लेकिन अब भी सरकार समझोता लागू नही कर रही है जिसके कारण आज से प्रदेश भर में ग्राम विकास अधिकारियों ने काले कपडे पहन कर नया नहीं न्याय चाहिए धरना प्रारंभ किया है। बताया की ग्राम विकास अधिकारी संघ की मुख्य मांग वेतन विसंगति दूर कर ग्रेड पे 3600 करवाना , अंतर जिला स्थानांतरण नीति जारी करना ,ग्राम विकास अधिकारियों के कैडर स्ट्रेथन के लिए सहायक विकास अधिकारी के 1:4 में 671 नवीन पद सृजित करना, डीआरडीए कार्मिकों को नियमित करना, 3 वर्षों की लंबित पदोन्नित तथा 15 वर्षों की लम्बित रिव्यू डीपीसी करना है।

गृह राज्यमंत्री का हुआ ऑपरेशन

कोटपूतली, (निसं)। स्थानीय विधायक व गृह राज्यमंत्री राजेन्द्र सिंह यादव की तबीयत बुधवार देर शाम अचानक बिगड़ गयी। उल्लेखनीय है कि यादव गुजरात में प्रस्तावित विधानसभा चुनावों को लेकर दो दिवसीय अहमदाबाद दौरे पर थे।

जहां कांग्रेस पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं की बैठक लेकर वे बुधवार शाम हवाई जहाज द्वारा राजधानी नई दिल्ली पहुंचे। हवाई मार्ग के दौरान ही उन्हें किडनी में पथरी के चलते भयंकर पीड़ा का अनुभव हुआ। जिस पर उनकी तबीयत बिगड़ गई।

नई दिल्ली हवाई अड्डे पर उतरने के बाद तबीयत खराब होने के चलते तत्काल गुरूग्राम के फॉर्टिस अस्पताल में भर्ती करवाया गया। जहां गुरूवार सुबह उनका किडनी स्टोन का सफल ऑपरेशन किया गया। ऑपरेशन के बाद मंत्री यादव स्वस्थ है। कोटपूतली विधानसभा क्षेत्र में भी बडी संख्या में क्षेत्रवासियों, आमजन व कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की।

चोरी के तीन आरोपी गिरफ्तार

मालपुरा, (निसं)। डिग्गी थाना पुलिस टीम ने अलग-अलग स्थानों से चोरी हुई सौर ऊर्जा मोटरों के आरोप में तीन आरोपियों को जरिए प्रोडक्शन वारंट के गिरफ्तार कर चुराई गई तीन मोटरें बरामद की। थानाधिकारी ने बताया कि थाना क्षेत्र के ग्राम गरजेडा, सीतारामपुरा रोड व रामजीपुरा के खेतों से चोरी हुई सौर ऊर्जा मोटर बरामद किये जाने को लेकर गठित पुलिस टीमें लगातार जांच में जुटी हुई थी। गुरूवार को टीम ने न्यायालय न्यायिक मजिस्ट्रेट से जरिए प्रोडक्शन वारंट प्राप्त कर अनुसंधान करते हुए चोरी के आरोप में कमल मीणा निवासी जस्टाणा जिला सवाईमाधोपुर, सरदार मीणा व दीपक मीणा निवासी मोहनपुरा तन राहोली थाना निवाई को गिरफ्तार किया।

जरुरतमंदों को निशुल्क उपचार मिला

खैरथल, (निसं)। स्वामी हिरदाराम (पुष्कराज) के आशीर्वाद से उनके आत्मीय शिष्य सिद्ध भाऊ के निर्देशन में आयोजित निशुल्क चिकित्सा शिविर में ढाई सौ रोगियों को उपचार व दवाएं दी गई। शिविर प्रभारी राजकुमार केसवानी ने बताया कि जीव कल्याण सेवा समिति व सहाय हास्पिटल मोती डूंगरी जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में खैरथल के अर्जुन हॉस्पिटल ऐंड डायग्नोस्टिक सेंटर (गुरनानी हॉस्पिटल) में कुल 283 रोगियों को अलग-अलग बीमारी की जांच, परामर्श, उपचार एवं दवाएं निशुल्क दिये गये। जिसमें 21 नेत्र रोगियों का मोतियाबिंद ऑपरेशन किए जाने के लिए संस्था के समस्त खर्चे पर सहाय हॉस्पिटल मोती डूंगरी जयपुर ले जाया जाएगा और वापिस लाया जाएगा।शेष रोगियों कोई चश्मे, दवाएं दी गई। इसके अलावा स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ बबिता ने महिला रोग, डाक्टर माधुरी दंत चिकित्सा एवं ईएनटी का उपचार कर कम सुनाई देने वालों को मशीन दी गई। शिविर में राजकुमार केसवानी, सरिता नानकानी,कशिश बोदवानी, हर्षिता मोतियानी,प्राची कलवानी, रमाकांत,नरेश कुमार,अजय रामानी, हर्षिता कुमावत,मीरा पंजाबी एवं स्टाफ ने सेवाओं में सहयोग किया।

छात्र संघ चुनाव में त्रिकोणीय संघर्ष, प्रत्याशियों ने लगाया दमखम

लालसोट, (निसं)। उपखंड क्षेत्र में छात्र संघ के आज होने वाले मतदान को लेकर त्रिकोणीय संघर्ष के चलते चुनावी पारा पूरी तरह गर्म है। शुक्रवार को मतदान में 1899 छात्र एवं छात्रा मतदाता प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला करेंगे। छात्र संघ चुनाव में होने वाले मतदान को लेकर कॉलेज प्रशासन द्वारा पर्याप्त प्रबंध किए गए हैं एवं मतदान कक्ष के आसपास सुरक्षा से जुड़ी पूरी तैयारियां भी की गई है।

छात्र संघ चुनाव के लिए मतदान सुबह 8 बजे से शुरू होकर दोपहर 1 बजे तक चलेगा। अगर वास्तविक हालात देखे जाए तो यह चुनाव छात्र संघ से जुड़े छात्र हितों से हट कर बात के सवाल एवं वर्चस्व की लडाई के रूप में लड़ता देखा जा रहा है। हर कोई प्रत्याशी छात्र-छात्रा मतदाता को खुद की ओर आकर्षित करने के लिए हर संभव प्रयास करता नजर आ रहा है। छात्र संघ चुनाव में कोई प्रत्याशी खुद के पक्ष में माहौल बनाने के लिए राह चलते छात्रों के पांव पकडकर मनुहार करने में लगा है तो कहीं घर-घर जनसंपर्क कर माथे पर हाथ रख खुद के पक्ष में मतदान करने के लिए प्रयास करता दिखाई दे रहा है।

उपखंड क्षेत्र में छात्र संघ चुनाव को लेकर छात्र मतदाताओं के बीच एनएसयूआई प्रत्याशी प्रियांशी मीणा ने कैंपेन किया।

इन सबके बीच सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि एनएसयूआई जो कि मौजूदा सरकार का समर्थित दल है उसी धड़े से अध्यक्ष पद के लिए खडा हुआ बागी उम्मीदवार कोढ में खाज का काम कर रहा है। राजेश पायलट राजकीय पीजी महाविद्यालय लालसोट राजकीय पायलट कॉलेज में छात्र संघ चुनाव के

- आज 1899 मतदाता करेंगे मतदान

अध्यक्ष पद पर एबीवीपी से दिलराज गुर्जर एनएसयूआई से प्रियांशी मीणा उर्फ खुशी मीणा एवं एनएसयूआई के एक धड़े से बागी निर्दलीय उम्मीदवार रोशन लाल मीणा चुनाव लड़ रहे हैं। इसी तरह उपाध्यक्ष पद पर अविनाश कुमार मीणा एवं मनीष कुमार मीणा, महासचिव पद पर खेमराज सैनी एवं दिलखुश बैरवा तथा संयुक्त सचिव पद पर अदनान खान गोलू कुमार योगी एवं वरदान सिंह गुर्जर भाग्य आजमाइश कर रहे हैं । उपाध्यक्ष पद के एक प्रत्याशी मोनू गवारिया ने नामांकन वापस लिया है।

कन्या महाविद्यालय में छात्रसंघ चुनाव को लेकर छात्राओं में कोई विशेष उत्साह नहीं देखा जा रहा। कन्या महाविद्यालय में महासचिव एवं संयुक्त सचिव पद पर एक ही नामांकन भरे जाने पर इन पदों पर निर्विरोध प्रतिनिधि निर्वाचित हुए।

बुधवार को क्षेत्र में एबीवीपी एनएसयूआई सहित निर्दलीय उम्मीदवारों द्वारा खुद के समर्थन में छात्रों से वोट लेने के लिए पूरी ताकत झोंक रखी थी। हालांकि इस छात्र संघ चुनाव में उम्मीदवारों द्वारा बैनर पोस्टरों को निर्धारित जगह नहीं लगा कर आचार संहिता का उल्लंघन भी किया है। कॉलेज की तरफ से आचार संहिता के उल्लंघन की रोकथाम के लिए कार्य कर रही एक टीम इन गलत लगे उम्मीदवारों के पोस्टर बैनर ओं को हटाने का कार्य कर रही है साथ ही चुनाव लड रहे उम्मीदवारों को हर वक्त सावधानी से चुनाव लड कर कानून व्यवस्था को बनाए रखने एवं चुनाव को केवल छात्र हितों से संबंधित रखने की अपील करते हुए शांति सद्भावना भाईचारा बनाने की अपील भी कर रहे हैं।

छात्रसंघ चुनाव के लिए मतदान आज

टोंक, (निसं)। राजकीय महाविद्यालय में छात्रसंघ चुनाव 2022 को लेकर शुक्रवार को मतदान होगा। जिसकी सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। छात्रसंघ चुनाव को लेकर चुनाव लड़ रहे प्रत्याशी चुनाव प्रचार में जुटे हैं।

महाविद्यालय के प्राचार्य बी.एल.बैरवा ने बताया कि छात्र संघ चुनाव के सफल संचालन हेतु गुरुवार को चुनाव लड रहे प्रत्याशियों के साथ पुलिस प्रशासन एवं मुख्य निर्वाचन अधिकारी की बैठक हुई, जिसमें मुख्य निर्वाचन अधिकारी एस.आशा ने चुनाव आचार संहिता एवं लिंगदोह समिति की सिफारिशों के अक्षरश: पालन के लिए प्रत्याशियों को निर्देश दिये गये। राजकीय महाविद्यालय टोंक में छात्रसंघ चुनाव को लेकर अध्यक्ष पद दिनेश देवंदा, देवेन्द्र महावर, लोकेश कुमार मीना, हेमंत चौधरी, उपाध्यक्ष पद पर घनश्याम गुप्ता, रामपति गुर्जर, विकास चौमियां, विकास बैरवा, महासचिव पद पर गुरु प्रसाद सैनी, जीतराम बैरवा, माखनसिंह यादव, संयुक्त सचिव पद पर कैलाशचंद सैन, प्रियंका सोनी, फोरन्ता गुर्जर, सद्दाम कुरैशी को प्रत्याशी है, जिसके लिए शुक्रवार को मतदान होगा और शनिवार को मतगणना होगी।

अब मुझे आगे बढ़ना है और न्यूयॉर्क में दर्शकों से मुझे जो ऊर्जा मिलती है उसके बारे में सोचना शुरू कर दिया है।

– राफेल नडाल

शीर्ष टेनिस खिलाड़ी, यूएस ओपन में खेलने को लेकर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

पेट्रा क्वितोवा

मशहूर महिला टेनिस खिलाड़ी पेट्रा क्वितोवा अब जल्द ही शादी करने जा रही हैं। सोशल मीडिया पर इस खूबसूरत टेनिस खिलाड़ी के लाखों फैंस हैं। दो बार विमबल्डन जीत चुकी पेट्रा ने इस बात का ऐलान सोशल मीडिया पर किया है। 2011 और 2014 में चैंपियनशिप जीतने वाली 32 साल की पेट्रा ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर खबर शेयर करते हुए बताया है कि वो अपने ही कोच के साथ शादी करने वाली हैं। पेट्रा हाल ही में पहली बार सिनसिनाटी ओपन 2022 के फाइनल में पहुंची थी, लेकिन फाइनल में फ्रांस की कारोलिन गर्सिया ने उन्हें हरा दिया था।

क्या आप जानते हैं ?... टेस्ट क्रिकेट इतिहास का पहला टेस्ट इंग्लैंड व ऑस्ट्रेलिया के मधअय 1877 में मेलबोर्न में खेला गया था। इसे ऑस्ट्रेलिया ने 45 रन से जीता था।

यूएस ओपन में भी नहीं दिखेंगे जोकोविच

नयी दिल्ली 25 अगस्त। दुनिया के दिग्गज टेनिस खिलाड़ियों की फेहरिस्त में शुमार 21 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता सर्बिया के नोवाक जोकोविच इस साल यूएस ओपन में नहीं दिखेंगे। कोरोना

वैक्सीन न लेने की जिद पर अड़े जोकोविच ने साल के चौथे ग्रैंड स्लैम यूएस ओपन से खुद के अलग होने की पुष्टि गुरूवार को कर दी। उन्होने कहा, निराशाजनक, मैं इस बार यूएस ओपन के लिये न्यूयार्क की यात्रा नहीं कर पाऊंगा।धन्यवाद। मेरे साथी खिलाड़ियों को शुभकामनाएँ। मैं सकारात्मक भाव से रहूंगा और फिर से प्रतिस्पर्धा करने के अवसर की प्रतीक्षा करूंगा। जल्द ही मिलते हैं टेनिस की दुनिया में। गौरतलब है कि कोरोना वैक्सीन नहीं लगवाने की जिद के चलते जोकोविच को इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलियन ओपन में खेलने से मना कर दिया गया था।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे के लिये बोल्ट न्यूजीलैंड टीम में

वेलिंगटन, 25 अगस्त। ट्रेंट बोल्ट को आस्ट्रेलिया के खिलाफ अगले महीने होने वाली चैपल . हैडली वनडे क्रिकेट श्रृंखला के लिये

न्यूजीलैंड टीम में शामिल किया गया है । उन्होंने हाल ही में क्रिकेट न्यूजीलैंड के साथ अपना केंद्रीय अनुबंध रद्द कर दिया था। बोल्ट समेत पांच तेज गेंदबाजों को न्यूजीलैंड की 15 सदस्यीय टीम में जगह दी गई है जो तीन वनडे मैचों की श्रृंखला खेलेगी । पसली की चोट से उबरे मैट हेनरी की भी टीम में वापसी हुई है। मांसपेशी में खिंचाव के कारण वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरा और तीसरा वनडे नहीं खेल सके केन विलियमसन भी न्यूजीलैंड टीम में लौटे हैं ।

न्यूजीलैंड टीम : केन विलियमसन (कप्तान), फिन एलेन, माइकल ब्रेसवेल, ट्रेंट बोल्ट, डेवोन कोंवे, लॉकी फर्ग्युसन, मार्टिन गुप्टिल, मैट हेनरी, टॉम लाथम, डेरिल मिशेल, जिम्मी नीशाम, ग्लेन फिलिप्स, मिशेल सेंटनेर, बेन सीयर्स, टिम साउदी।

जर्मन गोलकीपर केविन ट्रैप ने मैनचेस्टर यूनाइटेड का प्रस्ताव ठुकराया

फ्रैंकफर्ट, 25 अगस्त। जर्मनी और आइंट्रैच फ्रैंकफर्ट के गोलकीपर केविन ट्रैप ने कहा है कि उन्होंने जर्मन क्लब में बने रहने के लिए मैनचेस्टर यूनाइटेड का प्रस्ताव ठुकरा दिया है। रिपोर्टों के अनुसार यूनाइटेड ने इस 32 वर्षीय खिलाड़ी के सामने चार साल के अनुबंध की पेशकश की थी। ट्रैप जर्मनी के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी हैं और इससे पहले पेरिस सेंट जर्मेन और कैसरस्लॉटर्न के लिए भी खेल चुके हैं। ट्रैप ने गुरुवार को अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया,'' यह सच है कि मुझे लिखित पेशकश की गई थी। मैनचेस्टर यूनाइटेड वैश्विक क्लब है और हर कोई इस बात को समझ सकता है कि मैंने इस प्रस्ताव पर काफी विचार किया।'' उन्होंने कहा, '' मैंने कल दोनों क्लबों के प्रतिनिधियों से बात की और उन्हें बताया मैं फ्रैंकफर्ट में ही बने रहना चाहता हूं।''

भारतीय महिला गोल्फरों की विश्व एमेच्योर टीम चैम्पियनशिप में अच्छी शुरुआत

पेरिस, 25 अगस्त। भारतीय महिला गोल्फर अवनि प्रशांत, स्मृति भार्गव और निश्ना पटेल की तिकड़ी ने गुरूवार को यहां एस्प्रितो सांतो ट्राफी के लिये 29वीं महिला विश्व एमेच्योर टीम चैम्पियनशिप में अच्छी शुरूआत की। अवनि (75) और स्मृति (73) के कार्ड तीनों गोल्फर में सर्वश्रेष्ठ थे जिससे भारत दिन के कुल 148 के स्कोर से संयुक्त रूप से 24वें स्थान पर है। अमेरिका की रशेल हेक और रोस झांग ने क्रमश: 68 और 69 के कार्ड बनाये जिससे अमेरिकी टीम (पांच अंडर पार 137) जर्मनी पर एक स्ट्रोक की बढ़त बनाये है।

भारतीय कोचों और खिलाड़ियों को खेल विज्ञान में और शिक्षित करने की जरूरत : मैथ्यू

नयी दिल्ली, 25 अगस्त। बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में भारतीय दल के मुख्य चिकित्सा अधिकारी रहे अरूण बासिल मैथ्यू का मानना है कि भारतीय खिलाड़ियों उच्चतम स्तर पर खेल विज्ञान को समझने में काफी लंबा सफर तय किया है लेकिन अभी भी सुधार की गुंजाइश है । पिछले साल तोक्यो ओलंपिक में भी भारतीय टीम के साथ गए मैथ्यू ने बर्मिंघम खेलों में खिलाड़ियों की चिकित्सा जरूरतों का जिम्मा संभाला था। उन्होंने कहा ,'' आजकल अधिकांश को अभ्यास, आहार, चोटों की अच्छी खासी जानकारी है । कोचों को धन्यवाद जिनकी वजह से यह संभव हो सका । मैं जरूर कहूंगा कि भारतीय खेलों में यह नयी चीज है और सरकार की नीतियों और अच्छी रणनीतियों को इसका श्रेय जाता है।'' उन्होंने कहा, अभी भी सुधार की गुंजाइश है । खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ को खेल विज्ञान में और शिक्षित करना होगा ।

नागौर और श्रीगंगानगर क्रिकेट संघ को राहत

जयपुर, 25 अगस्त। राजस्थान उच्च न्यायालय ने नागौर और श्रीगंगानगर को असंबद्ध किये जाने पर रोक लगा दी है। राजस्थान क्रिकेट संघ ने पूर्व आरसीए अध्यक्ष ललित मोदी से जुड़े रहने का आरोप लगाते हुए नागौर, श्रीगंगानगर और अलवर जिला क्रिकेट संघ को असंबद्ध कर दिया था, जिसको लेकर नागौर और श्रीगंगानगर जिला क्रिकेट संघ ने उच्च न्यायालय में अपील की थी।

बीडब्ल्यूएफ वर्ल्डर्स : सेन को हराकर प्रणय क्वार्टरफाइनल में पहुंचे, साइना हुई बाहर

टोक्यो, 25 अगस्त। भारत के एच एस प्रणय ने गुरुवार को हमवतन राष्ट्रमंडल खेलों के चैंपियन लक्ष्य सेन को हराकर बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली, जबकि साइना नेहवाल 16वें राउंड में थाईलैंड की बुसानन ओंगबामरुंगफाम से पराजित होकर प्रतियोगिता से बाहर हो गईं।

प्रणय ने सेन को 17–21, 21–16, 21–17 से हराया, जो 2021 में कांस्य पदक विजेता रहे। तीस वर्षीय प्रणय क्वार्टर फाइनल में चीन के झाओ जून पेंग के खिलाफ खेलेंगे, जो संयोगवश इंडोनेशिया ओपन सेमीफाइनल की पुनरावृत्ति होगी।

इंडोनेशिया ओपन 2022 सेमीफाइनल में प्रणय और झाओ का पहली बार आमना–सामना हुआ था, जिसे चीन ने सीधे सेट में जीत लिया था। प्रणय ने 32वें राउंड के मुकाबले दो बार के पूर्व विश्व चैम्पियन केंटो मोमोटा को हराकर बड़ा उलटफेर किया है। दुनिया के 18वें नंबर के भारतीय शटलर की पहली जीत थी। बुसानन के खिलाफ साइना को 17–21, 21–16, 13–21 से हार का सामना करना पड़ा। महिला एकल में भारत के लिए पदक की उम्मीद खत्म हो गयी है, क्योंकि युवा मालविका बंसोड़ पहले ही इस दौड़ से बाहर हो गयी और पीवी सिंधु स्ट्रेस फ्रैक्चर के कारण टूर्नामेंट से हट गई हैं।

इससे पहले दिन में भारत की शीर्ष जोड़ी दो पुरुष युगल जोड़ी सात्विक साईराज रैंकी रेड्डी और चिराग शेट्टी तथा एम आर अर्जुन और ध्रुव कपिला की जोड़ी ने अपने–अपने 16वें राउंड जीत के साथ क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। सात्विक और चिराग ने डेनमार्क की जेप्पे बे और लासे मोल्हेडे की जोड़ी को 21–12, 21–10 से हराकर क्वार्टरफाइनल में जापान के ताकुरो होकी और यूगो कोबायाशी से मुकाबला किया।

न्यूजीलैंड श्रृंखला में भारत-ए टीम के कोच की जिम्मेदारी संभालेंगे कोटक

नयी दिल्ली, 25 अगस्त। न्यूजीलैंड ए के खिलाफ एक सितंबर से शुरू हो रही आगामी श्रृंखला में सितांशु कोटक भारत ए टीम की कोचिंग की जिम्मेदारी संभालेंगे। पूर्व भारतीय लेग स्पिनर साईराज बहुतुले बेंगलुरू और हुबली में तीन टेस्ट मैचों और चेन्नई में तीन वनडे के लिये कोचिंग स्टाफ में कोटक के साथ जुड़ेंगे।

सामान्यत: राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के प्रमुख ही ए टीमों के मुख्य कोच होते हैं लेकिन वीवीएस लक्ष्मण को राहुल द्रविड़ के कोविड–19 पॉजिटिव आने के बाद सीनियर टीम का अंतरिम मुख्य कोच नियुक्त किया गया है तो कोटक को यह भूमिका दी गयी है।

बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) के पास एनसीए के अंतर्गत कोचों का पूल है जिन्हें ए, एमर्जिंग (अंडर 20) और अंडर–19 टीमों के दौरों के लिये रोटेट किया जाता है। कभी कभार उन्हें सीनियर टीम के दौरों पर भी भेजा जाता है जैसे कोटक आयरलैंड में टीम के साथ थे और ऋषिकेश कानिटकर जिम्बाब्वे में थे। कानिटकर के अंडर–23 एमर्जिंग इंट्रा एनसीए टूर्नामेंट की देखरेख करने की संभावना है।

यूएस ओपन क्वालीफायर्स : युकी दूसरे दौर में, रामनाथन और नागल बाहर

न्यूयार्क, 25 अगस्त। भारत के युकी भांबरी ने मालदोवा के राडू अल्बोट पर एक संघर्षपूर्ण मुकाबले में जीत दर्ज करके यूएस ओपन टेनिस टूर्नामेंट के क्वालीफायर्स के दूसरे दौर में प्रवेश किया। हालांकि, देश के शीर्ष रैंकिंग के पुरुष खिलाड़ी रामकुमार रामनाथन और सुमित नागल अपने–अपने मैच सीधे सेटों में हारकर बाहर हो गए। दुनिया के 241वें नंबर के रामनाथन अमेरिकी किशोर ब्रूनो कुजुहारा से एक घंटे 28 मिनट में 3–6, 5–7 से, जबकि नागल कनाडा के वासेक पोस्पिसिल से 6–7, 4–6 से हार गए। विश्व में 552वें स्थान पर काबिज युकी ने एक घंटे 34 मिनट तक चले मैच में अपने से अधिक रैंकिंग वाले अल्बोट (107) को 7–6 (4) 6–4 से शिकस्त दी। युकी ने पहले सेट में धीमी शुरुआत की लेकिन वह वापसी करने में सफल रहे और सेट को टाईब्रेकर तक ले गए जिसमें उन्होंने जीत दर्ज की। दूसरे सेट में उन्होंने बेहतर खेल दिखाया और उसे जीतकर अगले दौर में जगह बनाई। इस 30 वर्षीय खिलाड़ी का अगले दौर में मुकाबला बेल्जियम के जिज़ो बर्ग से होगा।

घर में 100 टेस्ट खेलने वाले पहले खिलाड़ी बने जेम्स एंडरसन

मैनचेस्टर, 25 अगस्त। इंग्लैंड के अनुभवी तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने गुरुवार को टेस्ट इतिहास में घरेलू सरजमीं पर 100 टेस्ट मैच खेलने वाला पहला खिलाड़ी बनने का गौरव हासिल किया। उन्होंने यह उपलब्धि मैनचेस्टर में दक्षिण अफ्रीका के साथ दूसरा टेस्ट खेलकर हासिल की। इससे पहले 72 खिलाड़ियों ने अपने करियर में 100 से अधिक टेस्ट मैच खेलने की उपलब्धि हासिल की है, मगर कोई भी 100 टेस्ट मैच अपने देश के मैदान में नहीं खेल सका है। सचिन तेंदुलकर 200 टेस्ट खेलने वाले इकलौते खिलाड़ी हैं लेकिन उन्होंने भी भारत में सिर्फ 94 टेस्ट खेले हैं और वह सूची में

एंडरसन के बाद दूसरे स्थान पर हैं। एंडरसन के साथी गेंदबाज स्टूअर्ट ब्रांड घरेलू मैदान पर 91 टेस्ट खेल कर चौथे और इंग्लैंड के पूर्व खिलाड़ी एलस्टर कुक 89 टेस्ट खेलकर पांचवे स्थान पर हैं। कुल मिला कर एंडरसन 174 टेस्ट खेल कर तेंदुलकर के पीछे बने हुये हैं। उनके अलावा कुक और ब्रांड ही इंग्लैंड के ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने अपने करियर में 150 से अधिक टेस्ट खेले हैं।

एंडरसन ने घर पर अपने 100वें टेस्ट मैच में शानदार शुरुआत की और उन्होंने अपने पांचवें ओवर में मेहमान टीम के सलामी बल्लेबाज सरेल इरवी को विकेट के पीछे आउट कर दिया। मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफोर्ड स्टेडियम पर एंडरसन हालांकि कभी भी एक पारी में पांच विकेट नहीं ले सके हैं।

टेनिस के दिग्गजों ने यूक्रेन की मदद के लिये प्रदर्शनी मैच में की शिरकत

न्यूयॉर्क, 25 अगस्त। युद्ध की विभीषिका से जूझ रहे यूक्रेन के समर्थन और मदद के लिये राफेल नडाल, इगा स्विएटेक, जान मैकनरो और कोको गाफ जैसे दिग्गज टेनिस खिलाड़ियों ने बुधवार रात यहां एक प्रदर्शनी मैच में शिरकत की। अगले पखवारे यूएस ओपन ट्राफी के लिये एक–दूसरे के खिलाफ सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने को बेकरार टेनिस दुनिया के सितारों ने संकटग्रस्त यूक्रेन में मानवीय सहायता के लिये खचाखच भरे लुई आर्मस्ट्रांग स्टेडियम में 'टेनिस प्ले फॉर पीस' प्रदर्शनी मैच में हिस्सा लिया।

एटीपी टूर ने नडाल के हवाले से कहा, पिछले दो–तीन साल दुनिया के लिये काफी कठिन रहे हैं। पहले कोरोना महामारी और अब यूक्रेन में युद्ध मानवता के लिये चुनौतीपूर्ण है। न्यूयार्क में खेल प्रेमियों के सामने कोर्ट में उतरना निश्चित ही खुशी और रोमांच का अहसास कराता है। उद्घाटन समारोह में यूक्रेन का राष्ट्रगान हुआ, जिसके बाद नडाल और स्विएटेक की जोडी ने गाफ और मैकेनरो के खिलाफ मिश्रित युगल मैच के लिए कोर्ट में कदम रखा। गॉफ ने कहा, दुनिया के नम्बर एक जॉन, राफा और इगा की मौजूदगी में न्यूयार्क में कोर्ट में उतरना वास्तव में रोमांच से भरपूर है। मै खुश हूं कि मैं इस समारोह का हिस्सा बन पाया।

राष्ट्रमंडल खेलों में मिली जीत से बढ़ा आत्मविश्वस : निशा

नयी दिल्ली, 25 अगस्त। भारतीय महिला हाकी टीम की सदस्य निशा ने कहा कि राष्ट्रमंडल खेलों में उनकी टीम को मिले कांस्य पदक ने उनके आत्मविश्वास में खासा इजाफा किया है। भारतीय महिला हाकी टीम ने 16 साल के सूखे को खत्म करते हुये हाल ही में संपन्न बर्मिंघम 2022 कामनवेल्थ गेम्स में कांस्य पदक हासिल किया था। कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम में मिडफील्डर की भूमिका में 27 वर्षीय निशा ने टीम और अपने करियर के लिये मेडल के महत्व को लेकर जज्बात उजागर किये। उन्होंने कहा, सीडब्लूजी मेडल मेरे लिये हमेशा विशेष रहेगा। मेरा हमेशा से सपना था कि मैं राष्ट्रमंडल खेलों में पदक जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा बनूं। हमने ओलंपिक और कामनवेल्थ गेम्स में हमेशा अच्छे प्रदर्शन पर पूरा ध्यान केंद्रित किया और हमें खुशी है कि टीम को उसका प्रतिफल बर्मिंघम में जीत के रूप में मिला।

निशा ने कहा, कामनवेल्थ गेम्स के बाद मेरा मनोबल काफी बढ़ा हुआ है। राष्ट्रमंडल खेलों में मुझे गजब की अनुभूति हुयी। मैं खुशकिस्मत हूं कि मैं एक प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में कांस्य हासिल करने वाली टीम का हिस्सा बनी। मैं और कड़ी मेहनत कर रही हूं और खुद को भविष्य में होने वाले टूर्नामेंट के लिये मानसिक और शारीरिक रूप से तैयार कर रही हूं। भारतीय महिला टीम बेंगलुरु में 29 अगस्त को साई में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय शिविर में वापसी करेगी। निशा ने कहा, राष्ट्रमंडल खेलों के दौरान हमने अपनी गलतियों को नोटिस किया और प्रशिक्षण शिविर में हमारा फोकस उन गलतियों को सुधारने की तरफ होगा।

नस्लवाद की घटना पर डूरंड कप आयोजन समिति ने की त्वरित कार्रवाई

कोलकाता, 25 अगस्त। डूरंड कप आयोजन समिति ने गुरुवार को साफ किया कि उसने बेंगलुरु एफसी खिलाड़ी के खिलाफ की गयी नस्लवाद की टिप्पणी को गंभीरता से लिया है। आयोजकों ने एक बयान जारी कर कहा, अखिल भारतीय फुटबाल फेडरेशन समेत सभी स्टेक होल्डर्स के संयुक्त हस्तक्षेप और मध्यस्थता के बाद त्वरित कार्रवाई की गई और मामले को सुलझा लिया गया है। जो खूबसूरत खेल फुटबाल में स्वीकार्य नहीं है। बेंगलुरु एफसी ने आरोप लगाया था कि किशोर भारती क्रीड़ागंन में पिछले मंगलवार को डूरंड कप के एक मैच में विरोधी टीम के एक खिलाड़ी ने उनके एक खिलाड़ी के खिलाफ नस्लवाद संबंधी टिप्पणी की।

फुटबॉल ढांचे में सुधार किया गया तो विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर सकती है भारतीय टीमें : भूटिया

नयी दिल्ली, 25 अगस्त। पूर्व भारतीय कप्तान बाइचुंग भूटिया ने अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के अध्यक्ष पद के लिए नामांकन भरने के बाद कहा यदि देश के फुटबॉल ढांचे में जमीनी स्तर पर सुधार किया जाता है तो भविष्य में भारत की सीनियर और आयु वर्ग की टीमें योग्यता के आधार पर विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर सकती हैं।

अपने जमाने के दिग्गज फुटबॉलर भूटिया ने एआईएफएफ के दो सितंबर को होने वाले चुनावों के लिए गुरुवार को अध्यक्ष पद का नामांकन भरा। आंध्र फुटबॉल संघ ने उनके नाम का प्रस्ताव रखा जबकि राजस्थान फुटबाल संघ ने उसका अनुमोदन किया।

भूटिया ने कहा,'' भारतीय टीम में चाहे वह आयु वर्ग में हो या सीनियर टीम आगामी वर्षों में योग्यता के आधार पर विश्वकप के लिए क्वालीफाई कर सकती हैं, लेकिन इसके

लिए सुधार करने और देश की फुटबॉल प्रणाली को साफ सुथरा बनाने की जरूरत है।''

उन्होंने कहा,'' हमें जमीनी स्तर पर अधिक ध्यान देने की जरूरत है। इसके अलावा हमें राज्य संघों पर अधिक ध्यान देना होगा क्योंकि प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ी राज्यों से ही आते हैं। इसलिए राज्यों को दिए जाने वाले बजट में बढ़ोतरी की जाएगी।''

भारत की पुरुष टीम ने 2017 में फीफा अंडर–17 विश्व कप में भाग लिया था क्योंकि वह तब मेजबान था। महिला टीम भी अक्टूबर में फीफा अंडर–17 विश्व कप में भाग लेगी क्योंकि उम्मीद है कि एआईएफएफ से प्रतिबंध हट जाएगा और भारत इस प्रतियोगिता की मेजबानी करेगा। भारत की तरफ से 100 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने के बाद 2011 में सन्यास लेने वाले 45 वर्षीय भूटिया ने कहा कि यदि वह अध्यक्ष बनते हैं तो राज्य संघों को अधिक पैसा देने की कोशिश करेंगे। उन्होंने कहा,'' हमें दो चीजों पर ध्यान देने की जरूरत है। एक जमीनी स्तर पर फुटबॉल का विकास करना और दूसरा राज्य संघों को अधिक बजट देना। जमीनी स्तर पर विकास का कोई विकल्प नहीं है और यह सभी जानते हैं। मैं इस दिशा में अधिक गतिविधियां चाहता हूं।''

भूटिया ने इसके साथ ही कहा कि हर

कोहली, आजम के बीच गुफ्तगू

दुबई, 25 अगस्त। विश्व के दो महान क्रिकेटर विराट कोहली और बाबर आजम के बीच गुफ्तगू सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर तेजी से ट्रेंड हो रही है। बीसीसीआई द्वारा साझा किए गए एक वीडियो में पाकिस्तानी कप्तान आजम को भारतीय क्रिक्रेटर कोहली के साथ हाथ मिलाते हुए और गुफ्तगू करते देखा गया है। भारतीय टीम ने एशिया कप से पहले 24 अगस्त को दुबई में अपना अभ्यास सत्र शुरू किया था। बीसीसीआई ने ट्विटर पर वीडियो साझा करते हुए कैप्शन दिया, हैलो दुबई, हग्स, स्माइल और वार्म–अप, जैसा कि हम एशिया कप 2022 के लिए तैयारी शुरू कर रहे हैं। बीसीसीआई द्वारा साझा किए गए वीडियो में भारतीय टीम के खिलाड़ियों को अफगानिस्तान और पाकिस्तान की टीमों के खिलाड़ियों के साथ बातचीत करते और अपनी खुशियों को इजहार करते हुए देखा गया है।

आयुषी पोद्दार ने महिलाओं का 50 मीटर राइफल थ्री पॉजिशंस ट्रॉयल जीता

भोपाल/नयी दिल्ली, 25 अगस्त। पश्चिम बंगाल की आयुषी पोद्दार ने गुरूवार को यहां राष्ट्रीय चयन ट्रायल्स में महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पॉजिशंस टी6 ट्रायल्स में जीत दर्ज की। उन्होंने स्वर्ण पदक के मैच में सैन्य निशानेबाजी इकाई की प्रिया को 16–8 से पराजित किया। आयुषी ने 587 के स्कोर से शीर्ष पर रहकर फाइनल के लिये क्वालीफाई किया जिसमें वह 402.3 अंक से विजेता रहीं।प्रिया ने 401.5 अंक से दूसरा और अनुभवी लज्जा गोस्वामी ने 400.1 अंक से तीसरा स्थान हासिल किया।

जूनियर महिला थ्री पी फाइनल में हरियाणा की रमिता ने अपने ही राज्य की निश्चल को 17–9 से पराजित किया। गुजरात की हीना जयेशभाई गोहेई ने तीसरा स्थान हासिल किया। वहीं दिल्ली में पुरूषों की 50 मीटर पिस्टल टी6 स्पर्धा में रविंदर ने 562 अंक के स्कोर से जीत हासिल की। राजस्थान के अभिनव चौधरी 560 के स्कोर से दूसरे और नौसेना के कुणाल राणा 559 अंक से तीसरे स्थान पर रहे।

पंजाब के निशानेबाज अर्जुन सिंह चीमा ने डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में पुरुषों के 50 मीटर पिस्टल राष्ट्रीय चयन ट्रायल में जीत दर्ज की। अर्जुन ने 562 अंक बनाए और वह केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के अविष्कार तोमर से आगे रहे। तोमर ने 558 अंक बनाए। वायु सेना के रविंदर ने भी 558 अंक बनाए लेकिन उन्होंने अंदर के सर्किल पर कम शॉट लगाए थे और इसलिए उन्हें तीसरे स्थान से संतोष करना पड़ा। पुरुषों के जूनियर फ्री पिस्टल वर्ग में राजस्थान के अभिनव चौधरी ने 554 अंक बनाकर पहला स्थान हासिल किया। हरियाणा के अंकित तोमर 544 अंक बनाकर दूसरे और उत्तर प्रदेश के अक्षत वर्मा 540 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

लड़कियों के जूनियर फ्री पिस्टल में महाराष्ट्र की साक्षी सूर्यवंशी ने 545 अंकों के साथ पहला स्थान हासिल किया। हरियाणा की शिखा नरवाल 540 अंक बनाकर दूसरे जबकि उन्हीं के राज्य की दिवांशी 536 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रही। लड़कों के 25 मीटर पिस्टल ट्रायल्स में पंजाब के राजकंवर सिंह संधू 584 अंक बनाकर शीर्ष पर रहे।

दलीप ट्रॉफी : मंदीप उत्तर प्रदेश के कप्तान, तिवारी करेंगे पूर्वी क्षेत्र की अगुआई

नयी दिल्ली, 25 अगस्त। पंजाब के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज मंदीप सिंह को आगामी दलीप ट्राफी के लिये गुरूवार को उत्तर क्षेत्र की टीम का कप्तान नियुक्त किया गया। यह टूर्नामेंट तमिलनाडु में आठ से 25 सितंबर तक खेला जायेगा। दिल्ली के अनुभवी बल्लेबाज ध्रुव शोरे उप कप्तान होंगे। वहीं बंगाल के अनुभवी मनोज तिवारी पूर्वी क्षेत्र की टीम की कमान संभालेंगे। झारखंड के विराट सिंह उप कप्तान होंगे। उत्तर क्षेत्र की टीम में भारतीय तेज गेंदबाज नवदीप सैनी, पंजाब के तेज गेंदबाज सिद्धार्थ कौल और भारत की अंडर–19 विश्व कप विजेता टीम के कप्तान दिल्ली के यश धुल भी शामिल हैं।

उत्तर क्षेत्र की टीम : यश धुल (दिल्ली), ध्रुव शौरी (उप–कप्तान, दिल्ली), मनन वोहरा (उत्तराखंड), मनदीप सिंह (कप्तान, पंजाब), हिमांशु राणा (हिमाचल प्रदेश), आकाश वशिष्ठ (हिमाचल प्रदेश), अनमोल मल्होत्रा (विकेटकीपर, पंजाब), मयंक डागर (हिमाचल प्रदेश), पुलकित नारंग (सेना), नवदीप सैनी (दिल्ली), सिद्धार्थ कौल (पंजाब), जगजीत सिंह (उत्तराखंड), निशांत सिंधु (हिमाचल प्रदेश), कामरान इकबाल (जम्मू कश्मीर), विकास मिश्रा (दिल्ली)।

पूर्वी क्षेत्र की टीम : मनोज तिवारी (कप्तान), सुदीप कुमार घरामी, अनुष्टुप मजूमदार, अभिषेक पोरेल (विकेटकीपर), शाहबाज अहमद, ईशान पोरेल, आकाश दीप (सभी बंगाल के), विराट सिंह (उप–कप्तान), नाजिम सिद्दीकी, कुमार कुशाग्र, शाहबाज नदीम (सभी झारखंड), मुख्तार हुसैन, रियान पराग (असम), मणिशंकर मुरा सिंह (त्रिपुरा), शांतनु मिश्रा (ओडिशा)।

एआईएफएफ चुनाव : भूटिया ने अध्यक्ष पद के लिए नए सिरे से नामांकन भरा, चौबे सबसे आगे

नयी दिल्ली, 25 अगस्त। दिग्गज फुटबॉल खिलाड़ी और पूर्व भारतीय कप्तान बाइचुंग भूटिया ने अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के दो सितंबर को होने वाले चुनाव के लिए गुरुवार को अध्यक्ष पद के लिए नए सिरे से नामांकन भरा, जिससे उनके और पूर्व गोलकीपर कल्याण चौबे के बीच सीधी भिड़ंत तय है। पर इसमें चौबे 'फ्रंट रनर' (प्रबल दावेदारों में बढ़त बनाये) के तौर पर सामने आ रहे हैं। पदम श्री से सम्मानित 45 वर्षीय फुटबॉलर भूटिया के नाम का प्रस्ताव आंध्र फुटबॉल संघ ने किया जबकि राजस्थान फुटबॉल संघ ने उसका अनुमोदन किया।

मोहन बागान और ईस्ट बंगाल के पूर्व गोलकीपर तथा पश्चिम बंगाल में भाजपा के नेता कल्याण चौबे को भी अध्यक्ष पद का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। चौबे के नाम का प्रस्ताव गुजरात फुटबॉल संघ ने किया जबकि उसका अनुमोदन अरुणाचल प्रदेश फुटबॉल संघ ने किया। चौबे ने 2019 में पश्चिम बंगाल के कृष्णानगर से लोकसभा चुनाव लड़ा था लेकिन इसमें हार गये थे। एआईएफएफ के सूत्रों के अनुसार अगर रणनीति में अंतिम मिनट में कोई बदलाव नहीं होता है तो दो सितंबर को होने वाले चुनाव में केवल भूटिया और चौबे ही अध्यक्ष पद की दौड़ में शामिल होंगे। निर्वाचन अधिकारी उमेश सिन्हा ने सोमवार को उच्चतम न्यायालय के आदेश के बाद 34 सदस्यीय निर्वाचक मंडल पहले ही तैयार कर दिया है। उच्चतम न्यायालय ने फीफा महिला अंडर–17 विश्व कप बचाने की मुहिम में सोमवार को प्रशासकों की समिति (सीओए) को खत्म कर अपने पूर्व आदेश को बदल दिया था।

पता चला है कि कई राज्य संघों ने बुधवार को यहां बैठक में एआईएफएफ अध्यक्ष पद के लिये चौबे को अपने उम्मीदवार के रूप में आम सहमति देने का फैसला किया है। राज्य संघ के एक अधिकारी ने पीटीआई से कहा, ''कल्याण चौबे के नाम पर सभी राज्य संघों में आम सहमति है। लेकिन अंतिम मिनट में कुछ संघों ने भूटिया को समर्थन देने का

फैसला किया जो कुछ मुद्दों पर खुश नहीं हैं। ''

भूटिया ने कहा,'' मैंने एआईएफएफ अध्यक्ष पद के लिए अपना नामांकन भर दिया है और मुझे लगता है कि मैं इस पद के लिए सबसे उपयुक्त व्यक्ति हूं।'' उन्होंने कहा,'' मैंने देश के लिए और शीर्ष क्लबों के लिए इतने अधिक मैच खेले हैं तथा मैं प्रशासन के बारे में भी थोड़ा बहुत जानता हूं क्योंकि मैं खेल मंत्रालय थे मिशन ओलंपिक विभाग और कई अन्य समितियों में हूं। मैं चाहता हूं कि भारतीय फुटबॉल नई ऊंचाइयों पर पहुंचे।''

भूटिया ने इससे पहले भी अध्यक्ष पद के लिए नामांकन भरा था। तब उनके नाम का प्रस्ताव उनके पूर्व साथी खिलाड़ी दीपक मंडल ने किया था जबकि प्रतिष्ठित महिला फुटबॉलर मधु कुमारी ने उसका अनुमोदन किया था। फुटबॉल दिल्ली के अध्यक्ष शाजी प्रभाकरण ने इस बार चुनाव में नहीं खड़े होने का फैसला किया है, हालांकि उन्होंने तब नामांकन पत्र दाखिल किया था जब उच्चतम न्यायालय द्वारा नियुक्त सीओए के अंतर्गत चुनाव कराये जाने थे।

सूत्रों के अनुसार अगर चौबे की अगुआई वाला ग्रुप चुनाव जीतता है तो प्रभाकरण एआईएफएफ के महासचिव बन सकते हैं। कांग्रेस विधायक और कर्नाटक संघ के अध्यख प्रमुख एन ए हैरिस का निर्विरोध उपाध्यक्ष चुना जाना तय है क्योंकि उन्हें एआईएफएफ की ज्यादातर राज्य इकाईयों का समर्थन मिला है। एक अन्य पद जिसके लिये मुकाबला हो सकता है, वह कोषाध्यक्ष पद है। अरूणाचल प्रदेश के किपा अजय का आंध्र प्रदेश के गोपालकृष्णा कोसाराजू के खिलाफ आसानी से जीत दर्ज करने की उम्मीद है। कार्यकारी समिति के सदस्यों के 14 पद के लिये 13 उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र दाखिल किया है और इन सभी के बिना किसी परेशानी के चुने जाने की उम्मीद है।

ये जीपी पालगुना, अविजीत पॉल, पी अनिलकुमार, वलांका नताशा अलेमाओ, मालोजी राजे छत्रपति, मेनला इथेंपा, मोहन लाल, आरिफ अली, के नेबोऊ सेखोसे, लालनघिंगलोवा हमार, दीपक शर्मा, विजय बाली औ सैयद इम्तियाज हुसैन हैं। चुनाव एक अध्यक्ष, एक उपाध्यक्ष, एक कोषाध्यक्ष और 14 कार्यकारी समिति सदस्यों के लिए होना है। छह पूर्व खिलाड़ी – चार पुरूष और दो महिलायें – को बाद में मतदान अधिकार के साथ कार्यकारी समिति सदस्यों में जोड़ा जायेगा। नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तारीख शनिवार दोपहर एक बजे तक है। वे सोमवार को दोपहर एक बजे तक अपनी उम्मीदवारी वापस ले सकते हैं।

सरदार स्कूल की स्थापना 1828 में हुई थी। इसकी स्थापना स्वामी विवेकानन्द के आग्रह पर खेतड़ी महाराज सरदार सिंह ने की थी। इनके नाम पर ही विद्यालय का नाम रखा गया था। खेतड़ी महाराज ने ही स्वामी विवेकानन्द की शिकागो यात्रा को स्पॉन्सर किया था। आज कोटपूतली नगर पालिका ने इस स्कूल का मुख्य दरवाजा तोड़ दिया है।

हाई कोर्ट ने सरकार के वकील को कोटपूतली प्रकरण में आदेश दिये

अदालत ने डबल ए.जी. को कहा कि तोड़-फोड़ की कार्यवाही की जमीनी स्थिति की तथ्यात्मक रिपोर्ट 13 सितम्बर तक पेश करें

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 25 अगस्त। राजस्थान हाई कोर्ट में कोटपूतली में नगर परिषद द्वारा सड़क चौड़ी करने की आड़ में लोगों को बिना नोटिस दिये उनके घर व दुकान तोड़ने के खिलाफ 11 याचिकाओं की सुनवाई हुई। न्यायाधीश महेन्द्र कुमार गोयल की एकल पीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए राज्य सरकार की तरफ से डबल ए.जी. को अदालत में बुलाया और कहा कि वह इस मामले में जमीनी स्थिति पर तथ्यात्मक रिपोर्ट 13 सितम्बर से पहले प्रस्तुत करे। इसके साथ अदालत ने कहा कि नगर परिषद इन 11 याचिकाकर्ताओं के भवनों या इमारतों पर कोई कार्यवाही न करे।

- **तथ्यात्मक रिपोर्ट में पूर्ण जानकारी आ जायेगी कि, कितने मकान तोड़े गये हैं, कितनों को नोटिस दिया गया, कितनों को नहीं दिया गया और मुआवज़ा देने की क्या व्यवस्था है।**

तथ्यात्मक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के आदेश से यह सामने आ जायेगा कि कोटपूतली नगर परिषद ने वास्तव में इमारतें तोड़ने से पूर्व कितने लोगों को नोटिस भेजा था और कानूनी प्रक्रिया के अनुसार लोगों की जमीन को अवाप्त करने की प्रक्रिया शुरू की थी या नहीं।

तथ्यात्मक रिपोर्ट में यह भी स्पष्ट हो जायेगा कि नगर परिषद ने सड़क चौड़ी करने से पूर्व संबंधित लोगों से आपत्तियाँ भी आमंत्रित की थीं या नहीं।

उल्लेखनीय है कि अदालत में कोटपूतली के निवासी प्रेम कुमार गुप्ता ने कल ही कोटपूतली नगर परिषद की कार्यवाही के खिलाफ याचिका दायर की थी। याचिकाकर्ता को भी नगर परिषद ने कोई नोटिस नहीं दिया था, परन्तु प्रशासन ने कोटपूतली क्षेत्र में भय का ऐसा माहौल बनाया हुआ था कि याचिकाकर्ता ने स्वयं ही अपने भवन का कुछ हिस्सा तोड़ लिया था। अदालत में प्रस्तुत याचिका में उसने बताया कि उसे खेतड़ी महाराज द्वारा पट्टा दिया गया था। याचिका में कहा गया है कि, स्थानीय नगर परिषद उसके मकान को तोड़ना चाहती है और पट्टा भी रद्द करना चाहती है। अदालत ने याचिकाकर्ता के पक्ष में नगर परिषद को आदेश दिया है कि वह याचिकाकर्ता के भूमि व मकान पर कोई कार्यवाही न करे।

बहरहाल कोटपूतली नगर परिषद ने सरदार विद्यालय रोड पर तीन सरकारी इमारतों को हटाया है और सरदार स्कूल के मुख्य दरवाजे को पूरी तरह तोड़ दिया है।

नागौर और श्रीगंगानगर जिला क्रिकेट संघ को हाई कोर्ट से राहत

हाई कोर्ट ने इन दोनों इकाइयों की संबद्धता रद्द करने के आर.सी.ए. के आदेश पर रोक लगाई

- **राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन ने गत चार जुलाई को दोनों जिला क्रिकेट संघों व अलवर जिला क्रिकेट संघ की संबद्धता रद्द कर दी थी जिनमें से नागौर व श्रीगंगानगर के जिला क्रिकेट संघ ने कोर्ट में याचिका दायर की थी।**
- **हाई कोर्ट ने आर.सी.ए. के आदेश पर स्टे देने के साथ ही बी.सी.सी.आई. सहभागिता रजिस्ट्रार से भी जवाब तलब किया है।**

जयपुर, 25 अगस्त (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने नागौर और श्रीगंगानगर जिला क्रिकेट संघ को राहत देते हुए आरसीए के गत चार जुलाई के आदेश पर रोक लगा दी है, जिसमें इन दोनों क्रिकेट संघों की संबद्धता को रद्द कर दिया गया था। इसके साथ ही अदालत ने बीसीसीआई और सहकारिता रजिस्ट्रार को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। जस्टिस महेन्द्र गोयल ने यह आदेश नागौर और श्रीगंगानगर जिला क्रिकेट संघों की याचिका पर दिए।

याचिका में अधिवक्ता डॉ. अभिनव शर्मा ने बताया कि, आरसीए ने गत 4 जुलाई को साधारण सभा की आपातकालीन बैठक बुलाकर नागौर, श्रीगंगानगर व अलवर जिला क्रिकेट संघों की संबद्धता को रद्द कर दिया था। आरसीए ने इन तीनों एसोसिएशनों की संबद्धता रद्द करने का मुख्य कारण, पूर्व में बीसीसीआई द्वारा ललित मोदी व अन्य के मामले में दिए गए दिशा-निर्देशों का पालन नहीं करना बताया।

याचिका में कहा गया कि याचिकाकर्ता पहले ही बीसीसीआई के दिशा-निर्देशों का पालन कर चुके हैं और उनका ललित मोदी व उनके समर्थकों से कोई भी संबंध नहीं है।

इसके अलावा 27 अगस्त 2021 के आदेश में लोकपाल ने भी माना था कि प्रार्थी जिला क्रिकेट संघों ने बीसीसीआई की मांग को पूरा कर दिया है और ललित मोदी, उनके पुत्र रुचिर मोदी और अन्य सहयोगियों से कोई संबंध नहीं रखे हैं।

याचिका में बताया गया कि लोकपाल ने पांच जुलाई के आदेश में कहा था कि इन तीनों जिला क्रिकेट संघों को आर.सी.ए. का भाग बनाया जाये, परंतु आर.सी.ए. ने लोकपाल के किसी भी आदेश को नहीं माना और तीनों क्रिकेट संघों को रद्द करने वाले आदेश को क्रियान्वित रखा।

दूध पर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इससे मवेशी तनावग्रस्त हो गए और दूध के उत्पादन में 11 प्रतिशत की कमी आई। अनियमित वर्षा और अतिवादी मौसम ने पहले से ही चल रही चारे की कमी की स्थिति को और खराब कर दिया।

भारत के अधिकांश डेयरी फार्मर लघु उत्पादक हैं और गर्मी कम करने के उपायों जैसे कि गांव के तालाबों को साझा करने आदि पर उनकी निर्भरता जल की कमी और प्रदूषण के कारण तर्कसंगत नहीं रह गई है।

अब आगे क्या: नैशनल डेयरी रिसर्च इंस्टीट्यूट के वैज्ञानिकों ने इस संकट के समाधान की कोशिश की, जिसमें भैंस की नई ब्रीड डवलप करना शामिल है। देश की जरूरत का आधा दूध भैंसों से प्राप्त होता है जो क्रॉसब्रीड मवेशियों की तुलना में गर्मी को बर्दाश्त करने में अधिक समर्थ साबित हुई हैं। वैज्ञानिकों ने प्रोटीन युक्त नई झाड़ियों का उपयोग भी सुझाया है। कुछ वैज्ञानिक गोवंश के आगे बांसुरी तक बजा रहे हैं। वे यह देखना चाहते हैं कि क्या ऐसा करने से गोवंश को आराम मिलता है।

इस मुद्दे पर वैज्ञानिकों की टीम का नेतृत्व करने वाले डॉ. आशुतोष ने कहा कि "हमें जानवर को तनावमुक्त करने के तरीके खोजने होंगे, हम तभी उन्हें अपनी मर्जी अनुसार ढाल सकते हैं।"

अब सरिस्का में खानें चल सकेंगी

- **राज्य सरकार ने सरिस्का बाघ परियोजना से 10 किमी की दूरी में खानों के संचालन के लिए नैशनल बोर्ड ऑफ वाइल्डलाइफ की अनुमति की बाध्यता खत्म की।**
- **इसका सीधा लाभ अलवर की 157 खानों को होगा।**

अलवर, 25 अगस्त (निसं)। राज्य सरकार ने सरिस्का बाघ परियोजना के 1 से 10 किमी की दूरी में चल रही खानों के संचालन के लिए राष्ट्रीय वन्य जीव मंडल (एनबीडब्ल्यूएल) की अनुमति की बाध्यता खत्म कर दी है। इसका सीधा लाभ अलवर की 157 खानों एवं खदानों को होगा।

राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल की क्षेत्रीय अधिकारी सोनाली चौधरी ने बताया कि, राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण के आदेशों की पालना में सरिस्का बाघ परियोजना से 10 किमी की दूरी तक स्थित खानों को एनबीडब्ल्यूएल की मंजूरी के बिना संचालन के करार का नवीकरण नहीं किया जा रहा था।

उन्होंने बताया कि अब राज्य सरकार के निर्णय के अनुसार उन खानों को संचालन के करार के नवीकरण की अनुमति होगी, लेकिन सरिस्का बाघ परियोजना या संरक्षित वन क्षेत्र से एक से 10 किमी दूर स्थित खानों में उत्पादन की वृद्धि नहीं की जा रही है।

सुप्रीम कोर्ट की पाबंदी की वजह से सरिस्का अभ्यारण्य के आसपास की खानें धीरे-धीरे बन्द हो रही थीं, जिसका खामियाजा मिनरल उद्यमियों को भुगतना पड़ा।

उद्यमियों को रॉ- मटीरिअल नहीं मिलने से कंपनियां बंद होने के कगार पर आ गईं। वहीं सुप्रीम कोर्ट की पाबंदी के बाद खानों को नई एन.ओ.सी. भी नहीं मिली।

इस वर्ष मार्च माह के बाद ही 40 से अधिक खाने एन.ओ.सी. नहीं मिलने से बंद हो गईं। मिनरल उद्योगों को सर्वाधिक नुकसान पिछले चार माह के बाद ही हुआ है। प्रदूषण मंडल ने सुप्रीम कोर्ट की पालना में इन्हें एनओसी नहीं दी।

इन खानों की वजह से ही अलवर वॉल पुट्टी का हब बन गया था। यहां कई बड़े व्यापारिक समूहों ने भी यहाँ निवेश कर रखा है। कई बड़े समूह जैसे कि मिराज डाइकेम और सोनालेक सहित वॉल पुट्टी बनाने वाली 50 से अधिक कंपनियां अलवर में खुली।

अलवर का खनिज इन्हीं कंपनियों में खपने लगा। अभी जेके लक्ष्मी वॉल पुट्टी समूह भी अलवर में कंपनी लगाने की योजना बना रहा है।

स्वदेशी विमान वाहक पोत "विक्रांत" का लोकार्पण

नई दिल्ली, 25 अगस्त (वार्ता)। देश के पहले स्वदेशी विमानवाहक पोत विक्रांत को दो सितम्बर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मौजूदगी में लोकार्पण के बाद विधिवत रूप से नौसेना के बेड़े में शामिल किया जायेगा जिससे हिन्द महासागर में नौसेना की ताकत कई गुणा बढ़ जायेगी। नौसेना उप प्रमुख वाइस एडमिरल एस एन घोरमड़े ने गुरूवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि मोदी दो सितम्बर को कोच्चि में इस विमानवाहक पोत को देश को समर्पित करेंगे जिससे यह विधिवत रूप से नौसेना के बेड़े में शामिल हो जायेगा।

इसके साथ ही नौसेना के पास दो विमानवाहक पोत हो जायेंगे। नौसेना के पास आई.एन.एस. विक्रमादित्य विमानवाहक पोत पहले से ही है।

गेहूं का...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गया था। उन्होंने कहा कि अप्रैल- जुलाई 2021 की तुलना में, अप्रैल-जुलाई 2022 में, विदेशी बाजारों में गेहूं के आटे की मांग 200 प्रतिशत बढ़ गई है।

उन्होंने कहा कि भारतीय गेहूं की माँग इसलिये बढ़ी है, क्योंकि पिछले वर्ष तक रुस और यूक्रेन गेहूं के बड़े निर्यातक थे तथा गेहूं के वैश्विक व्यापार के एक-चौथाई भाग की पूर्ति कर देते थे लेकिन अब वहां युद्ध छिड़ जाने के कारण, गेहूं आपूर्ति व्यवस्था लड़खड़ा गई है। इससे पहले भारत में गेहूं के आटे के निर्यात पर कभी भी रोक नहीं लगाई गई है लेकिन सरकार देश के 1.4 अरब लोगों की खाद्य सुरक्षा का भी तो ध्यान रखना था।

सोनाली फोगाट की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में चौंकाने वाले खुलासे

पणजी, 25 अगस्त। भाजपा की नेता एवं टिकटॉक स्टार सोनाली फोगाट की ऑटोप्सी (पोस्टमॉर्टम) रिपोर्ट में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। सोनाली फोगाट की ऑटोप्सी रिपोर्ट में 'शरीर पर किसी कुंद वस्तु से जबरन कई बार वार करने' का उल्लेख है। एक अधिकारी ने गुरुवार को ये जानकारी दी। गोवा पुलिस ने फोगाट की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने

- **सोनाली फोगाट के शरीर पर कई जगह चोट के निशान पाये गये हैं।**

के तुरंत बाद उनके दो सहयोगियों के खिलाफ बृहस्पतिवार को हत्या का आरोप दर्ज किया है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि, 42 वर्षीय फोगाट की मौत से जुड़े मामले में भारतीय दंड संहिता की धारा 302 (हत्या) को जोड़ा गया है।

उन्होंने बताया कि, मामले में सुधीर सांगवान और सुखविंदर वासी को आरोपी बनाया गया है।

'अडाणी की ओर से टेकओवर की घोषणा पूरी तरह से एकतरफा है'

एन.डी.टी.वी. के प्रमोटर्स ने कहा कि, अडाणी ने शेयर खरीदने से पहले सेबी से परमीशन नहीं ली

- **गौरतलब है कि, शेयर बाजार नियामक सेबी ने एन. डी. टी.वी. के प्रमोटर प्रणय रॉय और राधिका रॉय के शेयरों की खरीद एवं बिक्री पर प्रतिबंध लगा रखा है।**

नई दिल्ली, 25 अगस्त (वार्ता)। समाचार प्रसारक एन.डी.टी.वी. ने गुरुवार को कहा कि उसके प्रमोटर प्रणय राय और राधिका राय पर शेयरों की खरीद या बिक्री तथा प्रतिभूति बाजार से संबंद्धता पर प्रतिबंध लगाया गया है इसलिए अडानी समूह को लेन-देन को पूरा करने के लिए बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) से मंजूरी लेनी होगी।

एन.डी.टी.वी. की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के 27 नवंबर- 2020 के आदेश के तहत उसके प्रमोटरों शेयरों की खरीद या बिक्री तथा प्रतिभूति बाजार से संबंद्धता पर दो साल के लिए प्रतिबंध लगाया गया है और यह अवधि आगामी 26 नवम्बर-2022 को समाप्त हो रही है। बयान में दावा किया गया है कि अडानी समूह को लेन-देन को पूरा करने के लिए बाजार नियामक सेबी से मंजूरी लेनी होगी। उद्यम हस्ती गौतम अडानी के नेतृत्व वाले अडानी समूह ने मंगलवार को घोषणा की थी कि उसकी मीडिया शाखा ए.एम.जी. मीडिया नेटवर्क्स लिमिटेड परोक्ष रूप से एन.डी.टी.वी. में 29.18 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण करेगी और 26 फीसदी शेयरों के लिए खुला ऑफर भी पेश करेगी।

उसी दिन समूह ने स्टॉक एक्सचेंजों बी.एस.ई. और एन.एस.ई. को भी सूचित किया कि ए.एम.एन.एल. ने वी.सी.पी.एल. में 100 फीसदी इक्विटी हिस्सेदारी हासिल कर ली है। एन.डी.टी.वी. ने कहा था कि वी.सी.पी.एल. द्वारा अधिकारों का प्रयोग बिना किसी बातचीत या एन.डी.टी.वी. के संस्थापकों की सहमति के बिना किया गया।

बाढ़ में फंसे 28 लोगों को बचाया

कोटा, 25 अगस्त (निसं)। जिले के इटावा उपखण्ड के गांव कीरपुरा में नैशनल डिज़ैस्टर रैस्पाँस फोर्स (एन.डी.आर.एफ.) किशनगढ़ की टीम ने पानी में फंसे हुए 28 जनों को रैस्क्यू कर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया तथा अपनी जान पर खेलकर तेज बहाव में बह कर जा रहे 35 वर्षीय युवक को

- **नैशनल डिज़ैस्टर रैस्पॉन्स फोर्स के जवानों ने कोटा के कीरपुरा गांव में बाढ़ में फंसे 28 लोगों को बचाया।**

भी बाहर निकाला।

दल के राजस्थान प्रभारी सहा. कमांडेंट योगेश कुमार मीना ने बताया कि जिला प्रशासन से सूचना मिली कि इटावा के गांव कीरपुरा में चम्बल का पानी बढ़ने के कारण बाढ़ की स्थिति बन गयी है तथा गांव में 28 जन फंसे हुए हैं। उन्होंने बताया कि टीम कमांडर विनय भाटी के नेतृत्व में 11 सदस्यीय टीम ने तुरंत कीरपुरा में पानी में फंसे लोगों को बचाने का अभियान शुरु किया तथा 28 लोगों का सफल रैस्क्यू किया। सहायक कमांडेंट ने बताया कि बचाव कार्य के दौरान टीम कमांडर विनय भाटी को बहते हुए पानी से बचाओ-बचाओ की आवाज सुनाई दी, देखा तो पाया गया कि कोई व्यक्ति पानी के तेज बहाव में बह रहा है। उन्होंने बताया कि रैस्क्यू टीम ने तत्काल कार्यवाही की और टीम सदस्यों ने छलांग लगाकर सुरक्षा घेरा प्रदान किया जिससे व्यक्ति तेज बहाव में बहकर नहीं जा सके। कीरपुरा निवासी दौलत राम पुत्र मूलचंद उम्र 35 वर्ष के परिजनों ने एनडीआरएफ दल के सदस्यों एवं जिला प्रशासन का आभार व्यक्त किया।

सुप्रीम कोर्ट के प्रति आक्रामक...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सुखद आश्चर्य के रूप में आई है, वह है कि सर्वोच्च न्यायालय द्वारा बड़े अधिकार के साथ ऐसे मामलों के बीच में आने, जो विशिष्ट रूप से विधायिका के परमाधिकार एवं कर्तव्य के अन्तर्गत आते हैं, को लेकर पूर्व उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने भी वही रुख अपनाया, जो पी.टी.आर. ने अपनाया था।

प्रसंगवश बता दें कि जब सर्वोच्च न्यायालय ने डी.एम.के. के बयानों पर आपत्ति दर्शायी थी, तो उस समय उसने किसी व्यक्ति का नाम नहीं लिया था, लेकिन न्यायालय का संकेत किस व्यक्ति की ओर था, यह हर व्यक्ति के समक्ष स्पष्ट था। अब, नायडू ने भी न्यायालयों के इस अधिकार पर सवाल खड़े किये हैं कि वह किसी सरकार को फ्रीबीज़ के मामले में निर्देश दे। नायडू ने कहा कि इस मुद्दे का निर्णय तो निर्वाचित प्रतिनिधियों को करना चाहिये, सर्वोच्च न्यायालय या न्यायपालिका को नहीं। उल्लेखनीय है कि इन जटिल मुद्दों पर अपनी अलग सोच को दर्शाते समय उनकी भाषा और लहज़ा पूरी तरह संयत था। अरुण जेटली की पुस्तक "अ न्यू इंडिया" के लोकार्पण समारोह में बोलते हुये, पूर्व उपराष्ट्रपति ने कहा कि कोई व्यक्ति कानून की व्याख्या एवं प्रतिपादन के लिये अदालतों में जा सकता है लेकिन क्या और कौनसी नीति प्रतिपादित करनी है यह क्षेत्राधिकार तो संसद एवं राजनैतिक दलों का है।

नायडू ने कहा : "कानून की व्याख्या (के लिये) कोई व्यक्ति अदालत में जा सकता है लेकिन कैसे कानून बनाये जाने की जरुरत है तथा कैसी नीति प्रतिपादित करनी होगी- यह तो संसद एवं राजनैतिक दलों के क्षेत्राधिकार में है।" उन्होंने जोर देते हुये कहा कि यह काम सर्वोच्च न्यायालय या न्यायपालिका का नहीं है क्योंकि इन मुद्दों पर तो सत्ता में बैठे लोगों को निर्णय लेना चाहिये, क्योंकि जनता उन्हें (इसी काम के लिये) चुनती है। बिल्कुल यही बात उस समय पी.टी.आर. ने कही थी, जब उन्होंने यह सवाल किया था कि सर्वोच्च न्यायालय या केन्द्र सरकार हमसे यह कहने वाले कौन होते हैं कि हम अपना काम कैसे करें, जबकि संविधान यह काम निर्वाचित सरकार को सौंपता है कि वह सार्वजनिक धन को खर्च करने के रास्तों एवं साधनों के बारे में निर्णय ले। पी.टी.आर. ने कहा था, "हम जनता के प्रति जवाबदेह हैं। यह बात जनता को हमें बतानी चाहिये कि हम अच्छा काम कर रहे हैं या बुरा काम कर रहे हैं।"

दरअसल, डी.एम.के. स्वयं भी फ्रीबीज से सम्बंधित याचिका में शामिल हो गई तथा उसने जानना चाहा कि क्या धनी लोगों के ऋणों को माफ कर देना (राइट आफ) भी फ्रीबीज़ है, यह वह मुद्दा है जिसे लेकर हरेक विपक्षी दल प्रहार कर रहा है तथा प्रधानमंत्री मोदी तथा केन्द्र सरकार से सवाल कर रहा है। केन्द्र सरकार द्वारा कॉर्पोरेट टैक्स में कटौती किये जाने पर भी विपक्ष ने सवाल खड़े किये थे तथा भाजपा के इस कथन को निरर्थक सिद्ध कर दिया था कि विपक्षी दल "रेवड़ियाँ" बाँट रहे हैं तथा राज्यों की अर्थव्यवस्था को कमजोर कर रहे हैं। पी.टी.आर. ने तथ्यों एवं आँकड़ों के आधार पर, इसकी भी काट की थी तथा कहा था कि तथाकथित सभी प्रकार की फ्रीबीज देने के बाद भी, तमिलनाडु की ग्रोथ ज्यादा है, वहाँ महंगाई कम है, प्रति व्यक्ति आय ज्यादा है तथा राष्ट्रीय राजकोष में उसका योगदान बहुत बड़ा है। फ्रीबीज तथा चुनावी वादों को लेकर एक उत्साही बहस पूरी गंभीरता के साथ शुरु हो चुकी है। देखना यह है कि क्या इस सम्बंध में कोई कानून या राजनैतिक सर्वसम्मति बनेगी। केन्द्र से कहा गया था कि क्या वह इस मुद्दे पर विचार करने के लिये एक सर्वदलीय मीटिंग बुला सकता है।

तीन आतंकी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सूत्रों ने बताया कि जवानों ने घुसपैठियों को ललकारा तो उन्होंने गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके बाद जवाबी कार्रवाई में अब तक तीन घुसपैठिए मारे गए। इलाके से हथियार और गोला-बारूद भी बरामद हुआ है।

उल्लेखनीय है कि पिछले कुछ दिनों में सीमावर्ती इलाकों में घुसपैठ की कोशिशों में तेजी देखी गई है। सेना ने पिछले चार दिनों में जम्मू क्षेत्र में नियंत्रण रेखा पर घुसपैठ के कम से कम तीन प्रयासों को विफल किया है।

केन्द्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले में सुरक्षा बलों ने गुरुवार को लश्कर-ए-तैयबा के दो आतंकवादी सहयोगियों को गिरफ्तार करके उनके पास से हथियार और गोला-बारुद बरामद किया। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि दोनों को लाल किला मोड पेठकोट के समीप एक संयुक्त जांच चौकी पर जांच के दौरान गिरफ्तार किया गया।

'अडानी ग्रुप की प्रगति उन ऋणों...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

समाज या शासन सम्बंधी जोखिम है, में कदम रखते वक्त गौतम अडानी और उनके परिवार की ओर से सीमित मात्रा में पूंजी लगाई गई।

प्रो. गौरव वल्लभ ने सीधे तीन प्रश्न दागे:

-सरकार में से किसने राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था और बैंकों को महा जोखिम में डालते हुए एस.बी.आई. जैसे बैंकों पर इतने बड़े अनुपात में ऋण देने का दबाव डाला?

-अग्रिम एन.डी.टी.वी. चैनल के शत्रुतापूर्ण अधिग्रहण के पूरे प्रकरण पर वित्त मंत्रालय और सेबी क्यों चुप्पी साधे बैठे हैं?

- ऋण पुनर्भुगतान में चूक की स्थिति में सरकार अर्थव्यवस्था को अनुषंगिक और व्यापक नुकसान से कैसे बचाएगी क्योंकि अडानी ग्रुप का ऋण लगातार बढ़ रहा है?

अडानी ग्रुप ने अप्रैल 2020 से जून 2022 तक जो बड़े लोन लिए, उनमें से एक तो 48 हजार करोड़ रूपयों का था, जिसमें से स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया (एस.बी.आई.) ने 40 प्रतिशत अर्थात 18 हजार 770 करोड़ की फण्डिंग की, जबकि शेष 60 प्रतिशत, 29 हजार करोड़ रूपयों की फण्डिंग 14 वैश्विक एवं प्राइवेट बैंकों द्वारा की गई। प्रोफेसर ने कहा कि यह तथ्य भारत के सबसे प्रमुख बैंक को जोखिम में डालता है। उन्होंने बताया कि रिपोर्ट में हाइलाइट किया गया है कि जिन करोबारों के लिए लोन दिया गया, उनमें शुरूआत के कुछ वर्षों में लाभ नहीं कमाया जाता, इसलिए उनमें ऋण अनुबंध बढ़ाने की, ऋण दायित्वों की रीफायनैन्सिंग की संभावना है, जिसके लिए उन्हें फिर से बैंकों की शरण में आना होगा। रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि ऋण फण्डिंग की अति महत्वकांक्षी विकास योजनाएं अन्ततः ऋणों के एक महाजाल में फंसा सकती हैं।

क्रेडिट साइट्स दो टूक कहती हैं कि "गौतम अडानी के सत्तारूढ़ भाजपा सरकार के साथ मधुर संबंध हैं तथा वे और प्रधानमंत्री मोदी तब से एक-दूसरे को जानते हैं जब मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री हुआ करते थे।"

प्रो. गौरव वल्लभ ने याद किया कि, किस तरह श्रीलंका सरकार के सीलोन इलैक्ट्रिसिटी बोर्ड ने एक संसदीय पैनल के समक्ष दावा किया था कि, नरेन्द्र मोदी जी ने श्रीलंका के राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे पर दबाव डाला था, अडानी ग्रुप को विण्ड प्रौजेक्ट देने के लिए/इसके साथ ही, सन् 2014 में जैसे ही मोदी सरकार सत्ता में आई एस.बी.आई. ने अडानी ग्रुप के साथ एक अरब डॉलर को फैसिलिटी के लिए सिद्धान्तः अनुबंध किया तथा फण्डिंग मुहैय्या करवाने के लिए विश्व के कई बैंकों को साथ लिया। निरन्तर विरोध के बाद, एस.बी.आई. पीछे हट गया। तथा मैमोरेण्डम ऑफ अन्डरस्टैंडिंग को रद्द कर दिया। वर्ष 2020 में यह खबर सामने आई कि स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया ने अडानी ग्रुप को, ऑस्ट्रेलिया में उसके कार्माइकल कोल प्रोजैक्ट के लिए 5000 करोड़ रूपए का ऋण दिया है। फिर अमुन्डी तथ एक्सा जैसे निवेशकों के दबाव के परिणाम स्वरूप एस.बी.आई. का ऋण अटक गया। पिछले वर्ष के बाद से इस ऋण के स्टेटस के बारे में कोई अपडेट्स नहीं मिले हैं।

उन्होंने कहा, नवीनतम तिकड़म है अडानी ग्रुप द्वारा एक प्रमुख टी.वी. चैनल (एन.डी.टी.वी.) के 29.19 प्रतिशत शेयर चोरी छुपे खरीद लेना। इसके लिए चैनल के संस्थापकों से अनुमति लेना तो दूर चर्चा तक नहीं की गई। अडानी ग्रुप ने 26 प्रतिशत शेयर खरीद की खुली पेशकश की हैं।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908